जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 112 प्रभात कोटा, मंगलवार 4 फरवरी, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'आप आए, सदन में बैठे और मुझे सुना, इसके लिए धन्यवाद'

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपना भाषण समाप्त करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 फरवरी। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज एक वरिष्ठ नेता के स्तर के अनुकूल भाषण दिया।

उनके भाषण में जहाँ राष्ट्रपति के संबोधन की आलोचना निहित थी, वहीं उसमें इसके कारण भी दिये थे कि राष्ट्रपति संबंधित अवसर के स्तर तक क्यों नहीं पहुँच पायीं। ऐसा करने के बजाय, उन्होंने वही अलंकृत भाषण दिया, जो वे साल-दर-साल देती आ रहीं हैं।

राहुल गांधी ने सिर्फ आलोचना ही नहीं की, उन्होंने सरकार को एक वैकल्पिक सोच भी दी कि भारत को वैश्विक ताकतों की परिधि में कैसे लाया जा सकता है, भारत को निर्माण एवं उत्पादन के क्षेत्र में प्रतिष्ठित रूप कैसे दिया जा सकता है तथा इलैक्ट्रोनिक्स, डेटा एवं बैटरीज के क्षेत्र में चीन के आधिपत्य का सामना कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को जोड़ना, रोजगार पैदा करना तथा उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने की बहुत बड़ी आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना की जातिगत जनगणना दर्शा रही है कि 90 प्रतिशत लोग ओबीसी, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक हैं और अगर शेष भारत की भी यही स्थिति है तो यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के तंत्र में उनकी दावेदारी नहीं है तथा वे धन के सृजन और उसे उपभोग से लाभान्वित नहीं हो रहे हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों और विधानसभा चुनावों के बीच 70 लाख नये मतदाता जुड़े थे और इनमें से अधिकांश मतदाता उन्हीं चुनाव क्षेत्रों में जुड़े थे, जहाँ भाजपा जीती है। उन्होंने कहा कि मात्र एक बिल्डिंग में ही, 7,000 नये मतदाता जुड़े थे तथा बार-बार किये गये अनुरोधों के बावजूद, चुनाव आयोग इन नये मतदाताओं के नाम तथा संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के नाम तथा अन्य डेटा उपलब्ध नहीं करा रहा था, जिसकी वे माँग कर रहे थे।

राहुल ने जानना चाहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश को चुनाव आयोग के चयन के लिए निर्धारित चयन समिति से क्यों हटा दिया गया। अब समिति में मोदी, अमित शाह और राहुल गांधी है। उन्होंने जानना चाहा कि चयन समिति में उनकी (राहुल) भूमिका क्या होगी।

राहुल गांधी ने नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुये, यह जानना चाहा कि ट्रंप के राज्याभिषेक में मोदी को आमंत्रित किये जाने की अनुनय-विनय करने के लिये विदेश मंत्री कई बार अमेरिका क्यों भेजे गये। उन्होंने कहा कि अगर भारत मजबूत होता तो मोदी को आमंत्रित करने के लिये ट्रंप स्वयं आते।

राहुल गांधी ने कहा कि नरेन्द्र मोदी इस बात से इनकार कर चुके हैं कि चीनी लोग भारत में प्रवेश कर चुके हैं तथा जमीन पर कब्जा कर लिया है। राहुल ने कहा कि थल सेनाध्यक्ष ने इस बात का खंडन किया और कहा था कि चीनी लोग भारत में प्रवेश कर चुके हैं। ?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राहुल गांधी का भाषण अधिकांशतः बेहद शांत और धीर-गंभीर था। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों की कटाक्षपूर्ण भाषाशैली से दूरी बनाते हुए मंजे हुए राजनेता की तरह अपनी बात कही।
- वर्ष 2004 में राहुल ने पहली बार चुनावी राजनीति में प्रवेश किया था और सांसद बने थे। यह बात यकीन से कही जा सकती है कि उन्होंने एक लम्बा सफर तय किया है।
- उन्होंने तेलंगाना की जातिगत जनगणना का हवाला दिया और बताया कि वहाँ 90 प्रतिशत लोग पिछड़े, दलित, आदिवासी व अल्पसंख्यक हैं। शेष भारत की भी यही स्थिति है। दुर्भाग्य की बात है कि उनकी सिस्टम में हिस्सेदारी नहीं है और सम्पदा के सृजन और उपभोग का लाभ उन्हें नहीं मिल रहा है।

अदालत ने बच्चों की कस्टडी, दादा-दादी से लेकर माँ को सौंपी

जयपुर, 3 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने बिना निगरानी बच्चों के सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर गंभीरता दिखाई है। इसके साथ ही, अदालत ने 11 साल की बच्ची और उसके सात साल के भाई की कस्टडी दादा-दादी से लेकर उनकी मां को सौंप दी है। हालांकि अदालत ने दादा-दादी को हर रविवार दोपहर 12 बजे से शाम पांच बजे तक बच्चों से मिलने की छूट दी है। बच्चे पिता की मौत के बाद अपने दादा-दादी के पास रह रहे थे। अदालत ने कहा कि बच्ची वीडियो बनाने के बाद उसे एडिट कर यूट्यूब पर अपलोड कर रही है और उसके दादा-दादी को वीडियो अपलोड होने की जानकारी भी है, लेकिन वे उस पर निगरानी को लेकर उदासीन रहे। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने यह आदेश बच्चों की मां की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- हाई कोर्ट ने कहा कि दादा-दादी की जानकारी से 11 साल की बच्ची वीडियो बनाकर यू-ट्यूब पर अपलोड करती थी, जो अनुचित है।

याचिका में कहा गया कि उसके पति की किडनी की बीमारी के चलते मौत हो गई थी। इस दौरान, याचिकाकर्ता के किडनी नहीं देने और उसकी ननद के किडनी देने पर उसके सास-ससुर गलत व्यवहार करते थे। उन्होंने बच्चों को अपने पास रखकर याचिकाकर्ता को घर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका ने कैनडा व मैक्सिको पर 25 प्रतिशत और चीन पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया

टैरिफ में वृद्धि से ऑटो मोबाइल से लेकर तेल उत्पादन कम्पनियों पर विपरीत प्रभाव की आशंका से शेयर बाज़ार गिर गया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 फरवरी। अपने वादे के अनुसार, डॉनल्ड ट्रंप ने एक विशाल आर्थिक युद्ध की पहली तोप चला दी है। उन्होंने कैनडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत टैरिफ और चीन पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इसके विपरीत, प्रसिद्ध समाचार संस्था सी.एन.एन. द्वारा करवाए गए एक सर्वे में सामने आया है कि अधिकतर लोग इन टैरिफ का अत्यधिक विरोध कर रहे हैं।

संख्या बहुत बड़ी है। टैक्स एजेंसियों के अनुसार, ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ 1.4 ट्रिलियन डॉलर मूल्य के सामान को प्रभावित करेंगे, तुलना के लिए, यह भारत के जीडीपी का लगभग एक तिहाई है।

व्यापक आर्थिक प्रभाव फैल रहे हैं। स्टॉक मार्केट्स गिर गए हैं, क्योंकि ऑटो मोबाइल से लेकर तेल उत्पादन जैसी संसाधन कंपनियों तक पर इसके प्रतिकूल असर की आशंका है। उदाहरण के लिए, टैरिफ से बचने के लिए, भारत ने कथित रूप से मोटरसाइकिल्स पर ड्यूटी घटा दी है। ट्रंप ने हाई-एंड हर्ले डेविडसन मोटरसाइकिल्स के प्रवेश को नुकसान पहुँचाने वाले टैरिफ पर शिकायत की थी।

ट्रंप द्वारा किए गए पहले धमाके से ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रंप ने चीन के खिलाफ अपना रुख थोड़ा नरम कर दिया है, जबकि अपने निकटतम पड़ोसियों के खिलाफ वे अधिक ताकत दिखा रहे हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि चीन, अमेरिका के पड़ोसियों से कहीं अधिक शक्तिशाली है और चीन के खिलाफ सख्त कार्रवाई का अमेरिका में उल्टा असर हो सकता है।

ब्लूमबर्ग की कुछ आंतरिक गणनाओं के अनुसार, वर्तमान स्तरों पर, चीन पर अमेरिकी टैरिफ इसके जीडीपी को लगभग 1 प्रतिशत नुकसान पहुँचा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- टैरिफ से बचने के लिए भारत ने अमेरिकन मोटर साइकिल हार्ले डेविडसन पर पहले ही शुल्क घटा दिया है। असल में ट्रम्प ने शिकायत की थी कि भारत में टैक्स ज्यादा होने की वजह से हार्ले डेविडसन मोटर साइकिल का आयात नहीं हो रहा है।
- मैक्सिको पर टैरिफ बढ़ने से जापानी कार निर्यात प्रभावित हो सकता है, क्योंकि अमेरिका को निर्यात करने के लिए जापानी कम्पनियां मैक्सिको में कारें बना रही हैं।
- टैक्स एजेंसियों के अनुसार, टैरिफ बढ़ाने की ट्रम्प की घोषणा से 1.4 ट्रिलियन डॉलर का सामान (गुड्स) प्रभावित होगा।

कर्नाटक भाजपा प्रमुख विजयेन्द्र के आत्मविश्वास का राज़ क्या है

वी.वाय. विजयेन्द्र ने दावे से कहा, कर्नाटक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का पद उनके पास ही रहेगा

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 फरवरी। कर्नाटक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाय. विजयेन्द्र जो कि पूर्व मुख्यमंत्री व कद्दावर लिंगायत नेता बी.एस. येद्दियुरप्पा के पुत्र हैं, के खिलाफ विद्रोह पनप रहा है पर उन्हें पूरा यकीन है कि इस लड़ाई में वे ही जीतेंगे और पार्टी के प्रमुख बने रहेंगे।

विजयेन्द्र ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान कहा कि वर्तमान में पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व का ध्यान अन्य राज्यों के चुनावों पर केन्द्रित है, इसके बाद जल्दी ही विवाद सुलझा लिया जाएगा। उन्होंने शिवमोगा में पत्रकारों से बात की तथा कहा कि पार्टी के आन्तरिक मतभेदों को सार्वजनिक रुप से उछालने का पार्टी को भारी कीमत चुकानी पड़ी थी और बेहतर होगा कि अगर कभी अपने मतभेद पार्टी मंच पर दर्शाएं। उन्होंने कहा, सभी मसले हफ्ते दस दिन में सुलझा लिए जाएंगे। पार्टी आलाकमान की हर घटना पर पैनी नज़र है। विजयेन्द्र को एक साल पहले पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था और काफी अर्से से उन्हें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का विरोध सहना पड़ रहा है और उनकी कार्यशैली से भी लोग नाराज़ हो रहे है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विजयेन्द्र कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और कद्दावर लिंगायत नेता बी.एस. येद्दियुरप्पा के पुत्र हैं, उन्हें एक साल पहले ही पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था।
- विजयेन्द्र को अपनी कार्यशैली व कई अन्य कारणों से वरिष्ठ नेताओं का विरोध सहना पड़ रहा है, पर, वे इसके प्रति बेफ्रिक नज़र आ रहे हैं। शिवमोगा में पत्रकारों से वार्ता में भी वे आत्मविश्वास से पूर्ण नज़र आए।

भूटान नरेश महाकुंभ में हिस्सा लेने लखनऊ पहुंचे

लखनऊ, 3 फरवरी। महाकुंभ के अवसर पर त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाने की चाहत के साथ, भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांग्चुक सोमवार को लखनऊ पहुंचे। वांग्चुक मंगलवार को प्रयागराज जाकर संगम में स्नान करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भूटान नरेश को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका कुशलक्षेम जाना। भूटान नरेश ने भी योगी का अभिवादन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।

तमिलनाडु के राज्यपाल को वापस बुलाने की अपील खारिज की सुप्रीम कोर्ट ने

सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा, याचिका ''इल कन्सीव्ड'', हम ऐसी प्रार्थना को स्वीकार नहीं करते

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 फरवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें राष्ट्रपति के सचिव तथा अन्य को ये निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि तमिलनाडु के राज्यपाल को उनके पद से तुरन्त ही वापस बुलाया जाये।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना तथा न्यायमूर्ति संजय कुमार की बैंच ने कहा कि न्यायपालिका भी संविधान के प्रावधानों से बँधी हुई है। बैंच ने याचिका में किये गये अनुरोध को ''कुविचारित'' (इल. कन्सीव्ड) बताया।

बैंच ने कहा, ''हम ऐसी प्रार्थनाओं पर स्वीकृति नहीं दे सकते। इसके (राज्यपाल को हटाया जाना) लिये संवैधानिक प्रावधान हैं। अदालत भी संविधान के अधीन है। याचिका खारिज की जाती है।''

संविधान के तहत, कोई भी राज्यपाल ''राष्ट्रपति की प्रसन्नता के दौरान अपना पद ग्रहण करता है तथा अगर ''राष्ट्रपति की प्रसन्नता बने रहने पर'', अपने पद पर पाँच वर्ष के कार्यकाल तक के लिये रह सकता है।

याचिकाकर्ता एडवोकेट सी.आर. जया सुकिन ने व्यक्तिशः कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों की एक श्रृंखला में कहा गया है कि राज्यपाल राजनैतिक क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकता तथा संविधान में निहित कार्यों को ही कर सकता है।

याचिका में आगे कहा गया, ''इस स्थिति में, राज्यपाल को संविधान द्वारा उसे प्रदत्त शक्तियों तक ही सीमित रहना चाहिये। उसे ऐसी कोई शक्ति काम में नहीं लेनी चाहिये, जो संविधान या उसके तहत बने कानून द्वारा उसे नहीं दी गई है।''

6 जनवरी को तमिलनाडु के राज्यपाल, सदन में राष्ट्रगान न बजाये जाने के विरोध में, बैठक शुरु होने के तुरन्त बाद राज्य विधानसभा से चले गये थे।

राज भवन के अनुसार, ''राज्यपाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, संविधान में को राज्यपाल हटाए जाने संबंधी प्रावधान हैं, हम खुद संविधान से बंधे हैं।
- तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि को वापस बुलाने का निर्देश देने के संबंध में वकील सी.आर. जयासुकिन ने यह याचिका दायर की थी ।
- याचिका में कहा गया है कि राज्यपाल राजनीति में लिप्त हैं, जबकि संविधान के अनुसार, राज्यपाल को ऐसा नहीं करना चाहिए और निष्पक्ष रहना चाहिए।

राहुल -प्रियंका ने दिल्ली में रोड शो किया

नयी दिल्ली, 03 फरवरी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन आज कालकाजी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कस्तूरबा नगर विधानसभा क्षेत्र में रोड शो किया, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

गांधी ने कालकाजी विधानसभा क्षेत्र के गोविंदपुरी में आयोजित रोड शो में क्षेत्र के लोगों से कांग्रेस उम्मीदवार अलका लाम्बा को वोट देने की अपील की। इस रोड शो में उनके साथ पार्टी प्रत्याशी अलका लाम्बा भी थीं। उन्होंने कहा दिल्ली का प्यार और विश्वास सिर्फ कांग्रेस के साथ है। हमने किया था, फिर कर दिखाएंगे, दिल्ली की खुशहाली वापस लेकर आएंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचार के आखिरी दिन राहुल गांधी के कालकाजी तथा प्रियंका के कस्तूरबा नगर में हुए रोड शो में अच्छी भीड़ थी।

चीन ने अमेरिका को चेतावनी दी फैंटनैल संकट को टैरिफ से लिंक न करें

फैंटनैल एक दर्द निवारक सिंथेटिक ड्रग है जिसकी बड़ी जल्दी लत लग जाती है और यह दोनों देशों के बीच भारी विवाद का कारण बनी हुई है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 फरवरी। संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा चीनी सामानों पर टैरिफ लगाने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, चीन के विदेश मंत्रालय ने इसकी जोरदार निंदा की है। मंत्रालय ने यह स्पष्ट किया है कि चीन इन एकतरफा कदमों का विरोध करता है और अपनी वैध अधिकारों और हितों की सुरक्षा के लिए जवाबी उपाय अपनाएगा।

चीन ने अमेरिका से आग्रह किया है कि वह फैंटेनल संकट का समाधान निष्पक्षता और तर्कसंगत तरीके से करें, न कि टैरिफ बढ़ाकर दबाव बनाए। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि अतिरिक्त शुल्क उल्टा असर डाल सकते हैं और ड्रग नियंत्रण पर भविष्य के सहयोगी प्रयासों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमेरिका से यह भी कहा गया कि वह अपनी भ्रामक प्रतिक्रियाओं को सुधारें, मादक पदार्थों के खिलाफ सहयोग में जो सकारात्मक गति प्राप्त की गई है, उसे बनाए रखें और स्थिर और स्वस्थ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा दें।

दर्द निवारक और जल्दी से लत बनने वाले सिंथेटिक ओपिओइड्स, जिनमें फैंटनेल भी शामिल है, लंबे समय से दोनों देशों के बीच विवाद का कारण रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने बार-बार चीन की आलोचना की है, उस पर फेंटानिल -संबंधित पदार्थों के मुख्य स्रोत होने का आरोप लगाया है। इसके जवाब में, चीन ने लगातार यह कहा है कि दुनिया के सबसे सख्त ड्रग नियंत्रण प्रणालियों में से एक चीन में लागू है, और मादक पदार्थों के प्रवर्तन पर अमेरिका के साथ व्यापक सहयोग करता है।

चीन की सरकार ने टैरिफ्स को फेंटेनल से जोड़ने के किसी भी प्रयास को नकारते हुए कहा है कि ऐसे लिंक जोड़ना अन्यायपूर्ण है और ड्रग नियंत्रण में सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए हानिकारक हैं। विदेश मंत्रालय ने यह कहा कि व्यापार और टैरिफ विवादों से किसी को कोई लाभ नहीं होता और अमेरिका से आग्रह किया कि वह फेंटेनल संकट का समाधान निष्पक्षता दृष्टिकोण से करें, न कि टैरिफ दबावों का उपयोग करें।

विदेश मंत्रालय ने चीन के मानवीय प्रयासों का हवाला दिया, जिसमें उसने अमेरिका फेंटेनल संकट से निपटने में मदद की थी। वर्ष 2019 में, वॉशिंगटन के अनुरोध पर, सभी फेंटेनल संबंधित पदार्थों को नियंत्रित दवाओं के रुप में वर्गीकृत करने वाला चीन पहला देश बन गया था। मंत्रालय ने यह दावा किया कि इस नियामक बदलाव के बाद, अमेरिका को चीन से फैंटेनल संबंधित कोई भी पदार्थ भेजे जाने की खबर नहीं मिली है।

मंत्रालय ने चेतावनी दी कि चीन के प्रयासों के बाद भी अतिरिक्त टैरिफ्स ड्रग नियंत्रण पर भविष्य के सहयोग को कमजोर कर सकते हैं और चीन ने अमेरिका से अपने दृष्टिकोण को सुधारने का आग्रह किया। विदेश मंत्रालय ने वॉशिंगटन से यह भी कहा कि वह द्विपक्षीय मादक पदार्थों के खिलाफ प्रयासों में प्राप्त सकारात्मक गति को बनाए रखे और स्थिर और रचनात्मक रिश्तों के लिए काम करे।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने इस रुख को दोहराते हुए यह घोषणा की कि वह विश्व व्यापार संगठन में अमेरिका के टैरिफ्स के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज करेगा। मंत्रालय ने इन उपायों की आलोचना की और इन्हें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नियमों का गंभीर उल्लंघन बताते हुए कहा कि यह सामान्य आर्थिक सहयोग को बाधित करते हैं, जबकि अमेरिका के आंतरिक मुद्दों को हल नहीं करते हैं।

वाणिज्य मंत्रालय ने विवादों को हल करने के लिए समानता और आपसी सम्मान पर आधारित सार्थक संवाद की आवश्यकता की बात की और यह जोर दिया कि सहयोग और संघर्ष से बचने के लिए यह जरुरी है ताकि द्विपक्षीय व्यापार और वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा मिल सके।

चीन की राज्य-प्रायोजित शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्टों के अनुसार, इसी बीच अमेरिका के टैरिफ्स के खिलाफ व्यापक रुप से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय विरोध देखा गया है। चीन काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने शहरी औद्योगिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- चीन के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने अमेरिका द्वारा की गई टैरिफ वृद्धि की आलोचना की तथा इसे आधारहीन व ड्रग्स नियंत्रण सहयोग के लिए नुकसानदेह बताया।
- उक्त प्रवक्ता ने कहा कि समस्या का मूल कारण यह है कि अमेरिका में फैंटनैल की मांग बहुत ज्यादा है और इस मुद्दे पर वहाँ की कानून व्यवस्था लचर है।

विधानसभा में धर्मांतरण विरोधी बिल पेश

जयपुर, 3 फरवरी। विधानसभा में स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने धर्मांतरण विरोधी बिल पेश किया। इस बिल को बजट सत्र में ही बहस के बाद पारित करवाया जाएगा। विधेयक के पारित होने की तिथि बाद में निर्धारित की जाएगी। बिल के प्रावधानों के अनुसार, खुद की मर्जी से धर्म परिवर्तन करने पर भी कलेक्टर को सूचना देनी होगी। मर्जी से धर्म बदलने पर 60 दिन पहले कलेक्टर को सूचना देकर धर्म परिवर्तन किया जा सकता है, लेकिन यह प्रक्रिया अपनाना जरूरी होगा। इस बिल में लव जिहाद के खिलाफ भी प्रावधान है। बिल में लव जिहाद को परिभाषित किया है। अगर कोई धर्म बदलवाने के लिए शादी करता है, वह लव जिहाद माना जाएगा। अगर यह साबित होता है कि शादी का मकसद लव जिहाद है तो ऐसी शादी को रद्द करने का प्रावधान होगा। अगर कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कराने के उद्देश्य से शादी करता है तो फैमिली कोर्ट ऐसे विवाह को अमान्य घोषित कर सकता है।

- इस बिल को इसी सत्र में बहस के बाद पारित कराया जायेगा।

विचार बिन्दु

आत्मा के आनंद रूपी सामंजस्य का बाहरी रूप दया है। - विलियम हैज़लित

क्या हम महाकुंभ के हादसे से सबक लेंगे?

मंगलवार और बुधवार के मध्य की रात्रि में लगभग एक और दो बजे के बीच प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में मौनी अमावस्या के अवसर पर मची भगदड में 30 लोगों की मृत्यु हुई और लगभग 60 घायल हुए। आश्चर्य की बात है कि इस हादसे के लगभग 18 घंटे बाद तक सरकार एवं प्रशासन द्वारा हादसे में मृत व्यक्तियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस बार के कुंभ को विश्व का सर्वाधिक विशाल आयोजन बताया गया जिसमें कुल 45 करोड श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने का अनुमान था।

कई दिनों से निरंतर विभिन्न संचार माध्यमों से राज्य सरकार द्वारा कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए श्रेष्ठतम व्यवस्था किए जाने के दावे किए जा रहे थे । राज्य सरकार द्वारा बताया गया कि महाकुंभ के आयोजन पर लगभग 7500 करोड रुपए व्यय किए गए। राज्य सरकार के दावों के अनुसार इस आयोजन के परिणाम स्वरूप उत्तर प्रदेश में लगभग 2 लाख करोड रुपए का व्यवसाय होने की अपेक्षा थी। यह बताया जा रहा था कितनी बडी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है आधुनिकतम तकनीक का उपयोग किया गया है और कैसे विश्व के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ इस आयोजन की प्रबंधन की क्षमता को देखने के लिए महाकुंभ में आ रहे थे । इस आयोजन को सरकार मने अपनी प्रतिष्ठा से जोड लिया था, विशेष कर आदित्यनाथ योगी की व्यक्तिगत प्रतिष्ठा से।

महाकुंभ के दौरान कुछ विशेष स्नान आयोजित किए जाते हैं इनमें सबसे प्रमुख मौनी अमावस्या के अवसर पर होने वाला स्नान है। कहा जाता है कि मौनी अमावस्या के प्रारंभ में ब्रह्म मुहूर्त में संगम पर डुबकी लगाने से विशेष रूप से अमृत लाभ प्राप्त होता है । इस अवसर पर 10 करोड यात्रियों के आने की संभावना थी।

हर बार की तरह इस बार भी महाकुंभ के दौरान देश और विदेश की कई प्रख्यात हस्तियों आईं । इसके अतिरिक्त कई प्रभावशाली व्यक्ति भी इस दौरान अपने लाव लश्कर के साथ संगम पर स्नान के लिए आते हैं। उनके लिए विशेष प्रकार की व्यवस्था प्रशासन द्वारा की जाती है ताकि उन्हें किसी प्रकार का कष्ट न हो। वी वी आई पी का विशेष ध्यान रखना और उनके लिए की जाने वाली विशेष व्यवस्थाओं के कारण ही संगम तक जाने के कई मार्ग बंद कर दिए गए। साथ ही आने और जाने का मार्ग भी एक ही रखा गया।

सरकार द्वारा जिस प्रकार महाकुंभ का प्रचार प्रसार किया गया और लोगों को अधिक सेअधिक संख्या में आने के लिए एक प्रकार से आमंत्रित किया गया उसके कारण अनुमान से कहीं अधिक भीड वहां पहुंची। भीड का दबाव बढने के कारण अचानक 28 जनवरी की देर रात्रि एक और दो बजे की बीच भगदड मच गई, जिसमें कई पुरुष, महिलाएं और बच्चे कुचलकर, दबकर मर गए और कई घायल हो गए। इसकी जानकारी कई घंटे तक देश को नहीं दी गई और राष्ट्र के प्रमुख मीडिया चैनल केवल मौनी अमावस्या पर होने वाले स्नान की भव्यता और दिव्यता की ही खबरें प्रसारित करते रहे। कितने लोग घायल हुए या मरे, इसकी कोई जानकारी लंबे समय तक नहीं दी गई। कुछ पुलिस अधिकारियों ने तो भगदड की घटना से ही इनकार किया और इसे छोटी मोटी घटना बताया। यहां तक कि उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री संजय निषाद ने भी इसे छोटी घटना बताया।

सभी राष्ट्रीय टी वी चैनलों पर केवल यह प्रसारित किया गया कि अफवाहों पर ध्यान न दें । यह भी बताया जा रहा था कि प्रधानमंत्री ने चार बार मुख्यमंत्री योगी से बात की है। जब सोशल मीडिया पर खबरें बहुत अधिक फैलने लगीं तो फिर हादसे के 18 घंटे बाद मुख्यमंत्री योगी टीवी पर अवतरित हुए और बताया कि 30 व्यक्तियों की मृत्यु हुई है एवं 60 घायल हुए हैं। जिस प्रकार सरकार ने 18 घंटे तक आंकडों को छुपाए रखा उससे अब जो बताए गए आंकडे हैं उस पर भी विश्वास करना सरल नहीं है।

बाद में यह भी पता चला कि भगदड एक नहीं दो जगह पर हुई थी। झूसी में युति क्षेत्र में हुई भगदड के हृदय विदारक दृश्य मीडिया में आने लगे। साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यहां भी कई लोगों की मौत हुई है। लगभग 1500 व्यक्ति अपने खोए हुए परिजनों की तलाश में इधर उधर भटक रहे हैं। मरने वालों की कुल संख्या का पता तो बाद में ही लगेगा।

कुंभ हजारों सालों से होता आया है और उसमें लाखों श्रद्धालु चारों कुंभ यथा नासिक, हरिद्वार, उज्जैन और इलाहाबाद के संगम पर स्नान करते आए हैं।

जब से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बने हैं तब से कुंभ के आयोजन को भी इवेंट का रूप दे दिया गया है। इसका अत्यधिक प्रचार प्रसार मीडिया के माध्यम से किया जाता है और यह सिद्ध करने का प्रयास किया जाता है कि विश्व में प्रबंधन का यह सर्वोत्तम उदाहरण है। इस बार के प्रयागराज के महाकुंभ के बारे में तो यह भी प्रचारित किया गया कि इस बार का महाकुंभ, पूर्ण महाकुंभ है जो 144 वर्षों में एक बार होता है । सरकार के अत्यधिक प्रचार प्रसार ने बहुत बडी संख्या में श्रद्धालुओं के मन में प्रयागराज कुंभ में जाने की इच्छा उत्पन्न कर दी। स्वयं उत्तर प्रदेश सरकार ने यह अनुमान कई महीनों पहले से लगा लिया था कि लगभग 40- 45 करोड श्रद्धालु कुंभ में आएंगे. यह भी कहा गया कि मौनी अमावस्या के दिन 10 करोड के लगभग श्रद्धालु संगम पर डुबकी लगाएंगे।

किसी ने भी यह ज्ञात करने का प्रयास नहीं किया कि प्रयागराज में और विशेष कर संगम पर क्या इतने अधिक व्यक्तियों के लिए सुरक्षित स्नान करना संभव भी है या नहीं? सरकार का ध्यान केवल गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने पर रहा या वी वी आई पी की देखभाल करने पर ।

हम तो नागरिक के रूप में आशा ही कर सकते हैं कि सरकार इस हादसे को गंभीरता से लेते हुए न केवल जांच आयोग की रिपोर्ट को शीघ्र सार्वजनिक करे अपितु दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करे और वी आई पी संस्कृति को बंद करे। सरकार ने लाल बत्ती तो बंद की किंतु अब भी हूटर बेधड़क जारी है । इन पर भी पूरी रोक लगनी चाहिए।

सरकार स्वयं की प्रशंसा के पुल लगातार बांधती रही और मुख्यमंत्री जी महाकुंभ की व्यवस्थाओं को उत्कृष्ट श्रेणी का बताते रहे। किंतु ऐसा करते समय भीड नियंत्रण के सामान्य सिद्धांतों को भी ताक पर रख दिया गया। वी वी आई पी को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए संगम तक पहुंचने के कई रास्ते बंद कर दिए गए। इस कारण प्रयागराज में धार्मिक आस्था से आने वाले आम श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पडा । ऐसा नहीं है कि इस हादसे की आशंका प्रशासन को नहीं थी। एक वीडियो निरंतर प्रसारित हो रहा है जिसमें एक वरिष्ठ अधिकारी बार-बार लाउडस्पीकर पर घोषणा करते हुए दिखाई दे रहे थे कि श्रद्धालु स्नान के बाद वहां सोएं नहीं क्योंकि भगदड मचने की संभावना है। ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करने की इच्छा इतनी बलवती थी कि सब वहीं पर सो गए गए, ताकि सबसे पहले स्नान कर सकें ।इसी दौरान रात्रि के 1 बजे के आसपास पुलिस बैरीकेड को भीड के दबाव ने तोड दिया और बाद में लोग भीड के नीचे दबकर मरते गए। सब लोग सरकार के दावों पर विश्वास करके महाकुंभ में आए किंतु उनमें से कई अपने परिजनों की लाश को ही ले जा पाए। बाबा बागेश्वर उर्फ धीरेन्द्र शास्त्री ने तो यह कह कर घाव पर नमक छिडकने का कार्य किया कि प्रयागराज में भगदड में मरने वालों को मोक्ष प्राप्त होगा।

कुंभ में संगम में स्नान करना धार्मिक आस्था का प्रश्न है और हजारों वर्षों से, इसमें लोग बिना किसी आमंत्रण के चलकर आते रहे हैं। इस बार सरकार ने इसे इवेंट बना कर इसका खूब प्रचार प्रसार किया जिसके कारण कई वे लोग भी आए जो सामान्यत: शायद यहां नहीं आते।

मुख्यमंत्री योगी जी ने मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख की सहायता एवं एक न्यायिक जांच की भी घोषणा की है । ऐसे अनेक हादसे पहले भी हुए हैं और उनके लिए न्यायिक जांच आयोग भी बैठे हैं। हर बार वही कहानी दोहराई जाती है और पहले के हादसों से कोई कोई सबक नहीं लिया जाता।

राजस्थान में ही जोधपुर के मेहरानगढ किले स्थित मंदिर में लगभग 300 लोगों ने भगदड में अपनी जान गंवाई थी। उस जांच आयोग की रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक नहीं की गई । अन्य जांच आयोगों की भी यही स्थिति है। लगता है, सरकार ने किसी भी हादसे या दुर्घटना से कोई सबक नहीं लेने की कसम खा रखी है। क्यों नहीं जांच आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाता ताकि जनता यह देख सके कि उसमें दिए गए सुझावों की कितनी पालना सरकार के द्वारा की गई है और कितने दोषियों को सजा मिली?

सरकार द्वारा बार-बार विज्ञापन किया गया कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में दो लाख करोड रुपए का योगदान इस महाकुंभ का होगा। शायद, सरकार के लिए कुछ व्यक्तियों की जान की कोई कीमत नहीं होती। अयोध्या में भी गत दो तीन वर्ष से सरयू के तट पर 25-30 लाख दिए जलाने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जा रहा है। कोई यह नहीं पूछता कि आम नागरिक के टैक्स से की गई कमाई का पैसा केवल लाखों दिए जलाने पर क्यों खर्च किया जाता है? क्यों नहीं देश वासी अपनी आस्था के अनुसार अपने घरों पर दिए जलाएं और सरकार इस काम से अपने आप को अलग ही रखे? जहां अत्यधिक भीड होती है वहां वीआईपी के आने के कारण भगदड की संभावना अधिक हो जाती है। क्या यह निर्णय सभी राजनीतीज्ञ मिलकर नहीं ले सकते कि अत्यधिक भीड वाले आयोजन में वे नहीं जाएंगे ताकि प्रशासन अपना काम भली भांति कर सके?

संबंधित उच्च अधिकारी जिनके पास मेले को आयोजित करने की जिम्मेदारी थी और जो लगातार हादसे के बाद भी इससे इनकार करते रहे, उनके विरुद्ध कडी कार्यवाही की जानी चाहिए। यह भी कहा जा रहा है कि भगदड एक से अधिक स्थानों पर मची थी और वहां भी जनहानि हुई है। सरकार द्वारा इससे अब तक इनकार किया जा रहा है किंतु सोशल मीडिया पर उपलब्ध वीडियो सरकार के इस दावे को झुठला रहे हैं।

इस बार भी यही कहा जाएगा कि दोषियों को बक्शा नहीं जाएगा और आवश्यक सुधार किए जाएंगे। अब तक का अनुभव तो यही बताता है कि सरकार ऐसे हादसों से कुछ सीख नहीं लेती । अब यह जनता को तय करना है कि सरकार को सबक कैसे सिखाएं? जो सरकार स्वयं सबक सीखने से इंकार करे, उसे सबक सिखाने की जिम्मेदारी अंतत देश की जनता की ही तो होती है।

राज्य सरकार द्वारा नियुक्त न्यायिक आयोग की रिपोर्ट कब आएगी और उस पर सरकार कोई कार्रवाई करेगी भी या नहीं, यह तो भविष्य बताएगा।

हम तो नागरिक के रूप में आशा ही कर सकते हैं कि सरकार इस हादसे को गंभीरता से लेते हुए न केवल जांच आयोग की रिपोर्ट को शीघ्र सार्वजनिक करे अपितु दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कडी कार्यवाही करे और वी आई पी संस्कृति को बंद करे। सरकार ने लाल बत्ती तो बंद की किंतु अब भी हूटर बेधडक जारी है । इन पर भी पूरी रोक लगनी चाहिए।

किंतु प्रथम दृष्टया कुछ प्रमुख गलतियां स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं ।

पहली, राज्य सरकार ने एक धार्मिक आस्था के उत्सव को मार्केटिंग इवेंट में बदल करके इस व्यवसाय का रूप दे दिया। अपने प्रचार तंत्र का भरपूर उपयोग करके कुछ ऐसा वातावरण निर्मित कर दिया कि यदि इस बार महाकुंभ के दौरान संगम में डुबकी नहीं लगाई तो पाप नहीं धुलेंगे।

दूसरी, वी वी आई पी के आवागमन के कारण प्रशासन पर अत्यधिक दबाव जिस कारण वह आम व्यक्ति पर अधिक ध्यान नहीं दे पाया।

तीसरी, प्रयागराज के संगम की श्रद्धालुओं के दबाव झेलने की क्षमता का आकलन प्रशासन सही तरह नहीं कर पाया।

चौथी, संगम पर आने जाने का अलग मार्ग सुनिश्चित नहीं किया।

पांचवीं, प्रशासन ने हादसे के बारे में सही जानकारी जनता को देने में पारदर्शिता नहीं बरती।

आशा की जाती है कि इस हादसे से सीख लेकर सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

बांग्लादेश दूसरी बार क्रेस: भारत को सबक

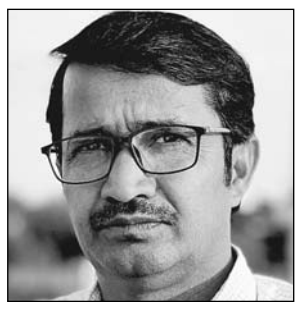

रामगोपाल जाट

भारत के पड़ोसी बांग्लादेश की सरकार को पांच महीनों में ही दूसरी बार सत्ताहीन करने का प्रयास शुरू हो गया है। कथित छात्र आंदोलन के बाद अगस्त में ही बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सत्ता खोकर भारत में शरण ली थी। तब से वहां पर कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार चला रहे हैं। एक बार भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, आप दोस्त बदल सकते हो, लेकिन पड़ोसी नहीं। इसलिए पड़ोसी के साथ संबंध सुधारने के प्रयास करते रहना चाहिए। वर्तमान पीएम नरेंद्र मोदी ने भी उसी नीति को आगे बढ़ाया, लेकिन इसके साथ मोदी ने विदेशी कूटनीति को धार भी दी।

आप याद कीजिए 2014 के बाद पीएम मोदी की विदेश यात्राएं, कैसे धड़ाधड़ विदेश नीति को बदला गया। कभी भारत गुट निरपेक्ष देशों का लीडर था, लेकिन अब मोदी सरकार खुलेआम कहती है कि भारत निर्गुट नहीं है, भारत शांति के गुट में है। यह तो भारत की स्पष्ट नीति है, लेकिन असल में तो मोदी सरकार की नीति भारत के हित की है। युद्ध भले रूस और यूक्रेन के बीच हुआ हो, या इजरायल एवं फिलिस्तीन के बीच हुआ हो, लेकिन भारत ने हमेशा अपने हित को प्राथमिकता दी। भारत से पहले ऐसा वो सभी देश कर रहे हैं, जो विकसित हैं या विकसित होने की कगार पर खड़े हैं। इसके बीच ऐसा भी नहीं है कि भारत ने पड़ोसी का धर्म नहीं निभाया हो, भारत ने मानवता के लिए श्रीलंका से लेकर अफगानिस्तान और खुद बांग्लादेश से लेकर म्यांमार तक को मानवता के नाते खूब मदद की है। संकट के समय जब श्रीलंका को चीन ने अकेला छोड़ दिया था, तब भारत ने ही चावल से लेकर ईंधन तक दिया।

बांग्लादेश में कथित तौर पर जब छात्र आंदोलन हुआ, हालात बदतर हुए तो भारत ने ही शेख हसीना को शरण देकर उनकी जान बचाई। यूं तो वैश्विक नीति का अंदाज़ा लगाना कठिन है कि कौन देश कब, किसके ऊपर उपकार कर रहा है और किसे डीप स्टेट के तौर पर उपयोग में ले रहा है, लेकिन भारत ने हमेशा मानवता को सबसे ऊपर रखा है। यूरोपीय देश जब डीप स्टेट थ्योरी का दबाव झेल रहे हैं, तब भारत ने कई पड़ोसी देशों को मानवता के नाते नि:स्वार्थ भाव से मदद की है। जितनी धार्मिक, भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक भिन्नता भारत में है, उतनी शायद ही किसी दूसरे देश में होगी, लेकिन फिर भी भारत विकास कर रहा है, लगातार अपने लोकतंत्र को मजबूत करने में कामयाब हो रहा है, तो इसका सबसे बड़ा कारण यहां के लोगों की सहनशीलता है। पिछले कुछ वर्षों से भारत में असहिष्णुता नाम का नया शब्द प्रचलित करने का खूब प्रयास हुआ है। इनटोलरेंट जैसा शब्द भारत की संस्कृति में कहीं पर फिट नहीं बैठता।

यहां की सभ्यता, संस्कृति, धार्मिक भिन्नता भी भारत को असहिष्णु नहीं बना पाती है। करीब डेढ सो करोड़ की आबादी के बाद भी लोकतंत्र के लिए भारत जिस मजबूती का उदाहरण बन रहा है, कई देशों के लिए सीखने का विषय है। सत्ता प्राप्त करने की लालसा में कुछ नेताओं द्वारा भाषणों की गिरावट को छोड़ दिया जाए तो भारत की राजनीति में भी बहुत सहिष्णुता दिखाई देती है।

54 साल पहले भारत के द्वारा ही आजाद करवाया गया बांग्लादेश आज बर्बादी के मुहाने पर खड़ा है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार एक बार फिर से छात्रों और रेलकर्मियों के निशाने पर है। बांग्लादेश में सभी जगह ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया गया है। देश में 350 ट्रेन चलती है, इनमें से 100 इंटरसिटी ट्रेनों का संचालन होता है। इनके अलावा 35 मालगाड़ियां भी संचालित होती हैं। छात्रों ने एक बार फिर से ढाका में आंदोलन कर दिया है। पिछले साल अगस्त में ही बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार को अपदस्थ कर मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार बनी थी। अब यूनुस की सरकार से भी लोग खुश नहीं हैं।

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर रेलवे कर्मचारियों ने देश में रेल यातायात को बंद कर दिया है। ढाका विवि के छात्रों ने अलग से स्वतंत्र विवि की स्थापना को लेकर आंदोलन किया है। कहने को तो ये दो ही मुद्दे हैं, लेकिन इनके पीछे कई देशों के हित जुड़े हैं। दो दिन पहले ही अमेरिका ने बांग्लादेश समेत कई देशों की सहायता बंद की है। इसके कारण बांग्लादेश में बड़े आर्थिक संकट के आसार हैं। आरोप तो यह भी लगते रहे हैं कि बाइडन प्रशासन ने ही बांग्लादेश को इस स्तर पर लाने का काम किया है, लेकिन अब अमेरिका में शासन बदल गया है तो देश की विदेश नीति भी बदल गई है।

भारत और बांग्लादेश के बीच बड़ा कारोबार होता है। दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। साल 2023-24 में भारत और बांग्लादेश के बीच कारोबार 14 अरब डॉलर से ज़्यादा था। भारत से बांग्लादेश को कॉटन और कॉटन वेस्ट का निर्यात किया जाता है। बांग्लादेश से भारत को कपड़े, जूते, बैग, और पर्स जैसे सामान आते हैं। बांग्लादेश के लिए भारत सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है। भारत पर इस अस्थिरता का असर तो पड़ना तय है, लेकिन जितना नुकसान पड़ोसी को हो रहा है, उसके मुकाबले काफी कम है। एक छोटी सी बात को लेकर बांग्लादेश संकट में फंसा है, उससे भारत को जरूर सबक लेने की जरूरत है। भारत में भी काफी समय से डीप स्टेट एजेंट्स काम कर रहे हैं। मोदी सरकार ने अब तक इनके मंसूबे पूरे नहीं होने दिये और उम्मीद है कि इस प्रकार के लोग भारत में सफल भी नहीं होंगे, फिर भी भारत की सरकार के साथ ही यहां के आम लोगों को भी देश विरोधी ताकतों से सावधान रहने की आवश्यकता है।

श्रीलंका छोटा देश है, बांग्लादेश भी काफी कम क्षेत्र वाला देश है, लेकिन भारत भौगोलिक रूप से और आबादी के हिसाब से बहुत बड़ा देश है। यहां पर हालात बिगड़े तो एशिया समेत पूरे विश्व को अपने शिकंजे में ले लेगा। भारत आज दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश ही नहीं है, बल्कि चौथी सबसे बड़ी ताकत भी है। यानी मोटे तौर पर देखें तो दुनिया की करीब 25 फीसदी स्थितियां भारत पर निर्भर करती हैं। काफी हद तक तो ऐसा लगता है कि बीते दस सालों में भारत ने ही पाकिस्तान को कमजोर किया है, लेकिन पाकिस्तान में लोकतंत्र का जीवित रहना भारत के लिए ही सबसे अधिक लाभकारी सौदा है।

श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार जैसे पड़ोसियों में तख्ता पलट होना एशिया के लिए कतई उचित नहीं है। चीन को छोड़कर भारत अपने पड़ोसी देशों में सबसे बड़ा भाई है। ऐसे में भारत की जिम्मेदार बहुत अधिक बढ़ जाती है। भारत अब तक इस भूमिका को काफी अच्छे से निभा रहा है, उठा रहा है। चीन अपने हित से अधिक कभी सोचता भी नहीं है। चीन में तानाशाही सरकार है, जो मानव हित के बारे में सोचे, ऐसा हो भी नहीं सकता, लेकिन भारत को तो मानवता को सर्वोपरि रखते हुए काम करना होता है। बीते एक दशक में भारत में बहुत कुछ बदला है, तो बदल भी रहा है। मोदी सरकार ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। देश आज दुनिया की लगभग चौथी बड़ी आर्थिक ताकत है और आने वाले दो सालों में तीसरी बड़ी शक्ति बनने जा रहा है। दुनिया की तमाम आर्थिक विश्लेषण करने वाली एजेंसियों ने अमेरिका, चीन के बाद तीसरी बड़ी ताकत माना है।

ऐसे में दुनिया के कई देशों और बड़ी ताकतों की नजर भारत को कमजोर करने की रहती है। बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार समेत कई देशों को डुबो देने वाली ताकतें भारत में भी अस्थिरता फैलाने का प्रयास कर रही हैं, इसलिए भारत सरकार को और भारत के आम जन को भी इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है।

-रामगोपाल जाट,
वरिष्ठ पत्रकार

सांवलिया सेठ के एक माह का भंडार एवं भेंट कक्ष का चढ़ावा 23 करोड़ के पार हुआ

भंडार एवं भेंट कक्ष से 133 किलो चांदी व 665 ग्राम 640 मिलीग्राम सोना भी प्राप्त हुआ

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में गत 28 जनवरी चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती पांच चरणों में संपन्न हुई। भंडार की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भैरुलाल गुर्जर की उपस्थिति में हुई।

मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि पांचवें चरण में हुई भंडार गिनती में 67 लाख 54 हजार 900 रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व चार चरणों में हुई गिनती में 16 करोड़ 32 लाख 05 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए थे। उन्होंने बताया कि पांचों चरणों की गिनती को मिलाकर कुल 16 करोड़ 99 लाख 59 हजार 900 रुपए की नगद प्राप्त हुए। प्रशासनिक अधिकारी टेलर ने बताया कि इसके अलावा भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल भी किया गया। भंडार से 497 ग्राम सोना व 52 किलो 997 ग्राम चांदी प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि विभिन्न भक्तों द्वारा मंदिर कार्यालय में 168 ग्राम 640 मिलीग्राम सोना व 80 किलो 657 ग्राम चांदी भेंट स्वरूप जमा हुई। प्रशासनिक अधिकारी टेलर ने बताया कि इसके अलावा विभिन्न भक्तों ने विभिन्न स्थानों से मनीऑर्डर भेजकर, ऑनलाइन द्वारा एवं स्वयं उपस्थित होकर मंदिर कार्यालय में 5 करोड़ 92 लाख 53 हजार 417 रुपए भेंट जमा किए। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के एक माह के भंडार एवं भेंट कक्ष कार्यालय से कुल 22 करोड़ 92 लाख 13 हजार 317 रुपए का नगद चढ़ावा मिला।

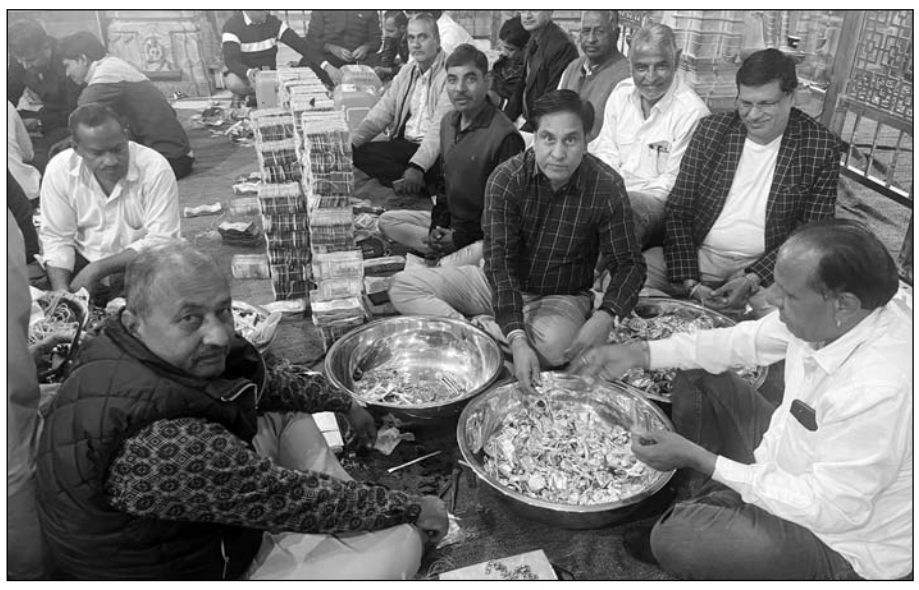

मंदिर पदाधिकारियों ने मंदिर कर्मचारी एवं बैंककर्मियों की मौजूदगी में सोने-चांदी का तोल किया।

- 28 जनवरी चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती पांच चरणों में संपन्न हुई

भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य भैरूलाल सोनी, संजय कुमार मंडोवरा, अशोक शर्मा, ममतेश शर्मा, श्रीलाल पाटीदार, भादसोड़ा सरपंच एवं मंदिर बोर्ड सदस्य शंभूलाल सुथार, मंदिर बोर्ड के पूर्व सदस्य भैरूलाल सोनी, कांग्रेस युवा नेता सुरेश चंद्र गुर्जर, प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, लेखाधिकारी राघव शर्मा, सुरक्षा प्रभारी भैरू गिरी गोस्वामी, सहायक सुरक्षा प्रभारी बिहारी लाल गुर्जर, संपदा विभाग के श्रवण शर्मा, राधेश्याम अहीर, संस्थापन प्रभारी लेहरी लाल गाडरी, मनोहर लाल चौबीसा, कालू लाल तेली, दीपक तिवारी सहित मंदिर कर्मचारी एवं बैंककर्मी उपस्थित थे।

सांवलिया सेठ को चांदी का ट्यूबवेल भेंट

मंडफिया, (निसं)। दो भक्तों ने भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया को चांदी की ट्यूबवेल भेंट की है। सांवलिया भक्त प्रहलाद सिंह व निलेश सिंह निवासी कटारिया खेड़ा जिला उज्जैन मध्य प्रदेश ने सांवलिया जी मंदिर कार्यालय में 119 ग्राम वजनी चांदी की ट्यूबवेल भेंट की है। दोनों भक्त का मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा ने स्वागत सम्मान किया।

सीबीएसई 10वीं-12वीं बोर्ड के प्रवेश पत्र जारी

आगामी 15 फरवरी से शुरू होंगी परीक्षाएं

जोधपुर, (कासं)। सीबीएसई ने 10वीं 12वीं की परीक्षाओं के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। परीक्षा 15 फरवरी से शुरू होनी है। दोनों परीक्षाओं में इस बार करीब 44 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। सीबीएसई दिल्ली मुख्यालय ने इन दोनों परीक्षाओं को लेकर पहले ही गाइडलाइन जारी कर दी थी। गाइडलाइन प्रवेश पत्रों पर भी दी गई है।

- दोनों परीक्षाओं में इस बार करीब 44 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे

प्रवेश पत्र स्कूल स्तर पर डाउनलोड होंगे। स्कूल लॉगइन आईडी से प्रवेश पत्र डाउनलोड करके सभी स्कूल अपने अपने विद्यार्थियों को वितरित करेंगे। प्रवेश पत्रों पर प्रिंसिपल के हस्ताक्षर भी होंगे। टाइम टेबल 3 दिसंबर को जारी कर दिया गया था। सभी स्कूलों को सुरक्षा व्यवस्था के लिए निर्देश पूर्व में जारी कर दिए गए थे। इस बार उन्हीं स्कूलों में सेंटर बनाए गए हैं जहां सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था है।

स्कूलों को हाई-रेजोल्यूशन वाले सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए थे। ये कैमरे ऐसे होने चाहिए कि उनमें छात्रों की गतिविधियां और परीक्षा सामग्री साफ-साफ दिखाई दे। स्टाफ, विद्यार्थियों और परीक्षा अधिकारियों से फीडबैक लेने के निर्देश भी सभी प्राचार्यों को दिए गए थे। परीक्षा केंद्र में 10 कमरों या 240 विद्यार्थियों लिए एक व्यक्ति परीक्षा के दौरान निगरानी के लिए नियुक्त किए जाने के भी निर्देश हैं।

राशिफल मंगलवार 4 फरवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, मंगलेवार, विक्रम संवत 2081, अश्विनी नक्षत्र रात्रि 9:50 तक, शुभ योग रात्रि 12:06 तक, गर करण दिन 3:34 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मिथुन, बुध-मकर, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 9:50 तक है। राजयोग रात्रि 9:50 से रात्रि 2:31 तक है। भद्रा रात्रि 2:31 से आरम्भ होगी। आज सूर्य सप्तमी, आरोग्य और अचला सप्तमी, मन्वादि है। आज गुरू दिन 3:10 से मार्गी होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:58 से 11:19 तक, लाभ-अमृत 11:19 से 2:02 तक, शुभ 3:24 से 4:45 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:15, सूर्यास्त 6:07

मेष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिव कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

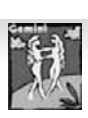

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

तुला

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आज व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

कोटा में लगा रहा महा लोन मेला

कोटा, (निसं)। पंजाब नेशनल बैंक द्वारा होम लोन एवं सोलर लोन मेला कोटा के श्री जाट समाज भवन, तलवंडी प्रांगण में 7 व 8 फरवरी 2025 को लगाया जाएगा। इसमें बैंक की विभिन्न स्कीमों के तहत लोन प्रदान किए जाएंगे। होम लोन के साथ-साथ कारोबार बढ़ाने के लिए भी बेहतरीन और फायदेमंद स्कीमों के साथ लोन दिया जाएगा। पीएनबी के मण्डल प्रमुख हनीफ मोहम्मद ने बताया कि महालोन मेले में हाऊसिंग लोन एवं सोलर लोन पर विशेष तौर पर ध्यान केंद्रित रहेगा। मौके पर ही ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि 7 व 8 फरवरी को श्री जाट समाज भवन, तलवंडी प्रांगण में आयोजित होने वाले लोन मेले में होम लोन एवं सोलर लोन के साथ-साथ अन्य रिटेल लोन भी प्रदान किए जाएंगे। इस अवसर पर अनेक बिल्डरों के साथ-साथ सोलर प्लेटों के डीलर भी इस मेले में शामिल होंगे। इस लोन मेले का लोगों को भरपूर फायदा होगा। लोग रियायती दरों पर सोलर प्लेटों के अलावा भूखण्ड एवं मकान भी खरीद सकेंगे।

संभागीय आयुक्त ने कार्यभार ग्रहण किया

कोटा, (निसं)। कोटा के नए संभागीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत सोमवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। संभागीय आयुक्त के साथ ही कोटा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष का कार्यभार भी उन्होंने संभाला। कार्यभार ग्रहण के बाद मीडिया से चर्चा में उन्होंने कोटा संभाग को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने तथा कोटा को शिक्षा नगरी के रूप में मिली पहचान को कायम रखने के लिए जरूरी कदम उठाने के बारे में अपना विजन रखा। उन्होंने कहा कि कोटा में राईजिंग राजस्थान समिट के तहत हुए एमओयू को धरातल पर लाने एवं निवेश के अनुकूल माहौल तैयार करने पर फोकस किया जाएगा। उन्होंने सिचिंत क्षेत्र विकास के तहत प्रगतिरत परियोजनाओं को समय पर पूरा करने एवं आगे के लिए कार्य योजना तैयार करने की बात कही।

स्वयं को गोली मारने वाला आरोपी रूद्रेश की जगह निकला प्रीतम गोस्वामी

रूद्रेश की जगह मृतक प्रीतम गोस्वामी का नाम आने के बाद मोर्चरी के बाहर पहुंचे पुलिस के आला-अधिकारी।

■ रूद्रेश के परिजनों के शिनाख्त के बाद हुआ खुलासा

कोटा, (निसं)। बोरखेडा थाना इलाके के नयानोहरा में रविवार को पुलिस घेराबंदी को देखकर स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या करने वाला आरोपी रूद्रेश उर्फ आरडीएक्स के मामले में नया मोड सामने आया स्वयं को गोली मारकर सुसाईड करने वाला रूद्रेश की जगह निकला उसका दोस्त प्रीतम गोस्वामी उर्फ टीटी। जिसका खुलासा सोमवार सुबह रूद्रेश उर्फ आरडीएक्स के परिजनों ने मृतक के शव को देखकर किया।

मामले की जानकारी मिलते ही शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी सहित कई पुलिस उपअधीक्षक व कई थानाधिकारी एमबीएस अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम के बाहर पहुंचे। गोली मारकर सुसाईड करने के मामले में प्रीतम गोस्वामी उर्फ टीटी का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने मृतक प्रीतम गोस्वामी के परिजनों को अस्पताल बुलाया और मृतक के शव की शिनाख्त कराई जिसके बाद परिजनों ने मृतक के शव की शिनाख्त प्रीतम गोस्वामी उर्फ टीटी के रूप में की। वहीं मामले मे एतिहात के तौर पर पुलिस का अतिरिक्त जाप्ता मोर्चेरी के बाहर तैनात किया गया। शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने बताया कि मृतक प्रीतम गोस्वामी उर्फ टीटी भी महावीर नगर गोलीकांड में आरोपी है। मृतक आरोपी के खिलाफ भी लूट, जानलेवा हमला, हत्या का प्रयास सहित अन्य कई धाराओं में कई थानों में 15-16 मामले दर्ज है। मृतक आरोपी केशवरायपाटन क्षेत्र का निवासी है। शहर एएसपी ने कहा कि महावीर नगर जीएडी सर्किल में हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने रविवार को बोरखेडा के नयानोहरा में आरोपी रूद्रेश की लोकेशन मिलने पर दबिश दी थी। मामले में सामने आया कि घटनाक्रम के समय आरडीएक्स के साथ प्रीतम गोस्वामी भी उस मकान में मौजूद था। पुलिस को देखकर आरडीएक्स तो मौके से फरार हो गया। लेकिन प्रीतम के पैर में रॉड पड़ी हुई थी। जिससे वह भागने में असमर्थ था। एडीशनल एसपी ने बताया कि मृतक के पास से दो दस्तावेज मिले थे। एक आरडीएक्स का था और दूसरा प्रीतम गोस्वामी का लेकिन घटनास्थल के बाहर जो गाड़ी और बाईक की चाबी मिली वो आरडीएक्स की थी। शहर एएसपी ने कहा कि गोली लगने से चेहरे की पहचान नही हो पाई लेकिन मृतक की कद काठी देखकर परिजनों ने उसकी पहचान रविवार रात्रि को रूद्रेश उर्फ आरडीएक्स के रूप मे की थी, लेकिन परिजनो ने बताया कि रात्रि को उनकी आरडीएक्स से बात हुई जिसके बाद सोमवार सुबह दोबारा मृतक के शव की शिनाख्त कराई गई तो उसकी पहचान रूद्रेश के परिजनों ने उसके दोस्त प्रीतम गोस्वामी के रूप मे की। रूद्रेश के परिजन का कहना था कि दोनों की कद-काठी एक जैसी होने से रविवार रात्रि को सही शिनाख्त नही हो पाई और जब सोमवार को देखा तो शव पर एक टैटु बना था जो आरडीएक्स के शरीर पर टैटु नही था। यह टेटू प्रीतम गोस्वामी ने बनवाया था। शहर एएसपी ने बताया कि पुलिस ने पहले ही मृतक के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा दिया था वहीं मामला सामने आने के बाद मृतक प्रीतम के परिजन की तहरीर पर दोबारा कागज बनाये गये प्रीतम के परिजन ने मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की, मौके पर पुलिस अधिकारियों द्वारा समझाईश के बाद परिजन शव को लेकर रवाना हो गये।

वर्ष पर्यंत चले रोड सेफ्टी अभियान तो दुर्घटनाओं में आएगी कमी : प्रेम भाटिया

कोटा, (निसं)। एक माह तक चले रोड सेफ्टी अभियान को लेकर कई संस्थानों की ओर से रक्तवीर एवं सड़क सुरक्षा के लिए लोगों को जागरूक करने वाले समाजसेवी भुवनेश गुप्ता का भाटिया कंपनी की ओर से सम्मान किया गया। भुवनेश गुप्ता द्वारा एक माह तक लगातार कई माध्यमों से रोड़ पर चलने के नियम, वर्तमान परिपेक्ष में बढ़ते हुए ट्रैफिक से हो रही दुर्घटनाओं से सवाचेत करने एवं प्रशासन के साथ मिलकर कई रैली, रक्तदान शिविर, नुक्कड़ नाटक, व्याख्यान एवं जागरूकता पोस्टर विमोचन सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, इन कार्यक्रमों के चलते कोटा शहर में कई लोगों ने रोड़ पर चलने के नियमों का पालन करने की शपथ ली साथ ही कई संस्थाओं के माध्यम से भी जन-जन को जागृत करने का महा अभियान चलाया गया।

इस महा अभियान से कई संस्थाएं और प्रेरित हुई ऐसे में भाटिया एंड कंपनी के निदेशक प्रेम भाटिया द्वारा भुवनेश गुप्ता का मोमेंटो भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रेम भाटिया ने कहा कि यदि यह अभियान वर्ष पर्यंत चलता है तो निश्चित रूप से दुर्घटनाओं में कमी आएगी। आने वाले समय में भाटिया एंड कंपनी भी इस तरह के आयोजनों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए आमजन को जागरूक करेगी।

बसंत पंचमी उत्साह से मनाई

कोटा, (निसं)। माँ भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल सीबीएसई स्वामी विवेकानंद नगर में स्थित बसंत पंचमी का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल प्रिंसिपल मोनिका मालिक द्वारा माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुई। तत्पश्चात हिंदी अध्यापिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना की गई। इसके अंतर्गत नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी पीली वेशभूषा में आए तथा पीले पकवान बनाकर लाएं। साथ ही अध्यापिकाओं द्वारा बसंत का महत्व बताते हुए अपने विचार प्रकट किया और विद्यार्थियों ने नृत्य गायन आदि की मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इसी दौरान स्कूल प्रिंसिपल मोनिका मलिक ने बसंत पंचमी का महत्व बताते हुए कहा कि इस दिन माँ सरस्वती की विशेष पूजा करनी चाहिए जिससे हमारी बुद्धि निर्मल होती है और सकारात्मक सोच का विकास होता है। अंत में डायरेक्ट उर्वशी विजय ने सभी को बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा

■ प्रवेश द्वार बंद होने के बाद नहीं मिलेगा किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश

कोटा, (निसं)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष आलोक राज ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में 6 फरवरी से शुरू हो रही कनिष्ठ अभियंता संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा की कोटा जिले में की गई तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि किसी भी परीक्षा केन्द्र पर पेपरलीक, नकल या अन्य किसी अवांछित गतिविधि का पता चलते ही सबसे पहले इसकी सूचना राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड को पहुंचनी चाहिऐं।

बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश दिये कि प्रवेश द्वार बंद होने के बाद किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जाए।साथ ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश कर चुके अभ्यर्थी को परीक्षा समाप्त होने तक किसी भी परिस्थिति में बाहर आने नहीं दिया जाऐं। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्र के प्रत्येक कक्ष में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, ताकि संदिग्ध गतिविधियों की मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने बॉक्स खुला होने या पेपर वाले लिफाफे की सील खुली होने की शंका होने पर इसकी सूचना तुरंत बोर्ड कार्यालय को देने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बॉक्स गाड़ी से उतारने के बाद सीधा प्रधानाचार्य के कक्ष में ऐसी जगह पर रखा जाए जो सीसीटीवी की लगातार निगरानी में हो। परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे से पहले बॉक्स नहीं खोला जाए। उन्होंने कहा कि केन्द्राधीक्षक, अतिरिक्त केन्द्राधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं दो अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों की मौजूदगी में ही बॉक्स खोला जाए। पूरी प्रक्रिया वीडियोग्राफी एवं सीसीटीवी में रिकार्ड की जाएगी, ताकि किसी तरह की अनियमित्ता की आशंका नहीं रहे। बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि आने वाले समय में पूरी परीक्षा का एआई विश्लेषण होगा। यदि किसी परीक्षा केन्द्र पर एक साथ कई अभ्यर्थी पास हो गए और किसी अन्य केन्द्र में सिर्फ दो ही अभ्यर्थी पास हुए हों ऐसी परिस्थिति में एआई विश्लेषण से किसी तरह की नकल अथवा अन्य अनियमितता पकड़ में आ जाएगी। बैठक में कोटा जिले के परीक्षा समन्वयक अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रशासन मुकेश चौधरी ने भी कनिष्ठ अभियंता संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा आयोजन से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। परीक्षा के लिए नियुक्त उप समन्वयक दल प्रभारी, केन्द्राधीक्षक एवं पर्यवेक्षकों सहित अन्य अधिकारी बैठक में शामिल हुए। परीक्षा का आयोजन विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर 6,7,8,10,11 एवं 22 फरवरी 2025 को किया जायेगा। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष आलोक राज से सोमवार शाम को सर्किट हाऊस में विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों ने मुलाकात की। बोर्ड अध्यक्ष ने चयन बोर्ड द्वारा साफ-सुथरी परीक्षा प्रणाली एवं वास्तविक पात्र अभ्यर्थियों के चयन के लिए किए जा रहे नवाचारों और इसके लिए तकनीकी के सुदृढ़ उपयोग की जानकारी दी साथ ही अभ्यार्थियों के सुझाव और फीडबैक प्राप्त कर व्यवस्थाओं को अधिक पारदर्शी और खामी रहित बनाने का भरोसा दिलाया। पशुधन सहायक परीक्षा में प्रश्न के बदलाव के कारण नौकरी से वंचित हुए युवाओं को विश्वास दिलाया कि उनके हितों के संरक्षण के लिए विचार-विमर्श कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मामा पर फर्जी वसीयत बनाकर मां की संपत्ति हड़पने का आरोप

■ बूंदी पुलिस कर रही मामले की जांच

कोटा, (निसं)। एक महिला ने अपने मामा पर फर्जीवाड़ा कर वसीयतनामा बनाकर अपनी मां की सपंत्ति हड़पने का आरोप लगाया है। यह जानाकारी सोमवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए उदयपुर निवासी पीड़िता विभूति शर्मा ने दी। उन्होने बताया कि उनकी मां उमा शर्मा बूंदी में किराए के मकान में रह रही थी, अचानक उनकी तबियत खराब होने पर 27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2024 तक सामान्य चिकित्सालय में आईसीयू वार्ड भर्ती रही, तबियत में सुधार नहीं होने पर 31 अक्टूबर को उन्हें मेडिकल कॉलेज कोटा के लिए रैफर किया गया।

जहां इलाज के दौरान 16 नवम्बर को उनकी मौत हो गई। विभूति शर्मा ने आरोप लगाया कि इसी दौरान उनके मामा बुद्धिप्रकाश शर्मा व अन्य ने उनकी मां के मरणासन्न अवस्था में भर्ती रहने के दौरान मिलीभगत कर उनकी मां के नाम की एक फर्जी वसीयत तैयार करवा ली। साथ ही उनकी मां की मृत्यु से पूर्व उनके पास मौजूद सोने-चांदी के जेवरात व अन्य कागजात उनकी मां के मकान में रखी अलमारी को तोड़कर निकाल लिये। पीड़िता विभूति शर्मा का आरोप है कि उनकी मां 31 अक्टूबर से 16 नवम्बर 2024 तक गंभीर स्थिति में मेडिकल कॉलेज कोटा में भर्ती थीं, जबकि उनके नाम की वसीयत के लिए बूंदी की अदालत परिसर से स्टाम्प वेंडर से 100 रूपये का स्टाम्प उनकी मां उमा शर्मा के नाम से खरीद किया गया। और एक नवम्बर 2024 को उनकी मां के नाम से वसीयत बनवाई गई। उनका आरोप है कि जब उनकी मां गंभीर हालत में कोटा मेडिकल कॉलेज में भर्ती थी, तो फिर उनकी मां स्टाम्प लेने व वसीयत करने के लिए बूंदी अदालत परिसर में आने में पूर्ण असमर्थ होने के बावजूद कैसे उपस्थित हो गई और बिना उनकी उपस्थिति के नोटेरी कैसे हो गई। इस मामले में उन्होंने पुलिस महानिरीक्षक कोटा रेंज को भी रजिस्टर्ड डाक द्वारा शिकायत भेजकर निष्पक्ष जांच कर न्याय की गुहार लगाई है। वहीं कोतवाली के एएसआई सत्यनारायण्ण चौधरी ने बताया कि न्यायालय के परिवाद के इस्तागासे के आधार पर विभूति शर्मा एवं बुद्धिप्रकाश की और से मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान किया जा रहा है।

भगवान जगन्नाथ यात्रा की तर्ज पर निकाली जायेगी भगवान देवनारायण की शोभायात्रा

■ रस्सियों से रथ को खींचेंगे श्रद्धालु, गूंजेंगे भगवान देवनारायण के जयकारे

■ भव्यता के साथ 6 फरवरी को निकाली जाएगी भगवान देवनारायण शोभायात्रा

कोटा, (निसं)। भगवान देवनारायण के 1113वें जन्मदिन के अवसर पर गुर्जर समाज ने 6 फरवरी को शोभायात्रा निकालने का निर्णय किया है। इसके तहत भगवान जगन्नाथ रथयात्रा की तर्ज पर कोटा में भगवान देवनारायण की नगर परिक्रमा करवाई जाएगी। यह नगर परिक्रमा किशोरपुरा भगवान पद्मनाथ के मंदिर से शुरू होगी और गणेश नगर स्थित भगवान देवनारायण के बड़े मंदिर तक पहुंचेगी। पूर्व सरपंच और आयोजन समिति का संरक्षक रामलाल गुंजल ने बताया कि केशोरायपाटन में स्टील का करीब 8 फीट लंबा और करीब 5 फीट चौड़ा रथ तैयार करवाया है। इसे रस्सियों के जरिए ही समाज के बुजुर्ग, युवक, बच्चे और महिलाएं खींचेंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि अन्य समाज के लोग भी आयोजन में भाग ले सकते हैं और भगवान देवनारायण का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। आयोजन समिति के संरक्षक रामलाल गुंजल ने बताया कि इस बार नये तरह से शोभायात्रा को भव्य रूप दिया जा रहा है, जिससे समाजबंधुओं में भारी उत्साह का माहौल है। गुंजल ने बताया कि शोभायात्रा समिति द्वारा 6 फरवरी को सुबह 9.30 किशोरपुरा स्थित पदमनाथ मंदिर से पूर्जा-अर्चना के बाद किशोरपुरा से रवाना होगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष जोधराज गुर्जर एवं संयोजक देवराज गुर्जर ने बताया कि शोभायात्रा किशोरपुरा से रवाना होकर दशहरा मैदान, सीएडी चौराहा, जवाहर नगर पेट्रोल पंप के सामने, केशवपुरा चौराहा महावीर नगर, रंगबाड़ी सर्किल, रामचरण सर्किल होते हुए गणेश नगर स्थित देवनारायण भगवान मंदिर पर पहुंचेगी। आयोजक मंडल सदस्य ने बताया कि शोभायात्रा पहुंचने के बाद समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि कोटा उत्तर के पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल, अध्यक्षता खानपुर विधायक सुरेश गुर्जर करेंगे। कार्यक्रम में पिछले डेढ़ माह से इस आयोजन को सफल बनाने में जुटे आयोजन समिति के पदाधिकारियों एवं समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। संरक्षक रामलाल गुंजल ने बताया कि शोभायात्रा से पूर्व बोली लगाई जाएगी। जिसमें सफल बोलीदाता को भगवान के रथ के साथ बैठकर भगवान की पूजा-अर्चना करने और चंवर ढुलाने का सौभाग्य प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा के प्रारंभ में महिला संगठनों द्वारा भगवान पदमनाथ जी को चांदी का मुकुट धारण कराया जाएगा। इसके अलावा दोपहर 3 बजे रंगबाड़ी तेजाजी मंदिर रंगबाड़ी से भव्य कलशयात्रा निकाली जाएगी।

जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल होंगी। आयोजन समिति के सदस्य शिवराज गुंजल ने बताया कि शोभायात्रा में भगवान देवनारायण की जीवंत झांकी, साडूमाता, राम दरबार, शिव परिवार, माताजी, बाग जी बगड़ावत की झांकी रहेगी। इसके अलावा दो अलग-अलग ट्रोलों पर गुर्जरों के परंपरागत गीत घोठा गायन एवं दूसरे में देवनारायण भगवान के भजन गूंजेंगे। जिसमें प्रसिद्ध गायक कलाकार मदन फामड़ा, देवा दसलाना, हनुमान गुर्जर भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। वहीं पांच बग्गियां पर भगवान पदमनाथ जी सहित अन्य झांकियां शामिल होंगी। इसके अलावा 25 घोड़ियों द्वारा घोड़ी नृत्य भी आकर्षण का केन्द्र रहेगा।

हार्टवाइज वॉक-ओ-रन हेल्थ किट लॉन्च, हेल्थ कार्निवल 7 से

■ कोटा में तीन दिवसीय सेहत के महाकुंभ में शामिल होंगे देशभर के धावक

■ कोटा केयर्स के लिए हजारों शहरवासी लेंगे शपथ

कोटा, (निसं)। हार्टवाईज सोसायटी की ओर से कोटा में 7 से 9 फरवरी को होने जा रहे देश के सबसे बड़े हेल्थ इवेंट सेहत के महाकुंभ वॉक-ओ-रन की किट लॉँचिंग सोमवार को पुरुषार्थ भवन में की गई। इस अवसर पर टीम हार्टवाईज और इवेंट के प्रायोजक मौजूद रहे। हार्टवाईज एलन वॉक-ओ-रन पावर्ड बाय हरमीत हुडंई है। टीम हार्टवाइज के संयोजक डॉ. साकेत गोयल ने बताया कि वॉक'-ओ-रन के लिए शहर ही नहीं वरन देशवासियों में उत्साह देखने को मिला है।

कोटा में वॉक ओ रन की टी-शर्ट का वितरण किया गया।

देश के अलग-अलग क्षेत्रों से लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है, जो धायक कोटा नहीं आ पा रहे हैं, उन्होंने वर्चुअल वॉक-ओ-रन में रजिस्ट्रेशन करवाया है। वॉक-ओ-रन और हेल्थ कार्निवल में एंट्री निशुल्क है। हेल्थ कार्निवल 7 व 8 फरवरी को उम्मेद सिंह स्टेडियम नयापुरा में होगा। 9 फरवरी को 21 किमी रन सुबह 5.30 बजे शुरू होगी। इसके बाद 10 किमी और फिर कोटा केयर्स रन होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला होंगे। आयोजन के तहत 25 लाख के पुरस्कार दिए जाएंगे। हार्टवाइज टीम के सदस्य सुमित अग्रवाल व रजत अजमेरा ने बताया कि कोटा शहर में पहली बार सनराइज कॉन्सर्ट भी होगा।

देश के प्रसिद्ध डीजे/प्रोड्यूसर जोड़ी, प्रोजेक्ट 91 (सुनील और अनिल सिंदगी), जो सन एण्ड एबीएस नाम से भी जाने जाते हैं, एक ज़बरदस्त म्यूजिकल परफोरमेंस पहली बार कोटा में देंगे। ये वॉक ओ रन के अनुभव को यादगार बनाएंगे। टीम हार्टवाइज के सदस्य कपिल जैन व राहुल सेठी ने बताया कि वॉक ओ रन के रूट को एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एण्ड डिस्टेंस रेसेस (एम्स) का एक्रीडिएशन मिला है। नेशनल व इंटरनेशनल मैराथन के रूट को सर्टिफाईड करने वाली संस्था एम्स ने वॉक ओ रन के रूट को सर्टिफाइड किया है।

आम सूचना

मेरे पक्षकार आईसीआईसीआई हाउसिंग फाईनेन्स कम्पनी लिमिटेड, एरोड्राम सर्किल झालावाड़ रोड कोटा की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती लीला पत्नी श्री जगदीश दोई निवासी वार्ड नं. 5 झालावाड़ तहसील झालरापाटन जिला झालावाड़ (राज.) ने अपने स्वामित्व के मकान नम्बर 1-ए-12 इन्द्रा नगर हाउसिंग बोर्ड कालोनी झालावाड़ (राज.) को मोरगेज रख मेरे पक्षकार के यहां से ऋण लिया जा रहा है। उक्त मकान की परप्युअचल लीज डीड एवं कन्वेन्स डीड जिनका पंजीयन कार्यालय उप पंजीयक झालावाड़ के यहां पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 52 पृष्ठ संख्या 88, 89 क्रम संख्या 104, 105 पर दिनांक 04.03.1995 को हो रहा है। उक्त दस्तावेज असल पूर्व में गुम हो चुके है जो काफी तलाश करने पर भी नहीं मिले है। उक्त मकान या दस्तावेज बाबत किसी भी व्यक्ति, बैंक या संस्था या अन्य किसी को भी किसी भी प्रकार की आपत्ति या आक्षेप हो तो निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता को अंदर मियाद 07 दिवस में मय दस्तावेजी साक्ष्य सहित सम्पर्क करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति विधि अनुसार शून्य मानी जावेगी।

दिनांक: 03.02.2025

भवदीय
राजेन्द्र सिंह एडवोकेट
386 माला रोड कोटा जं.

कार्यालय नगर पालिका भवानी मंडी जिला झालावाड़ (राज.)

क्रमांकः- न.पा.भ./सामान्य/3697 —: आम सूचना :— दिनांक 29.01.2025

नगर पालिका भवानी मंडी ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) नियम, 2016 के तहत कचरे का पृथक्करण न करने, गंदगी फैलाने और नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की घोषणा की है। स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, मौके पर ही जुर्माना और दंड लागू किए जाएंगे। प्रत्येक नागरिक, दुकान, और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान को गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करना अनिवार्य है। सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने पर सख्त प्रतिबंध है। नियमों का पालन न करने वालों पर मौके पर ही 100रू0 जुर्माना लगाया जाएगा।

नगर पालिका सबसे अपील करती है कि घरों और कार्यालयों में कचरे का उचित पृथक्करण करें और इसे नगर पालिका की कचरा गाड़ी में तथा कचरा पात्र पर ही डाले। दुकानदार और विक्रेता सुनिश्चित करें कि दुकान पर गीले और सूखे कचरे के लिए अलग डिब्बे रखे जाए। कूड़ा फैलाने से बचें और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। उल्लंघनकर्ताओं पर 100रू0 तुरंत जुर्माना लगाया जाएगा।

राज.संवाद/सी/24/11153 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

क्रमांक:-LU2012/KOT/2024-25/100879 लोक सूचना दिनांक:-03.02.2025

श्री BRAHAMANAND पुत्र श्री M/S LAXMINARYAN जाति MEENA निवासी AYURVEDIK HOSPITAL KE PASS BADGANV KOTA, श्रीM/S VRB DEVELOPERS LLP THROUGH BHUPERNDAR JHURIA पुत्र श्री MAHENDRA SINGH जाति JAT निवासी GRAM-PALRI, TEH. BHADRA, PALRI BHADI HANUMANGARH, श्रीमती MANOHAR BAI पत्नी श्री RAMVILAS MEENA जाति MEENA निवासी KUNHADI KOTA, 803 MUKTI MARG SULABH COMPLEX KE PASS, GIRDHARPURA KOTA ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	नान्दना उर्फ बड़गांव लाडपुरा (कोटा)	1. UCHAVLAL S/O GHANSI 2. NAND KISHORE S/O GHANSI 3. NARESH S/O BADRI LAL, 4. PREM BAI D/O GHANSI 5. RAM MURTI W/O LATE SH. BADRI LAL 6. LAXMI NARAYAN S/O GHANSI 7. LEKHRAJ S/O BADRI LAL	595	3600	0.36
2.	नान्दना उर्फ बड़गांव लाडपुरा (कोटा)	MANOHAR BAI W/O RAM VILAS CASTE MEENA NIWASI KUNHADI KHATEDAR	1203/595	1600	0.16
3.	नान्दना उर्फ बड़गांव लाडपुरा (कोटा)	MANOHAR BAI W/O RAM VILAS CASTE MEENA NIWASI KUNHADI KHATEDAR	590	2000	0.2
4.	नान्दना उर्फ बड़गांव लाडपुरा (कोटा)	M/S VRB DEVELOPERS LLP THROUGH BHUPERNDRA JHURIA S/O MAHENDRA SINGH BHU TAL PLOT NO. A1 SCHEME NO 11 ASHIV SHANKAR COLONY MANSAROVER METRO STATION NEW SANGANER ROAD MANSAROVER JAIPUR	588	4400	0.44
5.	नान्दना उर्फ बड़गांव लाडपुरा (कोटा)	M/S VRB DEVELOPERS LLP THROUGH BHUPERNDRA JHURIA S/O MAHENDRA SINGH GRAM-PALRI, TEH. BHADRA, PALRI BHADI HANUMANGARH	596	3100	0.31
				कुल	1.47

इसलिये, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के आभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 03.02.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-1872 नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना दिनांक:-30.1.25

नगर विकास न्यास कोटा की विनोबा भावे नगर "निर्धन को आंगन" योजना के भूखंड/आवास संख्या 380 का आवंटन/हस्तान्तरण/रजि. न्यास के पत्र दिनांक 20.04.2010 को श्री नीरज गुप्ता पुत्र श्री किशन चंद गुप्ता को किया गया था। आवंटी द्वारा उक्त भूखंड/आवास का जर्ये मुख्तारआम श्रीमती कविता पारेता पत्नी श्री बबलू पारेता द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 04.09.2024 को श्री सुरेश चन्द्र पारेता पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण पारेता को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता द्वारा उक्त भूखंड/आवास का अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 380 योजना "निर्धन को आंगन" का नाम हस्तान्तरण श्री सुरेश चन्द्र पारेता पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण पारेता के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 4803 जाहिर आम सूचना दिनांक - 31.1.25

आवास संख्या एम.एन.सी.पी.-22 कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री सतेन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ पुत्र श्री केदार नाथ कुलश्रेष्ठ को किया गया था। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री सतेन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ पुत्र श्री केदार नाथ कुलश्रेष्ठ की मृत्यु दिनांक 24.04.2015 को एवं इनकी पत्नी श्रीमती प्रेमलता कुलश्रेष्ठ की मृत्यु दिनांक 20.04.2021 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु हो जाने के पश्चात इनके वारिसानों में श्रीमती अर्चना कुलश्रेष्ठ पुत्री स्व. श्री सत्येन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ, अंजना कुलश्रेष्ठ पुत्री श्री सत्येन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ, निधि कुलश्रेष्ठ पुत्री श्री सत्येन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ द्वारा दिनांक 10.09.2024 को जरिये घोषणा पत्र आलेखित कर श्री अमित कुलश्रेष्ठ एवं श्री आशीष कुलश्रेष्ठ पिसरान श्री सत्येन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ के पक्ष में हक त्याग किया गया। श्री अमित कुलश्रेष्ठ एवं श्री आशीष कुलश्रेष्ठ पिसरान श्री सत्येन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या एम.एन.सी.पी.-22 कोटा का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर संयुक्त रुप से करने हेतु आवेदन किया गया।

अतः उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री अमित कुलश्रेष्ठ एवं श्री आशीष कुलश्रेष्ठ पिसरान श्री सत्येन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ के नाम संयुक्त रुप से करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री अमित कुलश्रेष्ठ एवं श्री आशीष कुलश्रेष्ठ पिसरान श्री सत्येन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ के नाम संयुक्त रुप से किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री अमित कुलश्रेष्ठ एवं श्री आशीष कुलश्रेष्ठ पिसरान श्री सत्येन्द्र कुमार कुलश्रेष्ठ के नाम संयुक्त रुप सेकर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 4802 जाहिर आम सूचना दिनांक - 31.1.25

आवास संख्या 1-ज-18 केशवपुरा कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री नारायण लाल गंभीर पुत्र श्री रामनाथ को किया गया था। श्री नारायण लाल गंभीर पुत्र श्री रामनाथ की मृत्यु दिनांक 09.01.1997 को हो जाने के उपरांत उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन दिनांक 17.12.2018 को एवं इनके पुत्र श्री मुकुट बिहारी के पक्ष में किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री मुकुट बिहारी पुत्र स्व. श्री नारायण लाल गंभीर के नाम दिनांक 14.03.2019 को अपने पक्ष में करवाया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री मुकुट बिहारी पुत्र स्व. श्री नारायण लाल गंभीर की मृत्यु दिनांक 13.08.2023 को हो जाने के उपरांत उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) के आधार पर दिनांक 21.10.2024 को श्रीमती विमलेश बाई पत्नी स्व. श्री मुकुट बिहारी के पक्ष में किया गया। तत्पश्चात श्रीमती विमलेश बाई पत्नी स्व. श्री मुकुट बिहारी द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 21.11.2024 को श्री राम चन्द्र मीणा पुत्र श्री गोपी चन्द मीणा को किया गया। श्री राम चन्द्र मीणा पुत्र श्री गोपी चन्द मीणा द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 1-ज-18 केशवपुरा कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया।

अतः इस आवास के मंडल अभिलेख में श्री राम चन्द्र मीणा पुत्र श्री गोपी चन्द मीणा का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में श्री राम चन्द्र मीणा पुत्र श्री गोपी चन्द मीणा का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में श्री राम चन्द्र मीणा पुत्र श्री गोपी चन्द मीणा का नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 4823 जाहिर आम सूचना दिनांक - 31.1.25

आवास संख्या 5-जी-9 महावीर नगर तृतीय कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री वी.पी. आहूजा पुत्र श्री एस.एल. आहूजा को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्रीमती निर्मला शर्मा पत्नी श्री विनय शंकर शर्मा के नाम दिनांक 10.03.1995 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती निर्मला शर्मा पत्नी श्री विनय शंकर शर्मा द्वारा दिनांक 25.04.1995 को अपने पक्ष में करवाया गया। पंजीयन उपरांत श्रीमती निर्मला शर्मा पत्नी श्री विनय शंकर शर्मा द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 24.04.1997 को श्रीमती तारावती गुप्ता पत्नी श्री रविन्द्र कुमार गुप्ता को किया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती तारावती गुप्ता की मृत्यु दिनांक 04.01.2020 को एवं इनके पति श्री रविन्द्र कुमार गुप्ता की मृत्यु दिनांक 17.04.2012 को हो चुकी है। श्रीमती तारावती गुप्ता पत्नी श्री रविन्द्र कुमार गुप्ता द्वारा इस आवास की वसीयत अपने जीवनकाल में जरिये वसीयत नामा आलेखित कर दिनांक 31.05.2019 को श्री कविन्द्र गुप्ता पुत्र स्व. श्री रविन्द्र कुमार गुप्ता के पक्ष में आलेखित की गई। श्री कविन्द्र गुप्ता पुत्र स्व. श्री रविन्द्र कुमार गुप्ता द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 5-जी-9 महावीर नगर तृतीय कोटा को उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं वसीयत नामा के आधार पर करने हेतु आवेदन किया गया।

अतः उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं वसीयत नामा के आधार पर श्री कविन्द्र गुप्ता पुत्र स्व. श्री रविन्द्र कुमार गुप्ता के नाम करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री कविन्द्र गुप्ता पुत्र स्व. श्री रविन्द्र कुमार गुप्ता के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री कविन्द्र गुप्ता पुत्र स्व. श्री रविन्द्र कुमार गुप्ता के नाम कर दिया जावेगा। उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 4769 जाहिर आम सूचना दिनांक - 29.1.25

आवास संख्या 1-ए-39 महावीर नगर विस्तार योजना कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री प्रशान्त शर्मा पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री प्रशान्त शर्मा पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा दिनांक 29.09.1999 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। पंजीयन उपरांत श्री प्रशान्त शर्मा पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा इस आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 26.07.2005 को मुख्तारनामा आम आलेखित कर श्री मूल चन्द होतवानी पुत्र स्व. श्री सुगना मल को मुख्तार आम धारक नियुक्त किया गया। श्री मूल चन्द होतवानी पुत्र स्व. श्री सुगना मल मुख्तार आम श्री प्रशान्त शर्मा पुत्र श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा मुख्तार आम की हैसियत से उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 01.08.2006 को श्रीमती जमना दिलावर पत्नी श्री कृष्णमुरारी दिलावर को किया गया। श्रीमती जमना दिलावर पत्नी श्री कृष्णमुरारी दिलावर का नाम दिनांक 18.10.2010 को विक्रय पत्र के आधार पर उक्त आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज किया गया। तत्पश्चात श्रीमती जमना दिलावर पत्नी श्री कृष्णमुरारी दिलावर द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 10.11.2017 को श्री कुंज बिहारी जैन पुत्र श्री अनोख चन्द जैन को किया गया। श्री कुंज बिहारी जैन पुत्र श्री अनोख चन्द जैन का नाम दिनांक 28.10.2024 को विक्रय पत्र के आधार पर उक्त आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज किया गया। तत्पश्चात श्री कुंज बिहारी जैन पुत्र श्री अनोख चन्द जैन द्वारा उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 24.12.2024 को श्री यशवंत कुमार पुत्र श्री कन्हैया लाल को किया गया। श्री यशवंत कुमार पुत्र श्री कन्हैया लाल द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 1-ए-39 महावीर नगर विस्तार योजना कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः इस आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री यशवंत कुमार पुत्र श्री कन्हैया लाल का नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री यशवंत कुमार पुत्र श्री कन्हैया लाल का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री यशवंत कुमार पुत्र श्री कन्हैया लाल के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

दूषित पनीर खाने से फूड पॉइजनिंग : दूसरे दिन भी सौ से अधिक मरीजों का उपचार

फूड पॉइजनिंग के शिकार 24 जनों को नदबई चिकित्सालय में भर्ती कराया गया

नदबई, (निसं)। क्षेत्र के गांव गाजीपुर में शादी समारोह में दूषित पनीर सब्जी खाने पर फूड पॉइजनिंग होने के मामले में चिकित्सा विभाग की टीम ने दूसरे दिन सोमवार को भी कैंप लगाते हुए सौ से अधिक मरीजों का उपचार किया। गाजीपुर में 50 व चिडरऊआ में 27 मरीजों का मौके पर उपचार किया, जबकि, 24 मरीजों को एम्बुलेंस की सहायता से नदबई चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। इससे पहले विधायक जगतसिंह ने एसडीएम से मामले की जानकारी लेते हुए मरीजों का हरसंभव उपचार करने को कहा। बाद में बीसीएमओ डॉ. राहुल कौशिक के नेतृत्व में दो चिकित्सा टीमों ने गाजीपुर व चिडरऊआ में कैंप लगाते हुए मरीजों का उपचार किया। अतिरिक्त सीएमएचओ डॉ. बी.एल. मीना ने भी मौके पर पहुंचकर मरीजों से चर्चा की। वहीं, हरसंभव उपचार करने का आश्वासन दिया।

- **चिकित्सा टीम ने कैंप लगाकर गाजीपुर में 50 व चिडरऊआ में 27 मरीजों का उपचार किया**

चिकित्सा विभाग की टीम ने शिविर लगाकर मरीजों का उपचार किया।

जानकारी के अनुसार शनिवार को गाजीपुर निवासी सुरेश प्रजापत के पुत्र सौरभ प्रजापत की शादी समारोह में प्रतिभोज (खाना खाने) का आयोजन हुआ, जिसमें दूषित पनीर की सब्जी खाने के चलते ग्रामीण फूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए। अचानक उल्टी-दस्त व पेट दर्द की शिकायत पर रविवार को करीब 90 मरीजों का उपचार किया। जबकि, सोमवार को चिकित्सा विभाग के फॉलो कैम्प दौरान गाजीपुर में 50 व चिडरऊआ में करीब 27 मरीजों का उपचार करने के साथ ही 24 मरीजों को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। सूत्रों की मानें तो सोमवार को राधा पुत्री हुकम सिंह, वर्षा पत्नी दीनू, सुमन पत्नी सत्यवीर, हेमलता पुत्री सत्यवीर, लच्छो पत्नी भगवान सिंह, ओमवती पत्नी रोशन, गंगा पत्नी विष्णु, सुशीला पत्नी जयसिंह, विनीता पत्नी लाखन सिंह, गुड्डी पत्नी विजेन्द्र, निशा पत्नी मनीष, नीवो पत्नी तेजसिंह, मिथलेश पत्नी निरंजन, मनीषा पुत्री हरदेव, अमित पुत्र हरदेव, मोहित पुत्र हरदेव, संदीप पुत्र अशोक, निराज्ञा पुत्र ऋषि, अंजली पुत्री लच्छीराम, प्रिया पुत्री अजीत, प्रेमसिंह पुत्र घनश्याम, फूलवती पत्नी रमेश, बर्षा पुत्री बबलू व पवन पुत्र बबलू को चिकित्सालय में भर्ती कराया।

शादी समारोह में कॉफी मशीन धमाके के साथ फटी

नवलगढ़, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के नवलड़ी के समीप धावड़ा वाली ढाणी मे सीताराम सैनी के घर लड़की के शादी समारोह में कॉफी मशीन फटने से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की माने तो मशीन के ऑपरेटर प्रकाश सैनी पुत्र बुलाराम सैनी ठाकुर वाली ढाणी की लापरवाही से हादसा हुआ।

- **कॉफी मशीन फटने से आसपास खड़े कुछ लोग घायल हो गये, अस्पताल में उपचार करवाया**

जानकारी के मुताबिक 20 वर्ष के प्रकाश सैनी कॉफी मशीन को चालू करके मोबाइल में व्यस्त होने की वजह से मशीन अत्यधिक गर्म हो गई और प्रेशर इतना अधिक हो गया कि मशीन बहुत तेज धमाके के साथ विस्फोट होकर फट गई।

कॉफी मशीन ऑपरेटर प्रकाश सैनी के आंख से ऊपर की तरफ माथे पर कटने से जख्मी होकर घायल होकर मशीन की टेबल के नीचे गिर गया। मशीन के नजदीक बैठे सुभाष रणवां पुत्र रामेश्वर रणवां निवासी नवलड़ी के जग से छाती में चोट लगने से घायल हो गए। वहीं एक महिला के पैर में लंबा कट लगा। घायलों को तुरंत जिला अस्पताल नवलगढ़ ले जाया गया। प्रकाश सैनी के 16 टांके लगे। सुभाष रणवां और महिला को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी कर दी गई।

समारोह में कॉफी मशीन तेज धमाके के साथ फट गई।

सरकार में किसकी चल रही है यह कोई नहीं जानता : भाटी

बीकानेर, (कासं)। पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी ने सोमवार को सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित किया। भाटी ने कहा है कि सरकार में किसकी चल रही है यह कोई नहीं जानता।

उन्होंने कहा कि राज्य में हर जगह यह आम चर्चा है कि इस सरकार में आखिर चल किसकी रही है। उन्होंने कहा कि यहां अनेक मंत्री आते और जाते रहते हैं, लेकिन किसी को किसान की पीड़ा नहीं दिखती। भाटी ने कहा कि किसान मूंगफली की तुलाई के लिये रो रहा है। ऐसा लगता है कि सरकार को जनप्रतिनिधि नहीं कोई ओर चला रहा है। भाजपा नेता व पूर्व मंत्री देवीसिंह भाटी ने अपनी ही सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए 6 फरवरी को विधानसभा के आगे अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी दी है।

भाटी ने बताया कि राज्य सरकार के विभागीय निर्देशों के अनुसार किसी राजपत्रित अधिकारी को लम्बे समय तक एक ही जिले में विभिन्न पदों पर नहीं लगाया जा सकता। इसके बावजूद राज्य सरकार ने 31 जनवरी को प्यारेलाल शिवरान आईपीएस को नई स्थानान्तरण लिस्ट में पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक विभाग बीकानेर में ट्रांसफर के आदेश जारी किए हैं। भाटी ने कहा है कि वे इसके विरोध में 6 फरवरी से राजस्थान विधानसभा के सामने अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे। उन्होंने आईपीएस अधिकारी डॉ. प्यारेलाल शिवरान पर 10 सालों से एक जिले में रहने को नियमों के खिलाफ बताया है।

- **भाजपा नेता व पूर्व मंत्री देवीसिंह भाटी ने अपनी ही सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाये**
- **भाटी ने छह फरवरी को विधानसभा के आगे अनिश्चित कालीन धरने की चेतावनी दी**

लापता युवक का शव खेत में मिला

परिजनों ने युवक की हत्या की आशंका जताई

उदयपुर, (कासं)। पांच दिन से लापता युवक का शव शहर के सुखेर थाना क्षैत्र में लखावली गांव स्थित खेत में लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। परिजनों ने हत्या की आशंका के जताते हुए मामला दर्ज करवाया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को शहर के समीप सुखेर थाना क्षैत्र सोनारिया लखावली गांव में स्थित खेत में एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली। इस पर सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र सिंह के नेतृत्व में एएसआई सरदार सिंह, हेड कांस्टेबल रामकुमार विश्नोई, नारायणसिंह मौके पर पहुंचे, जहां युवक का शव पड़ा था एवं उसके सिर पर गहरी चोट के निशान पाए गए थे।

शिनाख्तगी नहीं होने पर मौके पर मृतक के मोबाइल से परिजनों से संपर्क कर मौके पर बुलाया, जहां मृतक की शिनाख्त रूपनगर कच्ची बस्ती सुखेर निवासी शाबीर हुसैन (26) पुत्र आजाद हुसैन के रूप में उसके पिता ने शिनाख्त की। इस पर पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। इस मामले में पुलिस ने परिजनों की आशंका के चलते सदाकत हुसैन व राजु खटीक पर हत्या करने की आशंका के चलते प्रकरण दर्ज करवाया। पूछताछ में पता चला कि 29 जनवरी को शाबीर हुसैन अपने मित्र सदाकत के साथ घर से निकला था जो वापस नहीं लौटा। इस पर 30 जनवरी को परिजनों ने उसकी सुखेर पुलिस थाने में गुमदुशदगी दर्ज करवा कर उसकी तलाश कर रहे थे।

- **मौके पर पहुंचे मृतक के परिजनों ने शव की शिनाख्त की**

बस की चपेट से छात्र की मौत

कोटा, (निसं)। भीमगंजमण्डी थाना इलाके में रविवार शाम को बस की चपेट में आने से एक छात्र की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को मृतक छात्र के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

मृतक 12वीं पढ़ाई के साथ आईआईटी की कोचिंग कर रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महात्मा गांधी कॉलोनी निवासी अर्चित यादव (17) अपने पिता के साथ बाइक लेकर घर से जा रहा था। रास्ते में उसके पिता ने माला रोड पर बाइक को रोकने के लिए कहा जिस पर अर्चित ने बाइक रोड के साइड पर लगाकर खड़ा हो गया।

पिता किसी काम के लिये गया उसी समय पीछे से तेज रफ्तार बस को ने छात्र को इतनी जोरदार टक्कर मारी की वह गंभीर अवस्था में घायल हो गया, जिसे उसका पिता अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सोमवार को मृतक छात्र के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस ने अज्ञात बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी।

निजी स्कूल में कक्षा छह के बच्चे को पीटा, अंगूठे में फ्रेक्चर आया

स्कूल की महिला संस्था प्रधान के पति ने बेरहमी से मारपीट की थी

झुंझुनूं, (निसं)। निजी स्कूलों में बच्चों के साथ बेरहमी से मारपीट की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला झुंझुनूं शहर का है, जहां पर गोलाई मोड़ के समीप संचालित आदर्श इंग्लिश एकेडमी में एक बच्चे के साथ स्कूल की महिला संस्था प्रधान के पति ने बेरहमी से मारपीट की, जिसके चलते उसके अंगूठे में फ्रेक्चर आ गया।

कक्षा छह में पढ़ने वाले बच्चे के चाचा ने बताया कि उनका भतीजा गोलाई मोड़ पर संचालित आदर्श इंग्लिश एकेडमी में पढ़ता है। उसका भतीजा और उनके दोस्त मारवाड़ी बोल रहे थे। जिसके बाद तैश में आए स्कूल की संस्था प्रधान के पति ने उसके भतीजे के साथ दो-तीन अन्य बच्चों के साथ बेरहमी से मारपीट की। साथ ही उन्हें मूर्गा बनाकर चक्कर भी लगवाया, जिसके बाद यह बच्चा डरा सहमा हुआ घर पहुंचा। डॉक्टरों को दिखाया तो उसके दाएं हाथ के अंगूठे में फ्रेक्चर बताया गया है। जब इस बात का उलाहना देने के लिए परिजन पहुंचे तो वहां भी संस्था प्रधान कृष्णा सैनी की सीट पर उसका पति जितेंद्र कुमार बैठा मिला। बच्चे के चाचा ने बताया कि जितेंद्र कुमार एक मामले में जेल जा चुका है।

ऐसे व्यक्ति को स्कूल प्रिंसिपल की सीट पर बैठाना और बच्चों से मारपीट करना गंभीर विषय है। उन्होंने बताया कि जब वे स्कूल गए तो एक परिजन और मिले। उनके बच्चे के साथ भी जितेंद्र ने मारपीट की। जिससे हाथों में खून बहने लगा। इधर, परिजनों और संस्था प्रधान की बातचीत में खुद संस्था प्रधान ने अपनी गलती मानते हुए मारपीट का आरोप अपने उपर ले लिया, लेकिन परिजन लगातार कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस बच्चे के साथ तीसरी बार स्कूल में मारपीट की गई है। इधर, संस्था प्रधान कृष्णा सैनी ने बताया कि मामले में बच्चे के परिजनों से जानकारी मिली थी। हमनें माफी मांग ली है। साथ ही स्टाफ को सुधार के भी निर्देश दिए हैं।

- **बातचीत में खुद संस्था प्रधान ने अपनी गलती मानते हुए मारपीट का आरोप अपने ऊपर ले लिया, परिजनों ने कार्रवाई की मांग की**

सड़क पार कर रहे नर्सिंगकर्मी को कार ने टक्कर मारी, मौत

नर्सिंगकर्मी एंबुलेंस 108 से रोगी को धौलपुर से जयपुर अस्पताल में छोड़ कर लौट रहा था

हलेना/भरतपुर, (निसं)। जयपुर नेशनल हाईवे स्थित छौकरवाड़ा कला के बस स्टैंड के पास फोर लाइन को क्रॉस कर रहे एंबुलेंस108 नर्सिंगकर्मी को एक कार ने टक्कर मार दी और हादसे में नर्सिंगकर्मी की मौत हो गई। मृतक नर्सिंगकर्मी एंबुलेंस 108 से रोगी को धौलपुर से जयपुर अस्पताल में छोड़ कर लौट रहा था। सूचना प्राप्त होते ही धौलपुर, भरतपुर, डीग जिले के सभी एंबुलेंस 108 अधिकारी नर्सिंग और पायलट कर्मचारियों में शोक छा गया।

खेड़ली मोड़ थाना प्रभारी रामनिवास मीणा ने बताया कि छौकरवाड़ा कला पर हादसे की सूचना मिली। थाना के हेड कांस्टेबल मोहन सिंह को मय जाप्ता के घटना स्थल पर भेजा। जहां एंबुलेंस 108 नर्सिंगकर्मी निजाम खान पुत्र लख्खो गांव करीमपुर (सैंपऊ) जिला धौलपुर घायल हो गए। जिसको उपचार के लिए छौकरवाड़ा के सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया, जहां रात्रि के समय कोई भी कंपाउंडर व चिकित्सक नहीं मिला। उसके बाद घायल को कस्बा हलेना के सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। मृतक और उसका सहकर्मी एंबुलेंस चालक जयपुर से एक रोगी को छोड़कर धौलपुर आ रहे थे। छोकरवाड़ा बस स्टैंड पर एंबुलेंस को सड़क किनारे खड़ा कर चाय पीने के लिए रुके। नर्सिंगकर्मी सड़क को क्रॉस कर रहा था तभी एक कार ने टक्कर मार दी। पुलिस ने नाकेबंदी कर कार को पकड़ा, लेकिन कार का चालक भाग निकला।

मारपीट कर नकदी लूटी

उदयपुर, (कासं)। फलासिया थाना क्षैत्र में बाइक सवार बदमाश पीड़ित के साथ मारपीट कर नकदी व मोबाइल लूट ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार फलासिया थाना क्षैत्र घोडीमारी गांव निवासी देवेन्द्र पुत्र देवीलाल ननोमा ने बाइक सवार दो बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि एक फरवरी रात में बाइक लेकर फलासिया से गांव लौट रहा था, जहां बीच रास्ते नगमाला तिराहा पर बाइक खराब होने पर ठीक कर रहा था। इस दौरान बाइक पर आए शराब के नशे में बदमाशों ने मेरे साथ मारपीट की तथा जेब से 1500 रूपये नकदी व मोबाइल लूट ले गए। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच एएसआई कालुलाल कर रहे हैं।

लीकर कॉन्ट्रेक्टर यूनियन ने आंदोलन छेड़ा

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश में शराब नीति में बदले गए नियमों के विरोध में उतरी लीकर कॉन्ट्रेक्टर यूनियन ने आंदोलन छेड़ दिया है। इसी के तहत चार फरवरी को प्रदेशभर में शराब की दुकानें सुबह दस से दोपहर बारह बजे तक दो घंटे के लिए बंद रखने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही नौ फरवरी को जयपुर में प्रदेश के शराब ठेकेदारों की महारैली का आयोजन किया जाएगा।

यूनियन के जोधपुर संभाग अध्यक्ष अशोक बालोटिया ने बताया कि यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष पंकज धनखड़ के आव्हान पर सभी शराब दुकानों के ठेकेदार आंदोलन में शामिल होंगे। बालोटिया के अनुसार यूनियन की प्रमुख मांगों में क्लस्टर को समाप्त करने, दुकानें खोलने का समय रात्रि 11 बजे तक करने, मदिरा दुकानों पर पुलिस का हस्तक्षेप बंद करने, गारंटी उठाव को त्रैमासिक करने, पुरानी बकाया पेनल्टियों को समाप्त करने, वर्तमान गारंटी पर ही दुकानें रिन्यूअल करने और दस कमरों के होटल में बार खोलने के आदेश को वापस लेने की मांग है।

MUNICIPAL CORPORATION KOTA NORTH KOTA (RAJ.)

Ref. No. :- NNK(N)/P.H.//2025/1191-1202 Date :- 29/01/2025

Notice Inviting Tender

Tender are invited from interested parties for various activities at Landfill site Details of the procurement information can be gathered and viewed from www.eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.rajasthan.gov.in.

ESTIMATED COST :- 167.56 Lac.

NIB Code : DLB2425A5240, UBN No. : DLB2425WSOB15835

Commissioner,
Raj.Samwad/C/24/11194 Municipal Corporation Kota (North)

DIRECTOR WORKS (EO)

Rajasthan University Of Veterinary & Animal Science, Bikaner (Raj.)

क्रमांक : F( )/DW(EO)/RAJUVAS/2024-25/1047 - 1051 दिनांक :- 30/01/2025

निविदा सूचना संख्या 13 वर्ष 2024-2025

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की ओर से विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविद्यालय में एवं अन्य विश्वविद्यालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत सगंठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदको से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp, www.rajuvas.org, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। UBN No. : VAU2425WSOB00128

राज.संवाद/सी/24/11165 अधिशाषी अभियंता (सेवानि.)

राजस्थान-सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान

आबकारी भवन, 2-गुमानियावाला, पंचवटी, उदयपुर-313001

क्रमांक-F-32 (B)(1)(A fter Policy -2025-26)EX/L/2025-04359-6914704/1480 दिनांक-03.02.2025

कम्पोजिट रिटेल ऑफ मदिरा दुकानों के वर्ष 2024-25 के अनुज्ञाधारियों को वर्ष 2025-26 के लिये अनुज्ञापत्र नवीनीकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत करने के संबंध में सूचना

राजस्थान राज्य के कम्पोजिट रिटेल ऑफ मदिरा दुकानों के वर्ष 2024-25 के समस्त अनुज्ञाधारियों को सूचित किया जाता है कि आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 में उनके वर्ष 2024-25 के लिए जारी अनुज्ञापत्रों को पात्रता की शर्तों पर आगामी चार वर्षो अर्थात मार्च, 2029 तक प्रतिवर्ष नवीनीकरण करवाने का विकल्प दिया है।

अतः वर्ष 2025-26 के लिए अनुज्ञापत्रों के नवीनीकरण के लिए पात्र एवं इच्छुक अनुज्ञाधारियों को सूचित किया जाता है कि वे अपना नवीनीकरण आवेदन दिनांक 12.02.2025 तक. संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय में निर्धारित आवेदन शुल्क (रू. 2 करोड़ रिजर्व प्राईस की दुकान के लिए रू. 0.50 लाख तथा इसके अधिक रिजर्व प्राईस हेतु रू. 1.00 लाख) चालान से राजकोष में जमा करवाकर प्रस्तुत कर देवे। दिनांक 12.02.2025 तक नवीनीकरण आवेदन प्राप्त नही होने पर अनुज्ञाधारी का नवीनीकरण करवाने का विकल्प समाप्त हो जायेगा तथा दुकान/समूह (Cluster) का आवंटन ई-नीलामी / ई-निविदा द्वारा किया जाएगा। वर्ष 2025-26 हेतु अनुज्ञापत्र नवीनीकरण से संबंधित समस्त जानकारी के लिए विभागीय वेबसाइट http://excise.rajasthan.gov.in का अवलोकन करे। नवीनीकरण हेतु इच्छुक अनुज्ञाधारी अपने SSO id login से IEMS-2.0 Module में जाकर Shop Renewal for 2025-26 में नवीनीकरण का आवेदन कर सकते है।

इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए अतिरिक्त आबकारी आयुक्त कार्यालय या जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से एवं नियन्त्रण कक्ष दूरभाष नंबर 0294-2525154 पर सम्पर्क करे।

आबकारी आयुक्त, राजस्थान

झुंझुनूं जिले के 400 से अधिक चिकित्सकों ने की पैन डाउन हड़ताल, मरीज परेशान रहे

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के 400 से अधिक सेवारत चिकित्सक सोमवार को सुबह दो घंटे की पैन डाउन हड़ताल पर रहे। जानकारी के अनुसार बाड़मेर जिले के सेड़वा की सीएचसी में कार्यरत डॉ. रामस्वरूप को धमकाने और उनके साथ अभद्र व्यवहार करने से चिकित्सक नाराज हैं।

- **अस्पतालों में हड़ताल का असर भी देखा गया, मरीज सरकारी अस्पतालों में भटकते रहे**
- **बाड़मेर के सेड़वा में चिकित्सक के साथ अभद्र व्यवहार का मामला**

झुंझुनूं जिले के 400 से अधिक सेवारत चिकित्सक सोमवार को सुबह दो घंटे की पैन डाउन हड़ताल पर रहे।

जानकारी के अनुसार बाड़मेर जिले के सेड़वा के एसडीएम बद्रीनारायण सीएचसी का निरीक्षण करने गए थे, जहां पर वे ओपीडी में कार्यरत चिकित्सक डॉ. रामस्वरूप पर गुस्सा हो गए। उन्होंने कहा कि जो बैड पर मरीज है, उसे चैक करो। यह मेरा ऑर्डर है। इस दौरान उन्होंने चिकित्सक को पुलिस के हवाले करने की बात भी कही थी, जिसके बाद से पूरे प्रदेश के चिकित्सकों में आक्रोश है। इसी क्रम में प्रदेशव्यापी आव्हान पर झुंझुनूं जिले के मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पतालों, उप जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा पीएचसी में कार्यरत 400 से अधिक सरकारी डॉक्टरों ने सुबह नौ से 11 बजे तक पैन डाउन हड़ताल रखी। हड़ताल का असर भी देखा गया। मरीज सरकारी अस्पतालों में भटकते रहे। वहीं अस्पतालों के चिकित्सक कक्ष सूने रहे। इसके बाद सेवारत चिकित्सक संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. एस. जब्बार, महासचिव डॉ. राजेंद्र लांबा, उपाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र भांबू, प्रवक्ता डॉ. विजय झाझड़िया तथा डॉ. संदीप नेमीवाल आदि ने एडीएम झुंझुनूं से मुलाकात कर उन्हें मुख्यमंत्री के नाम हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन दिया, जिसमें इस मामले में एसडीएम पर कार्रवाई करने की मांग की गई है। प्रवक्ता डॉ. विजय झाझड़िया ने बताया कि इस मामले को लेकर पूरे प्रदेश के चिकित्सक गंभीर है। यदि सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती है तो संघ के प्रदेश नेतृत्व द्वारा आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए निर्णय लिया जाएगा।

लूट की वारदात करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। जिले के ऋषभदेव थाना पुलिस ने हाइवे पर लूट की वारदात का खुलासा करते हुए इस मामले में एक बदमाश को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 27 अगस्त 2014 को पीड़ित ओमप्रकाश पुत्र इन्दर सिंह निवासी कचनारिया सोन कच्छ देवा एमपी ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि मैं भारत फाईनेंस कंपनी ऋषभदेव में रिस्क रिकवरी मैनेजर के पद पर काम करता हूं। 13 अगसत को ऋषभदेव कस्बे में कलेक्शन लेने पहुंचा, जहां बारा से कलेक्शन कार्य पूरा कर नेशनल हाईवे से गडावत व कलावत से होकर ऋषभदेव लौट रहा था। इस दौरान पिछे से बाइक पर आए तीन अज्ञात व्यक्ति मेरी गाड़ी रोक कर डरा धमकाकर कलेक्शन से भरा बैग छिन ले गए, जिसमें करीब 52 हजार रूपये 600 रूपये नकदी, पेन ड्राइव दस्तावेज थे। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर गठित दल ने आरोपी नीवीन कुमार पुत्र लक्ष्मणलाल बरण्डा निवासी उखेड़ी पाटिया को गिरफ्तार किया, जबकि साथी आरोपी सुनील, अविनाश फरार है।

मंत्री किरोड़ीलाल का मुद्दा सॉल्व करना पड़ेगा, वो मेरे साढ़ू भाई हैं : डोटासरा

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने सदन में मंत्री किरोड़ीलाल के मुद्दे की आड़ में सरकार पर तंज कसे

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने ईआरसीपी और यमुना जल परियोजना को लेकर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। डोटासरा ने कहा कि जब सफाई कर्मचारियों की भर्ती, ट्रेनिंग के बाद करोगे तो क्या प्रदेश में मुख्यमंत्री और मंत्रियों को भी ट्रेनिंग के बाद बनाया है।

गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि, ''मुख्यमंत्रीजी! यह किरोड़ीलाल लाल वाला मामला तो आपको सॉल्व करना पड़ेगा, वो मेरे साढ़ू भाई हैं। किरोड़ी ने दौसा में भी कहा कि मुख्यमंत्री मेरे भाई हैं, भाई बनाकर छुरा घोंप दिया। जब आपका कैबिनेट मंत्री यह कह रहा है बीसलपुर से रोजाना 7 करोड़ की बजरी चोरी हो रही है और उसके बाद में सब मौन धारण किए हुए हो, इसका मतलब पूरी सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है, किरोड़ी जो कह कर गए हैं, यह छोटी बात नहीं है।''

- **डोटासरा ने कहा, ''बीसलपुर से रोजाना 7 करोड़ रु. की बजरी चोरी होने का मामला गंभीर, सरकार आखिर चुप क्यों है?''**

डोटासरा ने कहा कि मध्य प्रदेश के साथ ईआरसीपी का क्या समझौता हुआ, यह जनता जानना चाहती है। केंद्र के 2 बजट आ गए, लेकिन एक धेला भी नहीं मिला। उन्होंने नोनेरा बांध को लेकर भी सरकार के दावों को खारिज करते हुए कहा कि यह कांग्रेस सरकार की देन है।

मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए डोटासरा ने कहा कि वे भामाशाह बनकर घूम रहे हैं। चार महीने बीत गए, लेकिन यमुना जल समझौते की डीपीआर तक नहीं बनी। उन्होंने केन्द्रीय बजट के दौरान मुख्यमंत्री के पेन-डायरी लेकर बैठने का जिक्र करते हुए कहा कि डेढ़ घंटे बैठे रहे, लेकिन कुछ लिख नहीं पाए।

विधानसभा में डोटासरा ने कहा कि अंग्रेजी स्कूलों का रिव्यू करने वाली कमेटी से डिप्टी सीएम को हटाना पड़ेगा। दूदू में लोग अंग्रेजी स्कूल बंद करने के खिलाफ हैं, वो साइन करने से मना कर देंगे, जैसे किरोड़ी की छुट्टी के लिए सब अफसरों ने साइन करने से मना कर दिया था। उसके बाद शिखर साहब को साइन करने पड़े कि मुझे निर्देश प्राप्त हुआ। लोगों को अचंभा हुआ, लेकिन मुझे नहीं हुआ। जब सारे काम पर्ची से हो रहे हैं तो पर्ची आई होगी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पॉलिसियों का वितरण

जयपुर (कासं)। कृषि एवं उद्यानिकी शासन सचिव राजन विशाल ने सोमवार को पंत कृषि भवन में किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पॉलिसियों का वितरण कर रबी 2024-25 की 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' अभियान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

राजन विशाल ने बताया कि कृषकों को समय पर बीमा पॉलिसी की हार्ड कॉपी नहीं मिलने से खराबा होने पर फसल की जानकारी एवं किसानों को बीमा के प्रति जागरुक करने के लिए पूरे प्रदेश में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर शिविर लगाकर पॉलिसियों का वितरण 15 मार्च तक किया जायेगा।

5 फरवरी से आयोजित किये जा रहे एग्रोस्टेक योजना के कैम्पों में भी कृषि पर्यवेक्षकों द्वारा पॉलिसियों का वितरण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जो किसान इन शिविरों में पॉलिसी प्राप्त करने से वंचित रह जाते है, वे अपनी फसल बीमा पॉलिसी संबंधित कृषि पर्यवेक्षक से प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि फसल बीमा योजना को और सरल बनाने व किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ प्रदान करने के लिए कृषि विभाग प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री भजनलाल और स्पीकर देवनानी ने किया नेवा सेवा केन्द्र का शुभारंभ

ई-लर्निंग कम ई-फैसिलेशन सेन्टर के रूप में कार्य करेगा नेवा सेवा केन्द्र : देवनानी

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व स्पीकर वासुदेव देवनानी ने विधानसभा में नेवा सेवा केन्द्र का उद्घाटन किया।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को यहां विधान सभा में नेवा सेवा केन्द्र का फीता खोल कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और राज्य सभा सदस्य व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड सहित विधायक भी मौजूद थे। देवनानी ने बताया कि नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन के इस केन्द्र से विधान सभा को पेपरलैस बनाये जाने से संबंधित नेवा माडयूल्स का प्रशिक्षण और इससे संबंधित तकनीकी सहायता विधायकगण को उपलब्ध करवाई जायेगी। यह केन्द्र विधायकगण के साथ अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए भी ई-लर्निंग कम ई-फैसिलेशन सेन्टर के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार की राज्य की विधान सभाओं को डिजिटल बनाये जाने के लिए नेवा एप्लीकेशन का संचालन राजस्थान विधान सभा में भी किया जा रहा है।

- **राजस्थान विधानसभा में नेवा सेवा केन्द्र का शुभारम्भ**

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने बताया कि वन-नेशन-वन एप्लीकेशन के तहत नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन के उपयोग से राजस्थान विधान सभा का सदन और विधान सभा सचिवालय भी लोकसभा तथा अन्य विधान सभाओं की तर्ज पर डिजिटल हो गये हैं। उन्होंने बताया कि इस ई-विधान एप्लीकेशन से राज्य विधान सभा के सदस्यों और राज्य के अधिकारियों के साथ-साथ मीडिया प्रतिनिधिगण, अनुसंधानकर्ता और आम नागरिकगण को विधान सभा से संबंधित विधेयक, रिपोर्टस, सदन के पटल पर रखे जाने वाले विधेयक, प्रश्न, बुलेटिन सहित अन्य कार्यवाही विवरण संबंधित सूचनाओं की जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।

राजस्थान विधान सभा को डिजिटल बनाये जाने वाली इस महत्वपूर्ण परियोजना की अध्यक्ष देवनानी ने निरन्तर समीक्षा की है। देवनानी के निरन्तर प्रयास और पहल से यह परियोजना सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के तीसरे सत्र से आरम्भ हो सकी है। यह परियोजना केन्द्र व राज्य सरकार के क्रमशः 60 व 40 के अनुपात में वित्तीय सहायता से पूरी हुई है। इसके तहत विधान सभा के सदन में विधायकगण की प्रत्येक सीट पर एक आईपैड लगाया गया है। परियोजना के तहत एक लैपटॉप मय प्रिन्टर विधायकगण को उपलब्ध करवाये जाने का प्रावधान भी है।

इस मौके पर विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, प्रमुख संदर्भ व अनुसंधान अधिकारी श्री विनोद मिश्रा, नेवा के नोडल अधिकारी नरेश जैन सहित विधान सभा के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डोटासरा ने सदन में संसदीय कार्य मंत्री पर गाली देने का आरोप लगाया

जयपुर (विसं)। विधानसभा के तीसरे सत्र की कार्यवाही के दौरान सोमवार को कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और लक्ष्मणगढ़ विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल पर गाली देने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भोजनावकाश से पहले जब सदन की कार्यवाही चल रही थी, उस समय जब नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे तो संसदीय कार्यमंत्री ने न केवल उन्हें बोलने से रोका, बल्कि गाली भी दी। डोटासरा ने कहा, इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ हो नहीं सकता। इसके लिए संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

- **इस पर मंत्री जोगाराम पटेल ने सॉरी कहते हुए कहा कि, ''अगर उनसे फ्लो में बोलते समय उत्तेजना में यदि कुछ गलत निकल गया है तो इसे सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाए।''**
- **उधर डोटासरा ने कहा कि अगर मंत्री ने कुछ गलत नहीं कहा तो फिर डिलीट क्या करवा रहे हैं।**
- **हालांकि स्पीकर देवनानी ने दोनों पक्षों से समझाइश कर पूरे मामले को शांत किया और सदन में सभी सदस्यों को मर्यादा बनाये रखने की नसीहत दी**

बयान के जवाब में जोगाराम पटेल ने कहा कि उनकी मंशा किसी के प्रति गलत नहीं रही है। वे सबका मान-सम्मान करते हैं और करते रहेंगे, हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि फ्लो में बोलते समय उत्तेजना में यदि कुछ गलत निकल गया है तो इसे सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाए। इस पर डोटासरा ने कहा कि अगर मंत्री ने कुछ गलत नहीं कहा तो डिलीट क्या करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री जोगाराम पटेल को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। इस पर संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि उनके मुंह से कुछ गलत निकल गया तो वे सॉरी बोलते हैं।

सचेतक जोगेश्वर गर्ग अपनी सीट पर खड़े हुए और कहा कि सदन में सबसे ज्यादा अव्यवस्था लक्ष्मणगढ़ विधायक (गोविंद सिंह डोटासरा) ने फैलाई है। इसके लिए उन्हें भी माफी मांगनी चाहिए। इस पर अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि सदन की मर्यादा बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने दोनों पक्षों को सदन की गरिमा बनाए रखने की नसीहत दी। इसके बाद आगे की कार्यवाही शुरू हुई और राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई।

'आदेश की पालना करो वरना आयुर्वेद सचिव पेश हो'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आयुर्वेद चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति से जुडे मामले में अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने 18 फरवरी को आयुर्वेद सचिव को पेश होकर बताने को कहा है कि अदालती आदेश के बावजूद याचिकाकर्ता आयुर्वेद चिकित्सक को 62 साल की उम्र तक सेवा में क्यों नहीं रखा गया अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि आदेश की पालना हो जाती है तो सचिव को पेश होने की जरूरत नहीं है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश विजेन्द्र सिंह गुर्जर की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने आयुर्वेद चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति से जुड़े मामले में अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर नाराजगी जताई**

अवमानना याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने एलोपैथी चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाकर 62 साल की थी। इस पर आयुर्वेद चिकित्सकों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर उनकी सेवानिवृत्ति आयु भी बढाने की गुहार की। इस पर हाईकोर्ट ने जुलाई, 2022 को राज्य सरकार को निर्देश दिए कि जो चिकित्सक 62 साल की उम्र पार कर चुके हैं, उन्हें इस अवधि का वेतन दिया जाए और जो शेष को 62 साल तक सेवा में रखा जाए। वहीं इस आदेश के खिलाफ पेश एसएलपी भी सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी, 2024 को खारिज कर दी। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता को साल साल की उम्र पूरी होने पर 30 जून, 2023 रिटायर कर दिया।

भगवान देवनारायण के आदर्श अपनाएं : सीएम भजनलाल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देवनारायण जयंती (4 फरवरी) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। शर्मा ने कहा कि भगवान देवनारायण ने बेसहारा, दीन-दुखियों की मदद तथा गौ रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया और समाज में प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आ ान किया कि वे भगवान देवनारायण के आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर समाजिक समरसता को सशक्त करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि प्रदेश व देश उन्नित के नए शिखर को छू सके।

'सदन में पेपरलैस प्रक्रिया के सुचारू संचालन में सहभागी बनें विधायक'

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को सदन में पेपरलैस व्यवस्था में विधायको को सहभागी बनने का आग्रह करते हुए कहा कि आईपैड का सुचारु संचालन कर विधायक, विधानसभा की पेपरलैस व्यवस्था में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के लिए सदन में विधायकों को तकनीकी सहायता उपलब्ध करवाने के लिए तकनीकी सहायक मौजूद है। विधीयकगण आवश्यकता होने पर तकनीकी मदद सदन में ले सकते है।

देवनानी ने कहा कि ''मुझे सदन के सदस्यों को एक जानकारी देनी है कि विधान सभा की कार्यवाही को पेपरलैस बनाने हेतु नेवा परियोजना लागू की गई है। इसके तहत सभी माननीय सदस्यों की सीटों पर आईपैड भी स्थापित किये गये हैं। सदन की गरिमा तथा उपकरणों की सुरक्षा की दृष्टि से यह निर्देश है कि प्रत्येक सदस्य अपनी फेस आईडी से उपकरणों को लॉक नहीं करें तथा ना ही एपल आईडी उसमें प्रविष्ट करें। ऐसा करने से उपकरणों का विधान सभा सचिवालय द्वारा संधारण करना असुविधाजनक हो जायेगा।''

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने सदन में कहा कि ''सदन की कार्यवाही के दौरान हॉटस्पाट प्रयुक्त कर नेवा की ई-बुक के अतिरिक्त अन्य कोई वैबसाइट सर्फ नहीं करें। आईपैड का कैमरा ऑन कर फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी नहीं करें। किसी प्रकार का ऑडियो सदन में प्ले नहीं करें। आईपैड पर नेटवर्क तथा चार्जिंग केबल के द्वारा हो रही है।

'धर्मांतरण विरोधी बिल सनातन संस्कृति की रक्षा का कदम'

जयपुर (कासं)। राजस्थान भाजपा की भजनलाल सरकार द्वारा धर्मांतरण विरोधी धार्मिक विधेयक 'राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025' विधानसभा में पेश किया गया है, इस बिल का भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने स्वागत करते हुये कहा कि यह बिल राजस्थान की सनातन संस्कृति एवं मूल्यों की रक्षा करने की दिशा में महत्वपूर्ण विधेयक है।

इस तरह के महत्वपूर्ण कानून की प्रदेश में पिछले दो दशकों से मांग चल रही थी। पंद्रहवी विधानसभा के आखिरी सत्र में भाजपा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष रहने के दौरान बतौर आमेर विधानसभा सदस्य डॉ. सतीश पूनियां द्वारा लगभग इसी तरह के मसौदे वाला एक गैर सरकारी विधेयक 'राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2023' विधानसभा में लाया गया था। लेकिन तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली कांग्रेस की तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार के शासन में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष ने उस धर्मांतरण विरोधी प्राइवेट बिल को यह कहकर खारिज कर दिया था कि यह संविधान के अनुच्छेद 25 के विरूद्ध है। पूनियां ने कहा कि, मतांतरण पर भाजपा की शुरू से स्पष्ट नीति रही है कि सभी को अपना धर्म चुनने और उसका पालन करने की स्वतंत्रता है लेकिन बलपूर्वक कोई भी किसी का मतांतरण नहीं कर सकता। डॉ. पूनियां ने कहा कि, राजस्थान में धर्मांतरण विरोधी विधेयक के लिए कई बार प्रयास हुए, लेकिन पूर्वाग्रह और तुष्टिकरण की नीति से ग्रसित कांग्रेस सरकारों ने कभी इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार करने का प्रयास ही नहीं किया। अच्छी बात है कि राज्य की भाजपा सरकार ने निर्णय लेकर राज्य में अवैध धर्मांतरण को रोकने और कड़ी सजा के प्रावधान वाले विधेयक को विधानसभा में पेश कर बड़ी सकारात्मक पहल की है, जिससे राजस्थान की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विरासत को मजबूती के साथ संरक्षण मिलेगा।

मंत्री किरोड़ीलाल की जगह ओटाराम देवासी ने जवाब दिए तो विपक्ष ने किया हंगामा

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा में बजट सत्र की शुरुआत सोमवार को हंगामे हुई। सदन में मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के स्थान पर राज्यमंत्री ओटाराम देवासी द्वारा प्रश्नों का जवाब देने पर विपक्ष ने हंगामा खड़ा कर दिया। कार्यवाही के दौरान विपक्ष ने डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को सदन में बुलाए जाने की मांग की।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पूछा कि, ''कितने प्रतिशत फसलें खराब हुई हैं। इस सवाल का जवाब ओटाराम देवासी नहीं दे पाए, जिसके बाद विपक्ष ने मांग करते हुए कहा कि किरोड़ीलाल मीणा को बुलाइए।''

दरअसल सदन की कार्यवाही से पहले ही विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा को सदन में उपस्थित नहीं होने की अनुमति देने पर सदन से ''हां या ना'' में जवाब मांगा था। इस पर भी कांग्रेस नेता टीकाराम जूली ने कहा कि किरोड़ी बीमार नहीं, मजबूर हैं। राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही प्रश्नकाल के साथ जैसे ही शुरू हुई, तब पीपल्दा से कांग्रेस विधायक चेतन पटेल ने अतिवृष्टि से जुड़े सवाल पर सरकार से जवाब मांगा। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि मंत्री ओटाराम देवासी जवाब देंगे। उन्होंने बताया कि 25 हजार 418 हेक्टेयर में फसलें खराब हुई हैं और 24100 हेक्टेयर भूमि पर किसानों को ज्यादा नुकसान हुआ है। यह पूरा डाटा वेब पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि चपेट में आए 85 गांवों को भी जल्द ही मुआवजा दे दिया जाएगा। इस पर टीकाराम जूली ने आपत्ति जाहिर की। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि में जो मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनका मुआवजा दिया जाएगा या नहीं?

- **अतिवृष्टि से प्रदेश में फसल खराबे के मुद्दे पर राज्यमंत्री देवासी ने दिए थे जवाब**
- **कांग्रेस विधायकों ने मंत्री किरोड़ीलाल को विधानसभा कार्यवाही के दौरान सदन में बुलाने की मांग रखी**

इस पर मंत्री देवासी ने कहा कि प्रदेश के 30 जिलों में 33 फीसदी से अधिक नुकसान हुआ है। पीपल्दा के 175 गांव व निमोद में 85 गांव और कुल मिलाकर 25,458 गांवों में 33 फीसदी खराबे के अनुदान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिसके बाद टीकाराम जूली के 50 फीसदी से ज्यादा फसल खराबे के बारे में पूछने पर सदन में हंगामा हो गया।

ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री कार्यालय ने किरोड़ीलाल मीणा के विभागों के विधानसभा में समस्त संसदीय कार्य विधानसभा प्रश्नों प्रस्तावों के अनुमोदन और उत्तर दिए जाने सहित अन्य संसदीय कार्य संपादित करने के लिए मंत्री ओटाराम देवासी और के. के. विश्नोई को अधिकृत किया है।

आयुर्वेद शिक्षकों तथा विद्वानों के लिए 6 दिवसीय प्रशिक्षण

राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ की ओर से सोमवार को 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'चरकायतन' का शुभारम्भ हुआ।

हरिद्वार। आयुष मंत्रालय के अन्तर्गत स्वायत्त संगठन राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ द्वारा आयुर्वेद शिक्षकों तथा आयुर्वेद के स्नातकोत्तर व स्नातक विद्वानों के लिए 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'चरकायतन' का आयोजन पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज के तत्वाधान में किया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि 'चरकायतन' का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में चरक संहिता का प्रामाणिक नैदानिक ज्ञान तथा अभ्यास की प्रासंगिकता प्रदान करना व चरक संहिता को सीखने व पढाने का कौशल विकसित करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हमें आयुर्वेद से जुड़ने का अवसर मिला। आयुर्वेद केवल आजीविका या जीवन निर्वहन का साधन नहीं है अपितु ऋषि ऋण से उऋण होने का उपाय है।

- **आयुर्वेद जीवन निर्वहन का साधन नहीं, ऋषि ऋण से उऋण होने का उपाय : आचार्य बालकृष्ण**

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आपके व्यवहार में, आचरण में, स्वभाव में व जीवन में आयुर्वेद दिखना चाहिए। स्वयं को वैद्य कहलाने में संकोच नहीं होना चाहिए अपितु गौरव अनुभव होना चाहिए। वैद्यकीय क्षमता व आयुर्वेद क्षमता बहुत व्यापक है। एलोपैथ सिंथेटिक दवाओं व कैमिकल्स पर आश्रित है, इसमें बहुत से साधनों की आवश्यकता रहती है। आयुर्वेद पराश्रित नहीं है। जड़ी-बूटियां घोटकर, छाल, तना, पत्तियों का प्रयोग कर, काढा बनाकर आप जीवन दे सकते हैं। लेकिन सर्वप्रथम स्वयं पर, अपने आयुर्वेद पर विश्वास तो करना होगा।

कार्यक्रम में विख्यात आयुर्वेद चिकित्सक वैद्य (प्रो.) एस.के. खण्डेल ने कहा कि पतंजलि पूरे विश्व में आयुर्वेद व योग के क्षेत्र में विश्व का सबसे अग्रणी संस्थान है। पतंजलि ने आयुर्वेद व योग को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पटल पर तथ्यों व प्रमाणों के साथ प्रस्तुत किया है। पतंजलि में आयुर्वेद को जीना सिखाया जा रहा है। आचार्य बालकृष्ण ने ग्रंथों की रचना कर आयुर्वेद की धाती बनाया है और विश्व में आयुर्वेद को नई पहचान दी है। विश्व में जितनी भी चिकित्सा पद्धितयाँ हैं उनके समावेश का असंभव सा कार्य आचार्य ने करके दिखाया है।

इस आयोजन में समय-समय पर आयुर्वेद के विद्वानों का सान्निध्य प्राप्त होता रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पद्मश्री और पद्म विभूषण वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ गवर्निंग काउंसिल के सदस्य वैद्य राकेश शर्मा, वैद्य मोहन लाल जायसवाल, संतोष भट्टेड़, पतंजलि अनुसंधान संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. अनुराग वार्ष्णेय, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ की निर्देशिका डॉ. वंदना सिरोहा, आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान जामनगर के वैद्य (प्रो.) हितेश व्यास, दीक्षित आयुर्वेद फोंडा गोवा के वैद्य (प्रो.) उपेंद्र दीक्षित, एवीएस आयुर्वेद महाविद्यालय, बीजापुर, कर्नाटक के वैद्य (प्रो.) संजय कडलिमट्टी, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के यंग प्रोफेशनल, डॉ. खुशबू पांडेय तथा डॉ. अनुराग सिंह व प्रोजेक्ट सलाहकार डॉ. लवनीत शर्मा ने प्रतिभागी विद्वानों व विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया।

''आपणी सड़कां'' पुस्तक में मिलेंगी अच्छी गुणवत्ता की सड़क निर्माण की सरल जानकारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया पुस्तिका का विमोचन

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण की जानकारी के लिए ''आपणी सड़कां....एक मात्र संकल्प:गुणवत्तापूर्ण निर्माण'' शीर्षक से हिन्दी में तैयार की गई पुस्तिका का विमोचन किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च गुणवत्ता की सड़क किसी भी देश-राज्य की अर्थव्यवस्था की धुरी है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार का प्राथमिक लक्ष्य बेहतरीन सड़क नेटवर्क विकसित करने के साथ सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना भी है।

उन्होंने कहा कि सरल बोल-चाल की भाषा में तैयार की गई यह पुस्तक सड़क निर्माण से जुड़े अभियन्ताओं-सुपरवाईजरों एवं अन्य लोगों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी और गुणवत्ता पूर्ण सड़क निर्माण सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगी।

मुख्य अभियंता (गुण नियंत्रण) जसवंत खत्री ने बताया कि काफी समय से राजस्थान में ग्रामीण सड़कों के निर्माण कार्य से जुड़े विभागीय अभियंताओं, संवेदकों के इंजीनियरों-सुपरवाईजरो, अभियांत्रिकी एवं पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों द्वारा ऐसी पुस्तिका की आवश्यकता अनुभव की जा रही थी, जिसमें ग्रामीण सड़कों के निर्माण से संम्बधित अखिल भारतीय स्तर के मानकों, सरल निर्माण कार्य विधि एवं अन्य तकनीकी जानकारी सरल बोल-चाल की भाषा में एक साथ प्राप्त की जा सके। उन्होंने बताया कि पीडब्ल्यूडी की क्वालिटी कन्ट्रोल सर्किल बीकानेर के अधीक्षण अभियंता सुनील गहलोत और उनकी टीम द्वारा यह पुस्तक तैयार की है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को ''आपणी सड़कां....एक मात्र संकल्प:गुणवत्तापूर्ण निर्माण'' पुस्तिका का विमोचन किया।

- **पीडब्ल्यूडी की क्वालिटी कन्ट्रोल सर्किल बीकानेर के अधीक्षण अभियंता सुनील गहलोत और उनकी टीम द्वारा यह पुस्तक तैयार की है।**

इस पुस्तक में गैर शहरी सड़कों हेतु ज्यामितीय डिजाइन मानक, मिट्टी का कार्य, ग्रेनुलर सब बेस कार्य, बेस कोर्स, डामर कार्य, सीमेन्ट कंक्रीट कार्य,इन्टरलॉकिंग ब्लॉक कार्य,क्रॉस ड्रेनेज कार्य तथा गुण नियंत्रण सहित विभिन्न उपयोगी जानकारी पुस्तक में समाहित की गई है। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता,शासन सचिव डी.आर.मेघवाल, अतिरिक्त सचिव एवं मुख्य अभियंता टी.सी गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

'डीडवाना औद्योगिक क्षेत्र में खाली भूखण्डों के लिए आवंटियों को नोटिस जारी'

जयपुर (विसं)। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि औद्योगिक क्षेत्र डीडवाना में खाली पड़े भूखण्डों के आवंटियों को रीको द्वारा ''कारण बताओ नोटिस'' जारी किये गये हैं। राठौड़ प्रश्नकाल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आवंटियों द्वारा जवाब प्रस्तुत करने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में पानी, बिजली की उपलब्धता एवं डंपिंग यार्ड की समस्या के समाधान के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र डीडवाना को 2017 में पानी की कमी के चलते सेमी डेवलप्ड क्षेत्र घोषित किया गया था। वर्तमान में यहां खाली 47 भूखण्ड हैं एवं 58 भूखण्डों पर उत्पादन चालू है। इससे पहले विधायक यूनुस खान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उद्योग मंत्री ने कहा कि औद्यो गिक क्षेत्र, डीडवाना की स्थापना वर्ष 1998 में 31.38 हैक्टेयर भूमि पर की गयी है।

पुलिस ने 40 लाख कीमत के 154 मोबाइल मालिकों को लौटाए

22. 21 लाख रिफण्ड कराए और 45 लाख से ज्यादा रूपए होल्ड भी कराए

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला पश्चिम पुलिस ने ऑपरेशन सायबर शिल्ड के तहत सोमवार को कार्रवाई करते हुए 40 लाख कीमत के 154 मोबाइल परिवादियों को लौटाए। वहीं इसी के तहत सायबर पीड़ितों को 22.21 लाख रूपए रिफण्ड कराए तो 45 लाख से ज्यादा होल्ड भी कराए गए।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम राजर्षि राजवर्मा ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये गये अभियान सायबर शिल्ड में सायबर सैल पश्चिम एवं जिला पश्चिम के पुलिस थानों द्वारा 154 मोबाइल बरामद कर परिवादियों को लौटाए गए जिनकी अनुमानित कीमत 40 लाख रूपए है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम राजर्षि राजवर्मा के अनुसार जिला पश्चिम के पुलिस थाना कुड़ी भगतासनी, बासनी एवं भगत की कोठी द्वारा 4 प्रकरण दर्ज कर 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया एवं खातों के स्टेटमेंट के आधार पर 7 करोड़ का फ्रॉड करना पाया गया। इसमें 15 लोगों को गिरफ्तार करने के साथ 1 कम्प्यूटर सेट-प्रिन्टर, 10 क्रेडिट कार्ड, 37 एटीएम कार्ड, 57 सिम कार्ड, 63 मोबाइल, 1 बायोमैट्रिक फिंगर मशीन, 2 लाख 85 हजार रूपए एवं 1 कार आई-20 को जब्त किया गया। इसके अलावा पुलिस थाना कुड़ी भगतासनी द्वारा सायबर अपराधियों से दो कार व दो बाइक जब्त की गई।

पुलिस उपायुक्त राजर्षि राजवर्मा ने बताया कि प्रतिबिंब पोर्टल से प्राप्त नम्बरों के आधार पर पुलिस थाना कुड़ी भगतासनी व भगत की कोठी द्वारा सायबर सैल पश्चिम की सहायता से दो कॉल सेन्टरों पर कार्रवाई की गई जिसमें दो पुरूष जो कॉल सेन्टर संचालक है एवं 11 महिलाएं जो कॉल सेन्टर में कार्यरत थी उनको गिरफ्तार किया गया। सायबर पुलिस पोर्टल पर कार्य करते हुए अभियान में 22 लाख 21 हजार 39 रूपए रिफण्ड करवाए गए। 45 लाख 39 हजार 524 रूपए विभिन्न खातों में होल्ड करवाए गए।

कार्रवाई के समय 2306 शिकायतों का निस्तारण किया गया। अभियान अवधि के समय 311 प्राप्त नई शिकायतों में से 151 शिकायतों का निस्तारण कर एक प्रकरण दर्ज किया गया। साथ ही 371 मोबाइल नम्बर व 1006 आईएमईआई नम्बर सायबर सैल द्वारा चिन्हित कर ब्लॉक कराए गए। 96 गुमशुदा मोबाइलों की शिकायतें दर्ज की गई। वहीं हॉट स्पॉट चिन्हित कर 22 सायबर फ्रॉड में लिप्त व्यक्ति 170 बीएनएसएस में गिरफ्तार किए गए। 05 प्रकरणों में वांछित 16 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस उपायुक्त राजर्षि राजवर्मा ने बताया कि सायबर शिल्ड अभियान के दौरान जिला पश्चिम द्वारा साईबर जागरूकता के लिए 22 स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद ली गई और 147 सायबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। 5866 व्यक्तियों सायबर जागरूक किया गया इसके अलावा 280 पुलिस मित्र,सुरक्षा सखी, सीएलजी सदस्य तथा साईबर वॉलिन्टियर्स को भी जागरूक किया गया।

किसानों की भूमि को हाइवे से अलग करने का मामला मुसीबत बना

पीड़ित किसानों ने कलेक्टर अभिषेक सुराणा से न्याय की गुहार लगाई

चूरू, (निसं)। गाजसर के किसानों की भूमि को हाइवे से अलग करने का मामला जिला प्रशासन के लिए जी का जंजाल बन गया है।

जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर 36 चूरू से नोहर वांया गाजसर के निर्माण में भारी अनियमितता सामने आने के बाद गत दिनों चूरू एसडीएम बिजेंद्र सिंह ने मौके पर जाकर पीड़ित किसानों से वार्ता की थी, जो विफल रही। कुल मिलाकर मामले में नायब तहसीलदार महेन्द्र गहलोत की मिथ्या रिपोर्ट से एसडीएम की साख को आघात पहुंचा है। इस मामले को लेकर सोमवार को किसान कलेक्टर अभिषेक सुराणा के पास न्याय की गुहार की मांग को लेकर

■ **एसडीएम की बजाय यह जांच तहसीलदार गोरा से करवाने की मांग की**

कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने एसडीएम की बजाय ये जांच तहसीलदार गोरा से करवाने की मांग की।

जानकारी के अनुसार गोपालराम पुत्र खींवाराम और विकास पुत्र भागीरथ जाट निवासी गाजसर की कृषि भूमि इस रोड़ के ले आउट प्लान में शामिल थी, परन्तु अधिकारियों ने मनमाने तरीके से पुन: सर्वे कराके उनकी भूमि को सड़क से अलग कर दिया। आरोप है कि निरीक्षणकर्ता ने जानबूझकर रोही गाजसर को रोड से अलग दिखाकर उनके साथ घोर अन्याय किया है। इतना ही नहीं गलत कार्य करके संबंधित उच्च अधिकारियों ने हाईवे निर्माण के नियमों की धज्जियां उड़ा दी है। प्लान के अनुसार पुरानी सड़क के स्थान पर ही पुन: सड़क का निर्माण होना था और दोनों तरफ 50 फिट जगह छोड़नी थी। यहां नायब तहसीलदार महेन्द्र गहलोत और प्राधिकरण के अधिकारियों ने मिलीभगत कर हाइवे नंबर 36 पर गाजसर में इन किसानों के खेतों की तरफ जगह नहीं छोड़ी। इस मामले को लेकर रविवार को पीड़ित सहित बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों ने कलेक्टर अभिषेक सुराणा से वार्ता कर न्याय की गुहार लगायी।

छात्रगुटों में मारपीट, एक घायल

उदयपुर, (कासं)। शहर के सूरजपोल थानाक्षैत्र में स्थित फतह स्कूल में दो छात्रगुटों के बीच मारपीट हो गई, जिसमे एक छात्र घायल हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर में सूरजपोल थाना क्षैत्र में स्थित फतह स्कूल कक्षा 12 के छात्रगुटों में आपसी मारपीट हो गई। इस दौरान 12वीं के छात्र खेरोदा निवासी यशवंत जाट के चोट लगी। हेड कांस्टेबल संजय ने मौके पर पहुंच कर समझाइश कर मामला शांत किया। इस मामले में पुलिस ने यशवन्त की रिपोर्ट पर अज्ञात छात्रों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

अपहरण का मामला दर्ज

उदयपुर, (निसं)। अपचारियों के खिलाफ विक्षिप्त युवक के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित ने अपचारियों के खिलाफ अपने पुत्र के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने का प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि मेरा पुत्र मंद विक्षिप्त है करीब 14 दिन पूर्व आरोपी अपचारी मेरे पुत्र को जंगल की तरफ ले गए। जहां उसने साथ अप्राकृतिक कृत्य किया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच आईपीएस पुलिस उप अधीक्षक मनीष कर रहे है।

प्राइवेट आईटीआई संचालकों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

पांच सूत्री मांगों को लेकर आईटीआई संचालकों ने नारेबाजी की।

झुंझुनूं, (निसं)। सोमवार को प्राइवेट आईटीआई संचालकों ने प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। पांच सूत्री मांगों में आईटीआई संचालकों ने कौशल विकास विभाग के आयुक्त सीनियर आईएएस डॉ. समित शर्मा द्वारा किए जा रहे औचक निरीक्षणों को बंद करने की मांग की है।

संचालकों ने कहा कि डॉ. समित शर्मा संस्थानों को बिना सूचना के निरीक्षण करने पहुंच जाते हैं, जिसके बाद तुगलकी आदेश देते हैं, जिनकी पालना आर्थिक रूप से कमजोर हो चुके आईटीआई संस्थानों के लिए संभव नहीं है। इस ज्ञापन में आईटीआई से यूनिट के हिसाब से ली जाने वाली बैंक गारंटी को बंद करने की मांग की गई है। संचालकों ने तर्क दिया है कि पूरे भारत में कहीं पर भी आईटीआई से कोई भी बैंक गारंटी नहीं ली जाती। राजस्थान में इस वसूली से आईटीआई संचालक तनाव में है। इसके अलावा छात्रवृत्ति के लिए कोर्स मैपिंग का कार्य जल्द करवाने, समय पर परीक्षा करवाने, समय पर परिणाम जारी करने आदि मांग भी की गई है। जिलाध्यक्ष रविंद्र पायल ने बताया कि यदि उनकी मांग नहीं मानी जाती है तो प्रदेश स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

डायमंड जुबली जम्बूरी त्रिची तमिलनाडु में राजस्थान का दल प्रथम रहा

जयपुर। भारत स्काउट गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में डायमंड जुबली जम्बूरी त्रिची तमिलनाडु में 28 जनवरी से तीन फ़रवरी तक आयोजित की गई। तीन फरवरी को आयोजित जंबूरी के पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री ने राजस्थान दल के पदाधिकारी को सर्वोच्च अवार्ड की शील्ड एवं पताकाएं प्रदान कर सम्मानित किया।

राज्य के मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य के निर्देशन में इस जम्बूरी में राजस्थान प्रदेश से 1012 स्काउट गाइड एवं अन्य ने सहभागिता कर विभिन्न प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट

■ **जंबूरी की सर्वोच्च पताका राजस्थान ने जीती**

प्रदर्शन से जंबूरी की सर्वोच्च शील्ड अपने नाम करते हुए एक बार फिर राजस्थान का परचम फहराया। राजस्थान के दल ने डायमंड जुबली जंबूरी में स्काउट विभाग की प्रथम स्थान की नेशनल कमिश्नर स्काउट शील्ड, गाइड विभाग की प्रथम स्थान की नेशनल कमिश्नर गाइड शील्ड एवं ओवरऑल प्रदर्शन में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए चीफ नेशनल कमिश्नर अवार्ड एवं फ्लैग पर अपना कब्जा जमाया। इसके साथ ही जंबूरी में आयोजित 22 प्रतियोगिताओं में से 21 प्रतियोगिताओं में राजस्थान प्रदेश के दल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राजस्थान स्काउट गाइड की इस उपलब्धि पर प्रदेश के स्काउट मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने पूरे दल को बधाई देते हुए इसका श्रेय राजस्थान के कर्मठ कार्यकर्ता एवं जोशीले स्काउट गाइड की मेहनत एवं लगन को दिया। आर्य ने कहा कि प्रदेश का स्काउट संगठन सदैव राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान की आन बान और शान को बनाए रखता है और भविष्य में भी बनाए रखेगा।

राजस्थान स्काउट के राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राजस्थान दल के दल नेता पूरण सिंह शेखावत, बन्ना लाल एवं सुयश लोढ़ा ने मंच पर अन्य पदाधिकारी के साथ अवार्ड प्राप्त किए। उल्लेखनीय है कि राजस्थान का दल जयपुर से स्पेशल ट्रेन द्वारा जम्बूरी में सम्मिलित हुआ। इस जम्बूरी में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें राजस्थान प्रदेश प्रथम स्थान पर रहा।

तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री ने राजस्थान दल के पदाधिकारी को सर्वोच्च अवार्ड की शील्ड एवं पताकाएं प्रदान कर सम्मानित किया

अभद्र व्यवहार मामला : चिकित्सकों ने की पैन डाउन हड़ताल

■ **चिकित्सकों ने दो घंटे तक कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया।**

■ **मरीजों को काफी समय चिकित्सकों का इंतजार करना पड़ा**

जोधपुर, (कासं)। संभाग के बाड़मेर जिले के सेड़वा उपखंड में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपखंड अधिकारी द्वारा चिकित्सक के साथ कथित अभद्र व्यवहार व धमकाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस घटना को लेकर चिकित्सकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इसी के तहत सोमवार को अखिल राजस्थान सेवारत चिकित्सक संघ के आव्हान पर चिकित्सकों ने सुबह दो घंटे तक पेन डाउन हड़ताल की। चिकित्सकों ने दो घंटे तक कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान अस्पताल आने वाले मरीजों को काफी समय चिकित्सकों का इंतजार करते हुए लाइनों में खड़ा रहना पड़ा। इससे उन्हें काफी परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि इस दौरान आपातकालीन सेवाओं को बहाल रखा गया।

संघ के अध्यक्ष डॉ. रामनिवास सेंवर ने बताया कि अगर प्रशासन ने उचित कदम नहीं उठाए तो मजबूरन आंदोलन की राह पर उतरना पड़ेगा। महासचिव डॉ. भवानी सिंह ने बताया कि सोमवार को जिले के समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सेटेलाइट, उपजिला व जिला चिकित्सालयों में सुबह नौ से ग्याहर बजे तक दो घंटे का कार्य बहिष्कार किया गया। इस दौरान सिर्फ आइसीयू और आपातकालीन सेवाएं ही जारी रही। इस मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को तेज किया जाएगा। हमारी मांग है कि नियमानुसार एसडीएम के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

यह है मामला :-गत शनिवार को सेड़वा उपखंड अधिकारी बद्रीनारायण विश्नोई सीएचसी सेड़वा निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान एक महिला मरीज को चेकअप को लेकर ड्यूटी डॉक्टर रामस्वरूप रावत को जमकर फटकार लगाई। इतना ही नहीं एसडीएम ने डॉक्टर को पुलिस के हवाले करने की चेतावनी तक दे डाली, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। हालांकि, एसडीएम ने इस घटना के वीडियो जारी कर माफी भी मांग चुके हैं। इसके बावजूद चिकित्सकों में भारी रोष व्याप्त है।

हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। व्यापारी के मकान का ताला तोड़ कब्जा करने वाले हिस्ट्रीशीटर को सूरजपोल थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया।

पीड़ित गणेशलाल जैन ने सूरजपोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि मैं सूरत में रहते हुए कारोबार करता हूं। गत दिनों अज्ञात व्यक्ति ने मेरे मकान के ताले तोड़कर कब्जा कर लिया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन राजपुरोहित के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में अनुसंधान अधिकारी तेजसिंह मय टीम ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी खांजीपीर बीडा निवासी मोहम्मद शेरू उर्फ बाबू पुत्र हुसैन खां को गिरफ्तार किया, जिसे पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश कर दो दिन का रिमाण्ड लिया।

जैसलमेर में विख्यात "मरु महोत्सव" का आयोजन 9 से 12 फरवरी तक

जैसलमेर, (नि.सं.)। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित कर चुके "मरु महोत्सव-2025" का आयोजन 9 फरवरी से 12 फरवरी होगा। मरु महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में ख्यातनाम लोक कलाकारों के साथ ही सूफी सिंगर ज्योति नुरान, काका, कबीर कैफे और कूटलेखां मुख्य आकर्षण के केन्द्र होंगे। जिला कलेक्टर प्रताप सिंह ने बताया कि जैसलमेर, सम व पोकरण में होने वाले चार दिवसीय मरु महोत्सव को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां की जा रही है एवं मरु महोत्सव को यादगार बनाने के लिए बेहतर प्रबंध किये जा रहे है।

सहायक निदेशक पर्यटक स्वागत केन्द्र कमलेश्वर सिंह ने बताया कि पर्यटन विभाग द्वारा मरु महोत्सव के भव्य आयोजन को लेकर जिला प्रशासन के सहयोग से तैयारियां की जा रही है। उन्होंने बताया कि पोकरण में 9 फरवरी को प्रात: नौ बजे सालमसागर तालाब पर स्थित नेपालेश्वर महादेव मंदिर में आरती की जाएगी एवं पोकरण फोर्ट से शोभायात्रा का आयोजन होगा एवं यह शोभायात्रा शहर के मार्गो से होती हुई राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पहुंचेगी। यहां पर प्रात: 11 बजे महोत्सव का उद्घाटन होगा एवं इसके बाद मिस. पोकरण, मिस्टर पोकरण जैसी रौचक प्रतियोगिताएँ आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि 10 फरवरी को प्रात: सोनार दुर्ग स्थित भगवान लक्ष्मीनाथजी के मंदिर में सुबह आरती की जाएगी। इसके बाद प्रात: 9 बजे गड़सीसर लेक से भव्य रंग-बिरंगी शौभायात्रा का आयोजन होगा । इसके बाद शहीद पूनमसिंह स्टेडियम में मरु महोत्सव का आगाज होगा एवं यहां पर मरुश्री एवं मिस मूमल, मिसेज जैसलमेर के साथ ही मूमल-महेन्द्र, साफा बांधो एवं मूंछ प्रतियोगिताएँ आयोजित होगी। इस दिन सायं पूनम स्टेडियम में राजस्थानी लोक संगीत की महफिल जमेगी। जिसमें स्थानीय ख्यातनाम लोक कलाकार हसन खां एवं कूटले खां की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश होगी एवं इसके बाद मशहूर सूफी सिंगर ज्योति नुरान अपना सूफी संगीत पेश करेगी। उन्होंने बताया कि मरु महोत्सव के तीसरे दिन 11 फरवरी को प्रात: 9:30 बजे से स्थानीय देदानसर मैदान में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ ही रेगिस्तानी जहाज ऊंट के कई रौचक कार्यक्रम होंगे। यहां पर ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता के साथ रस्सा-कस्सी, पोट रेस, जिमनाष्टिक शो का आयोजन होगा। यहां पर कैमल पोलो मैच का आयोजन होगा। अपरान्ह 4:30 बजे हेरीटेज वॉक का आयोजन होगा।

उन्होंने बताया कि मरु महोत्सव के अंतिम एवं चौथे दिवस 12 फरवरी को सम के पास स्थित लखमणा के मखमली धोरों पर माघ पूर्णिमा की धवल चांदनी के तले भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा। इस सांस्कृतिक सांझ में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोक कलाकार तगाराम भील द्वारा अलगौंजा वादन पर लोक गीतों की स्वर लहरियाँ बिखेरी जाएगी। वहीं ख्यातनाम कलाकार भूंगरखां का सिंफनी कार्यक्रम होगा। अन्त में मशहूर कबीर कैफे बैण्ड की शानदार प्रस्तुति होगी। इससे पूर्व लखमणा के रेतीले धोरों पर कैमल रेस होगी।

आरएसजीएल का सीएनजी का फीलिंग स्टेशन शुरु

राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस ने कोटावासियों के लिए बूंदी रोड कोटा पर 12वां सीएनजी फीलिंग स्टेशन शुरु हुआ।

जयपुर। राज्य सरकार के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस ने कोटावासियों की सुविधा के लिए बूंदी रोड कोटा पर 12वां सीएनजी फीलिंग स्टेशन शुरु कर दिया है। आरएसजीएल के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने बताया कि नए राजकमल फीलिंग स्टेशन से कोटावासियों को हर समय सेवाएं उपलब्ध होंगी। कोटा में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने की दिशा में आरएसजीएल का यह बड़ा कदम है।

आरएसजीएल एमडी रणवीर सिंह ने बताया कि आरएसजीएल के इस नए फीलिंग स्टेशन से साढ़े सात हजार किलोग्राम कंप्रेस्ड नेचुरल गैस सीएनजी प्रतिदिन उपलब्ध कराई जा सकेगी। यहां वाहनों को सीएनजी भरवाने की 24 घंटें सेवाएं उपलब्ध होगी। इससे पहले कोटा में आरएसजीएल द्वारा इस नए स्टेशन सहित 12 सीएनजी स्टेशनों के माध्यम से सीएनजी वाहनों को कंप्रेस्ड नेचुरल गैस उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि कोटा में सीएनजी पीएनजी के लिए आधारभूत ढांचा विकसित करने के काम में तेजी लाई गई है। आरएसजीएल के डीजीएम सीपी चौधरी ने बताया कि कोटा में अब तक सीएनजी स्टेशनों के माध्यम से आरएसजीएल द्वारा औसतन 37 हजार किलोग्राम से अधिक सीएनजी प्रतिदिन बिक्री की जा रही है। चौधरी ने बताया कि आरएसजीएल द्वारा कोटा में सीएनजी के साथ ही घरेलु उपभोक्ताओं को पाईप लाइन से गैस सुविधा पीएनजी सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही है।

डूंगरपुर जिले में नवजात शिशु मृत्युदर में कमी लाएगा "संकल्प प्रोजेक्ट"

जयपुर। प्रदेश के डूंगरपुर जिले में नवजात शिशु मृत्युदर में कमी लाने और सुरक्षित प्रसव सेवाएं सुनिश्चित करने के उद्धेश्य से आईसीएमआर नई दिल्ली के द्वारा सुनियोजित "संकल्प प्रोजेक्ट" संचालित किया जा रहा है। एनएचएम राजस्थान द्वारा संचालित इस विशेष प्रोजेक्ट में इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च, बिल एंड मेलिंडा गेट फाउंडेशन और विभिन्न डवलपमेंट पार्टनर एजेंसीज के सहयोग से संकल्प प्रोजेक्ट के तहत् डूंगरपुर जिले में शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में रिचर्स आधारित तथ्यों को स्वास्थ्य गतिविधियों को ओर बेहतर सुनियोजित तरीके से संचालित किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित "संकल्प प्रोजेक्ट" की को-डवलपमेंट कार्यशाला में यह बात कही।

उन्होंने बताया कि मिलेनियम डवलपमेंट गोल्स-2030 के अनुसार निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सजग है और प्रदेश में आवश्यक इनफ्रास्ट्रेचर उपलब्ध है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कार्मिकों को व्यापक कार्ययोजना बनाकर स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिये। नीति आयोग के माननीय सदस्य डॉ. वी.के. पाल ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से जुड़कर राजस्थान में संचालित की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की प्रशंषा की एवं "संकल्प प्रोजेक्ट" के प्रभावी संचालन के लिए कार्यशाला में चार-ग्रुप्स द्वारा प्रस्तुत अनुशंषाओं व चुनौतियों पर संवाद कर आवश्यक सुझाव दिये।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान एवं महानिदेशक आईसीएमआर डॉ. राजीव बहल ने बताया कि राजस्थान में "संकल्प प्रोजेक्ट" डूंगरपुर जिले में संचालित किया जा रहा है और विशेषकर नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में एवीडेंस बेस्ड प्रेक्टिसेस के अनुसार मुख्य फोकस में स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ की जायेंगी।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वी.के. आन्रद से प्रेजेन्टेशन के माध्यम डूंगरपुर जिले की वर्तमान हैल्थ पैरामीटर एवं स्वास्थ्य सेवाओं व संसाधनों की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की। निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत सिंह राणावत ने कार्यशाला में पधारे सभी अतिथियों व संभागियों का स्वागत किया और कार्यशाला के दौरान आपसी चिंतन व कार्य अनुभव के आधार पर "संकल्प प्रोजेक्ट" के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने में सहयोग करने का आव्हान किया।

कार्यशाला में मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. भारती दीक्षित, जिला कलेक्टर डूंगरपुर अंकित कुमार सहित संबंधित अधिकारी और डवलपमेंट पार्टनर संस्थानों के प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने "संकल्प प्रोजेक्ट" की को-डवलपमेंट कार्यशाला को संबोधित किया।

■ **आईसीएमआर नई दिल्ली द्वारा सुनियोजित "संकल्प प्रोजेक्ट" संचालित किया जा रहा है**

देश का 8वां नया वेलोड्रोम रूद्रपुर में बनाया गया है। जिसमें आज राष्ट्रीय साइकिलिंग प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है - रेखा आर्या

साइकिलिंग वेलोड्रोम राष्ट्रीय खेलों के आयोजन में अहम स्थान रखता है।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अभिषेक शर्मा

अभिषेक शर्मा की रिकॉर्ड 135 रन की पारी से भारत ने पांचवें टी-20 में इंग्लैंड को 150 रन से हरा दिया। 248 रन का पीछा कर रही इंग्लैंड टीम भारतीय बॉलर्स के सामने टिक नहीं सकी और 10.3 ओवर में 97 रन पर ऑलआउट हो गई। रविवार को रिकॉर्ड्स का दिन अभिषेक शर्मा के नाम रहा। अभिषेक भारत के लिए टी-20 इनिंग में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले प्लेयर बन गए। वे एक पारी में भारत के हाईएस्ट इंडिविजुअल स्कोर बनाने वाले प्लेयर भी बने। अभिषेक भारत के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक और शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

क्या आप जानते हैं ?... वनडे इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक (16 गेंदों में) एबी डिविलियर्स ने बनाया है, उन्होंने 2014-15 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

सतीश जांगिड को राष्ट्रीय खेलों में फुटबाल मैचों के प्रबंधन की जिम्मेदारी मिली

जयपुर। उत्तराखंड में चल रहे हैं 38वें नेशनल गेम में देशभर के खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। राष्ट्रीय खेलों में कुल 35 खेलों से जुड़ी 45 स्पर्धाओं का आयोजन किया जा रहा है। खेल स्पर्धाओं में 9720 खिलाड़ी दांव पर लगे 3674 पदकों के लिए आपस में जोर आजमाइश करेंगे। इसी क्रम में राष्ट्रीय खेलों में निर्णायकों का भी अहम भूमिका होती है। सतीश जांगिड राजस्थान के पहले मैच कमिश्नर है जिनको राष्ट्रीय खेलों में फुटबाल मैचों के प्रबंधन की जिम्मेदारी मिली है ओर उसे बखूबी निभाई भी जा रही है। सतीश जांगिड जी राजस्थान फुटबाल संघ के टेक्निकल डायरेक्टर के तौर पर राजस्थान फुटबाल को भी अपनी सेवाओं में सहयोग करते रहते है। इसके साथ साथ वह एशियन फुटबाल परिसंघ के भी लाईसेंस फुटबाल कोच भी है। राजस्थान सीनियर संतोष ट्राफी फुटबाल टीम के कोच के पद पर भी रहे है। राजस्थान फुटबाल संघ के अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह जसोल, सचिव दिलीप सिंह शेखावत व महिला विंग की चेयरपर्सन रोशनी टॉक ने सतीश जांगिड को बधाई दी।

अलीजा ने 7 से 9 वर्ष आयु वर्ग में कांस्य पदक जीता

जयपुर। राजस्थान स्केटिंग क्लब ने 2 फरवरी 2025 को वर्धमान इंटरनेशनल स्कूल, मानसरोवर, जयपुर में रैंकिंग रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया। स्केटिंग प्रतियोगिता में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। अलीजा ने 7 से 9 वर्ष आयु वर्ग में कांस्य पदक जीता।

चंबल स्पोर्ट्स की जीत में रोहन राजभर का शतक व आदित्य चौधरी का शतक

जयपुर। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 4 नन्हें खा मेमोरियल सीनियर क्रिकेट लीग में आज संस्कार ठाउंड पर खेले गए मैच में चंबल स्पोर्ट्स ने भदौरिया एकेडमी को 52 रनों से हराया । टॉस जीतकर चंबल स्पोर्ट्स की ओर से युवा सलामी बल्लेबाज रोहन राजभर ने शानदार पारी खेलते हुए 153 रन बनाकर शतक पूरा किया। धर्मेश 51, मिहित अठावाल 40, ध्रुव 33 रनों के सहयोग से 45 ओवर में 9 विकेट पर 363 रन बनाए। भदौरिया एकेडमी की ओर से मिहित 4 , आयुष गुर्जर , हिमांशु जांगिड 2-2 विकेट, आदित्य चौधरी ने 1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भदौरिया एकेडमी ने आदित्य चौधरी ने 101 रन शतक बनाया, भवित् 30, जयेश पंडित 35 , सचिन ककोडिया 28, रक्षित लूणावत 26 रनों की सहयोग से 45 ओवर में 8 विकेट पर 311 रन नहीं बना सकी। चंबल स्पोर्ट्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए मिहित अग्रवाल 3, कारण मीणा, ध्रुव, धर्मेश, राहुल खंडेलवाल ने 1-1 विकेट लिए। मैच के मैन ऑफ़ द मैच रोहन राजभर रहे।

बुमराह स्कैन के लिए बेंगलुरु पहुंचे, मेडिकल टीम की निगरानी में रहेंगे

बेंगलुरु। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बैक इंजरी की जांच के लिए सोमवार को बेंगलुरु पहुंच गए हैं। वे आने वाले 2-3 दिन की सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मेडिकल टीम की निगरानी में रहेंगे। जांच पूरी होने के बाद सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के स्पेशलिस्ट अपनी रिपोर्ट अजित अगरकर की लीडरशिप वाली सिलेक्शन कमेटी को भेजेंगे। भारत की सिलेक्शन कमेटी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम का ऐलान कर चुकी है, लेकिन बुमराह की चोट चिंता का विषय है। टीम का ऐलान करते हुए अजित अगरकर ने कहा था- बुमराह को 5 सप्ताह का आराम दिया गया है। वो इंग्लैंड के खिलाफ पहले 2 वनडे मैचों में नहीं खेलेंगे। बुमराह की फिटनेस पर फैसला फरवरी महीने की शुरुआत में किया जाएगा। सारी मेडिकल जांच रिपोर्ट्स को परखने के बाद ही कोई फैसला किया जाएगा। बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे टीम में भी रखा गया है, लेकिन वे शुरुआती 2 मुकाबले नहीं खेलेंगे। हालांकि, तीसरे वनडे और चैंपियंस ट्रॉफी में उनका खेलना या न खेलना फिटनेस रिपोर्ट पर निर्भर करेगा। 16 दिन पहले हुआ था भारतीय टीम का ऐलान भारत की सिलेक्शन कमेटी ने 16 दिन पहले 18 जनवरी को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया था।

सिप्त कौर सामरा व जोनाथन एंथनी ने शूटिंग में जीता गोल्ड

देहरादून। उत्तराखंड के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज त्रिशूल हॉल में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल में सोमवार को पंजाब की सिप्त कौर सामरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 50 मीटर 3 पोजीशन इवेंट में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पंजाब की ही अंजुम मौदगिल ने रजत पदक जीता जबकि तेलंगाना की सुरभि भारद्वाज रपोले ने कांस्य पदक हासिल किया। इस कड़े मुकाबले में भारत की शीर्ष निशानेबाजों ने भाग लिया। केरल की विदर्शा विनोद ने नील पोजीशन के बाद बढ़त बना ली थी।

बुमराह चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं

टूर्नामेंट तक पीठ की चोट से रिकवरी मुश्किल, हर्षित रिप्लेस कर सकते हैं

मुंबई। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 19 फरवरी से शुरू हो रही चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिरी टेस्ट में उनकी पीठ में खिंचाव आया था। वे दर्द से परेशान हो गए थे।

के सूत्र ने दैनिक भास्कर को बताया कि बुमराह का चैंपियंस ट्रॉफी तक पीठ की चोट से रिकवर होना मुश्किल दिख रहा है। वे इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का एक भी मैच नहीं खेल पाएंगे।

अगर वे फिट नहीं हो पाए तो उनकी जगह हर्षित राणा को स्क्वॉड में शामिल किया जा सकता है।

दरअसल, बुमराह को इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे मैच के लिए टीम में रखा गया था। यह मुकाबला 12 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

इधर, बुमराह सोमवार को बैक इंजरी की जांच कराने के लिए बेंगलुरु पहुंच चुके हैं। वे 2-3 दिन तक के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मेडिकल टीम की निगरानी में रहेंगे। बुमराह की फिटनेस पर काम चल रहा है, यदि वे समय पर फिट हो जाते हैं, तो टीम में बने रहेंगे।

ने स्क्वॉड में बदलाव के लिए 11 फरवरी तक की डेटलाइन तय की है। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का पहला मैच बांग्लादेश से 20 फरवरी को खेला जाएगा।

चैंपियंस ट्रॉफी टीम में शामिल हैं बुमराह भारत की सिलेक्शन कमेटी ने 18 जनवरी को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया था। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल हुए जसप्रीत बुमराह को भी टीम में शामिल किया गया था। सिलेक्शन कमेटी ने बुमराह के बैकअप के लिए अर्शदीप सिंह को रखा था।बुमराह

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे बुमराह ने 2023 एशिया कप में चोट से वापसी की थी। वे 2023 में वनडे वर्ल्ड कप और 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। उन्होंने टी-20 वर्ल्डकप में टूर्नामेंट के 8 मैचों में कुल 15 विकेट हासिल किए थे। फाइनल में भी उन्होंने रीजा हेंड्रिक्स और मार्कं यानसन के अहम विकेट लिए थे। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी मिला था।

अभिषेक के टी-20 इनिंग में रिकॉर्ड 13 छक्के

मुंबई । अभिषेक शर्मा की रिकॉर्ड 135 रन की पारी से भारत ने पांचवें टी-20 में इंग्लैंड को 150 रन से हरा दिया। 248 रन का पीछा कर रही इंग्लैंड टीम भारतीय बॉलर्स के सामने टिक नहीं सकी और 10.3 ओवर में 97 रन पर ऑलआउट हो गई। रविवार को रिकॉर्ड्स का दिन अभिषेक शर्मा के नाम रहा। अभिषेक भारत के लिए टी-20 इनिंग में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले प्लेयर बन गए। वे एक पारी में भारत के हाईएस्ट इंडिविजुअल स्कोर बनाने वाले प्लेयर भी बने। अभिषेक भारत के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक और शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। 150 रन की हार इंग्लैंड की टी-20 में सबसे बड़ी हार है।

इंग्लैंड की टी-20 में सबसे बड़ी हार इंग्लैंड को रनों के हिसाब से उनकी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। भारत ने इंग्लैंड को 150 रन से हराया। यह भारत की टी-20 में दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले टीम ने न्यूजीलैंड को 168 रन से 2023 में अहमदाबाद के मैदान पर हराया था। संजू मैच की पहली बॉल पर सिक्स लगाने वाले तीसरे भारतीय ओपनर बल्लेबाज संजू सैमसन टी-20 की पहली बॉल पर सिक्स लगाने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। उन्होंने आज जोफ्रा आर्चर की पहली बॉल पर सिक्स लगाया। उनसे पहले यशस्वी जायसवाल ने जिम्बाब्वे के सिंकदर रजा और रोहित शर्मा ने श्रीलंका के आदिल रशीद की पहली बॉल पर सिक्स लगाया है। अभिषेक ने भारत के लिए टी-20 में दूसरी सबसे तेज फिफ्टी लगाई ओपनर अभिषेक शर्मा ने 17 बॉल पर अर्धशतक लगाया। इसी के साथ वे भारत के लिए टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए।

राजस्थान-रेलवे अंडर 23 ट्रॉफी (राजस्थान को पहली पारी में बढ़त)

राजस्थान के युवराज सिंह , मुकुल चौधरी के अर्धशतक

जयपुर। जयपुर में के एल सैनी स्टेडियम पर राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 23 ट्रॉफी के खेले जा रहे राजस्थान - रेलवे मैच के तीसरे दिन राजस्थान के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रेलवे की पहली पारी को 301 रनो पर समेटते हुए मैच में राजस्थान को पहली पारी में विशाल बढ़त दिलाई। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने युवराज सिंह व मुकुल चौधरी के अर्धशतकों की सहायता से 4 विकेट के नुकसान पर 263 रन बनाते हुए मैच में राजस्थान की पकड़ को मजबूत किया। टीम के लिए चेतन शर्मा 86, मोहित चांगरा 70, मुकुल चौधरी 54, आयुष अमेरिया 42, सचिन यादव 37, सुमित गोदारा 33, अशोक शर्मा 19, करण लाम्बा 13 रनो का योगदान दिया। रेलवे के गेंदबाज एस के बाशा 95/5 विकेट प्राप्त किये।

तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी दूसरी पारी में युवराज सिंह व मुकुल चौधरी की नाबाद अर्धशतकीय पारियों की सहायता से 4 विकेट के नुकसान पर 263 रन बना लिए थे। टीम के लिए युवराज सिंह नाबाद 86, मुकुल चौधरी नाबाद 77, सुमित गोदारा 43, सचिन यादव 20, गाजी खान 15 व करण लाम्बा 13 रनो का योगदान देते हुए राजस्थान को दूसरी पारी में विशाल बढ़त दिलाई।

वेटलिफ्टिंग में अंतिम दिन टूटे रिकॉर्ड, मेहक शर्मा का शानदार प्रदर्शन

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल के वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता के अंतिम दिन सोमवार को कई रिकॉर्ड टूटे और पंजाब की मेहक शर्मा ने महिला श्रेणी में तीन नए रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। महिला 87 किलोठाम श्रेणी में प्रतियोगिता में भाग लेते हुए, मेहक ने अपने अंतिम क्लीन एंड जर्क प्रयास में 141 किलोठाम वजन उठाया, जो उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ 140 किलोठाम से भी अधिक था। इसके अलावा, उन्होंने स्नैच में भी नया रिकॉर्ड बनाते हुए 106 किलोठाम वजन उठाया, जो उनके पहले के रिकॉर्ड 105 किलोठाम से बेहतर था। कुल मिलाकर, मेहक ने 247 किलोठाम वजन उठाया, जो उनके पिछले रिकॉर्ड 244 किलोठाम से 3 किलोठाम अधिक था। अब मेहक शर्मा अपने श्रेणी में स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल वजन उठाने के सभी रिकॉर्डों की मालिक हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद मेहक शर्मा ने कहा,मैं बहुत खुश हूं। मैं अपने कोच और परिवार के सदस्यों का आभार व्यक्त करती हूं। इस खेल में कुछ भी हासिल करना कोचों की मदद के बिना संभव नहीं है। मुझे आत्मविश्वास था क्योंकि मैंने अच्छी तरह से अभ्यास किया था, लेकिन मुझे कभी नहीं लगा था कि मैं तीनों रिकॉर्ड तोड़ दूंगी। अब जब मैंने यह किया है, तो मैं संतुष्ट हूं। महिला श्रेणी में रजत पदक उत्तर प्रदेश की पूनम पांडे ने 216 किलोग्राम वजन उठाकर प्राप्त किया, जबकि कांस्य पदक कर्नाटका की सत्य ज्योति ने 201 किलोग्राम वजन उठाकर हासिल किया।

ट्रैविस हेड को एलन बॉर्डर मेडल

एनाबेल सदरलैंड को बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड; कोंस्टास बेस्ट यंग प्लेयर

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने साल 2025 के एनुअल अवॉर्ड्स का ऐलान कर दिया है। यहां मेलबर्न के क्राउन कैसीनो में सोमवार को ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड ने अपने खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

ओपनर ट्रैविस हेड को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट का सबसे बड़ा अवॉर्ड एलन बॉर्डर मेडल मिला। वहीं ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड मिला। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को शेन वॉर्न मेंस टेस्ट प्लेयर ऑफ ईयर चुना गया। जबकि एडम जम्पा मेंस टी-20 प्लेयर ऑफ ईयर बने।

हेड 208 वोट से जीते ट्रैविस हेड ने 208 वोट्स जीतकर एलन बॉर्डर मेडल अपने नाम किया। उन्होंने जोश हेजलवुड (158 वोट) और कप्तान पैट कमिंस (147 वोट) को हराया। हेड ने अवॉर्ड जीतने पर कहा, यह यकीन करना मुश्किल है। बीता हुआ साल मेरे लिए शानदार रहा। मैं अपने आपको लकी मानता हूं कि मुझे तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया को रिप्रेजेंट करने का मौका मिलता है।

एलन बॉर्डर मेडल और बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सबसे बड़े अवॉर्ड हैं, जो अंपायर्स, खिलाड़ियों और मीडिया की वोटिंग के आधार पर दिए जाते हैं। इसे साल के बेस्ट क्रिकेटर को दिया जाता है। बेस्ट वनडे प्लेयर भी हेड बने ऑस्ट्रलियाई ओपनर ट्रैविस हेड को बेस्ट मेंस वनडे प्लेयर का अवॉर्ड भी मिला है। उन्होंने 14 वोट्स लेकर विकेटकीपर एलेक्स कैरी को हराया। हेड ने 2024 के 5 वनडे मुकाबलों में 63 की औसत से 252 रन बनाए हैं।सदरलैंड को बेलिंडा क्लार्क ने मेडल पहनाया ऑस्ट्रेलियन ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ने पहली बार बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने पिछली बार की विजेता एश्ले गार्डनर को 25 वोट से हराया। एनाबेल सदरलैंड को 168 और एशले गार्डनर को 143 वोट्स मिले। सदरलैंड ने 2024 में पर्थ के मैदान पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में 210 रन की शानदार पारी खेली थी।टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जोश हेजलवुड को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शेन वॉर्न मेंस टेस्ट क्रिकेटर ईयर का अवॉर्ड जोश हेजलवुड को दिया। उन्होंने 20 वोट्स से ट्रैविस हेड को हराया। हेजलवुड ने वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ हुई सीरीज में 13.16 की बॉलिंग औसत से 30 विकेट लिए।

एडम जम्पा मेंस टी-20 प्लेयर ऑफ द ईयर बने ऑस्ट्रेलियन लेग स्पिनर जम्पा इंटरनेशनल टी-20 लीग खेलने के चलते अवॉर्ड समारोह में नहीं पहुंच पाए। जम्पा ने ट्रैविस हेड को 3 वोट के मार्जिन से हरकर मेंस टी-20 प्लेयर का खिताब अपने नाम किया। जम्पा ने पिछले साल हुए टी-20 वर्ल्ड कप में शानदार परफॉर्म किया था। उन्होंने 2024 के 21 टी-20 में कुल 35 विकेट अपने नाम किए।

पुरुष स्क्वैश में सेंथिल व महिलाओं में सालुंखे ने जीता स्वर्ण

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों में स्क्वैश प्रतियोगिता में तमिलनाडु के वेलावन सेंथिल कुमार और गोवा की आकांक्षा सालुंखे ने क्रमश: पुरुष और महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में चैंपियन बनकर उभरे हैं। दोनों ने स्वर्ण पदक जीतकर चैंपियनशिप हासिल की।

सोमवार को स्क्वैश प्रतियोगिता रोमांचक मैचों और उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ सम्पन्न हुई क्योंकि तमिलनाडु, महाराष्ट्र तथा गोवा ने पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया। महिलाओं के फाइनल में आकांक्षा सालुंखे (गोवा) ने अंजलि सेमवाल (महाराष्ट्र) को सीधे सेटों 11-6, 11-9, 11-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। अंजलि ने रजत हासिल किया, जबकि तमिलनाडु की पूजा आरती आर और रथिका सीलन ने सेमीफाइनल में अपने प्रदर्शन के बाद कांस्य साझा किया।

जबकि, पुरुषों के फाइनल में तमिलनाडु के वेलावन सेंथिल कुमार ने महाराष्ट्र के राहुल बैठा पर 11-6, 11-9, 11-7 की शानदार जीत के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। राहुल ने रजत के लिए समझौता किया।

आरना साहनी ने रचा इतिहास

जयपुर। इंदौर में आयोजित यूटीटी 86वीं जूनियर और कैडेट नेशनल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में राजस्थान की प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी आरना साहनी ने इतिहास रच दिया। उन्होंने अंडर-11 गर्ल्स कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाली राजस्थान की पहली खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया। टूर्नामेंट में आरना का शानदार प्रदर्शन: प्री-क्वार्टर फाइनल: अवायना फलस्वाल (इंडिया रैंक 4, हरियाणा) को 3-2 से हराया। क्वार्टर फाइनल: ख्याति पांडे (इंडिया रैंक 7, उत्तराखंड) को 3-0 से हराया। सेमी-फाइनल: दिविजा पॉल (इंडिया रैंक 1, असम) को 3-0 से हराया। फाइनल: केशिका पुरकर (महाराष्ट्र) से 3-1 से हार गईं। आरना की 2023-24 की प्रमुख उपलब्धियां: नेशनल चैम्पियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट (अंडर-11), जिला चैम्पियन (अंडर-11), चैम्पियन (अंडर-14), राजस्थान स्टेट चैम्पियन (अंडर-11), गेम्स चैम्पियन (अंडर-11,13,15) नेशनल चैम्पियन (अंडर-14)। राजस्थान स्टेट रैंकिंग टूर्नामेंट में अंडर-11 गर्ल्स कैटेगरी की सभी प्रतियोगिताओं में विजेता एसएफए गेम्स में गोल्डन गर्ल का खिताब हासिल किया।

विजेता वुशू खिलाड़ियों को पुरुस्कार राशि देने की हीरानंद कटारिया ने की घोषणा

जयपुर। देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित हुए 27 जनवरी से 02 फ़रवरी 2025 तक 38वे राष्ट्रीय खेलो में राजस्थान वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए, 4 स्वर्ण, 1 रजत व 6 कांस्य पदक कुल 11 पदक जीत कर इतिहास रचा। हीरानन्द कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने राष्ट्रीय खेलो के स्वर्ण पदक विजेता शुभम गोरा, नितिका बंसल, महक शर्मा, नीलम चौधरी को 21 हजार रूपये, रजत पदक विजेता मेघा जोशी को 15 हजार रूपये तथा कांस्य पदक विजेता देवराज सिंह, विकास यादव, आनंद सैनी, भानु प्रताप पारीक, ईशा गुर्जर, मंजू चौधरी को 11 हजार रूपये तथा प्रत्येक टीम ऑफिसियल को 5 हजार रूपये पुरुस्कार राशी प्रदान करने की देने की घोषणा की। पदक विजेता खिलाडीयो व अधिकारीयों को गोपाल सैनी, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, विनोद सिंह शेखावत, संरक्षक, राजकुमार शर्मा संरक्षक, भगवान सहाय जाटवा संरक्षक, के. सी. घुमरिया, चेयरमैन, ममता वर्मा महासचिव राजेश कुमार टेलर वुशू कोच व सभी पदाधिकारियों ने बधाई प्रदान की।

आर्य ने साइकिलिंग वेलोड्रोम को बताया ऐतिहासिक कदम

रूद्रपुर/नैनीताल। 38वें राष्ट्रीय खेलों के अन्तर्गत सोमवार को मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम के शिवालिक साइकिलिंग वेलोड्रम में ट्रेक साइकिलिंग प्रतियोगिता के प्रथम दिन पुरूष एवं महिला साइकिलिस्टों की एकल स्प्रिंट स्पर्धा व स्क्रैच रेस स्पर्धा संपन्न हुई। खेल मंत्री रेखा आर्या ने स्टेडियम पहुंचकर विजेताओं को पदक प्रदान किये। उन्होंने कहा कि देश का 8वां नया वेलोड्रोम रूद्रपुर में बनाया गया है। जिसमें आज राष्ट्रीय साइकिलिंग प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है, यह हमारे लिए गर्व की बात है। खेल मंत्री ने फाइनल मुकाबले में खिलाड़ियों के कौशल को देखा और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग वेलोड्रोम राष्ट्रीय खेलों के आयोजन में अहम स्थान रखता है। इसके बिना उत्तराखंड में साइकिलिंग प्रतियोगिता करा पाना चुनौतीपूर्ण था। राष्ट्रीय खेलों के इतिहास में पहली बार मेजबान राज्य के भीतर सभी स्पर्धाओं को कराना इसी वेलोड्रोम के कारण संभव हो पाया है। खेल मंत्री ने विजेताओं को पदक भी प्रदान किए।

यूपी की कप्तान एलिसा हीली चोटिल

मुंबई। विमेंस प्रीमियर लीग से पहले यूपी वॉरियर्स की कप्तान एलिसा हीली चोटिल हो गई हैं। इधर, की सोफी डिवाइन ने नाम वापस ले लिया है। केट क्रॉस भी बैक इंजरी के कारण इस सीजन का हिस्सा नहीं हैं।

आयोजन समिति ने सोमवार को चोटिल खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट के नाम जारी कर दिए। यूपी वॉरियर्स ने ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली की जगह वेस्टइंडीज की चिनेले हेनरी को अपने साथ जोड़ा है। वहीं, ने सोफी डिवाइन और केट क्रॉस की जगह हीथर ठाहम और किम गार्थ को अपनी टीम में लिया है। दोनों फ्रेंचाइजी ने नई खिलाड़ियों को 30-30 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा है। ऑस्ट्रेलियन कैप्टन हीली के पैर में चोट लगी है, जबकि डिवाइन और क्रॉस ने व्यक्तिगत कारणों से इस साल भारतीय लीग से हटने का फैसला किया है। डिवाइन ने क्रिकेट से ब्रेक लिया है। इंग्लैंड की ऑलराउंडर क्रॉस पीठ की चोट से उबर रही हैं। हेनरी के पास 62 टी-20 इंटरनेशनल का अनुभव, गार्थ ने 59 मैच खेले यूपी के साथ जुड़ी चिनेले हेनरी ने वेस्टइंडीज की ओर से 62 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। उन्होंने 473 रन बनाने के अलावा 22 विकेट भी लिए हैं। वहीं, में शामिल हुई ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ठाहम ने 5 टी20 मैचों में आठ विकेट लिए हैं। साथ ही गार्थ ने 56 वनडे और 4 टेस्ट के अलावा 59 टी20 में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है। वे इस लीग में गुजरात जॉइंट्स से खेल चुकी हैं। गुजरात-बेंगलुरु के बीच 14 फरवरी को पहला मैच विमेंस प्रीमियर लीग के तीसरे सीजन का पहला मुकाबला गुजरात जायंट्स और डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच 14 फरवरी को वडोदरा में खेला जाएगा। ने 18 दिन पहले 16 जनवरी को शेड्यूल जारी किया था।

जयपुर जिले की अंडर 20 बॉयज फुटबॉल टीम के चयन हेतु ट्रायल संपन्न

जयपुर। राज्य स्तरीय अंडर 20 बॉयज फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने वाली जयपुर जिले की टीम के चयन हेतु ट्रायल 1 और 2 फरवरी को चौगान स्टेडियम, जयपुर में आयोजित की गई। जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति संयोजक डॉक्टर दिलीप सिंह चुंडावत के अनुसार दो दिवसीय ट्रायल के लिए जयपुर जिले के 122 खिलाड़ियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया और 98 खिलाड़ियों ने ट्रायल में भाग लिया।

ट्रायल में जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य अब्दुल जब्बार, मनोज शर्मा, डॉक्टर दिलीप सिंह

चुंडावत और पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी और वर्तमान में चौगान स्टेडियम के फुटबॉल कोच हितेश शर्मा ने पहले चरण में 40 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया।

अब्दुल जब्बार ने बताया कि राज्य स्तरीय फुटबॉल चैंपियनशिप की तारीखों की घोषणा के अनुसार इन संभावित 40 खिलाड़ियों का 10 दिवसीय कैंप लगाया जाएगा जिसमें से अंतिम 18 सदस्य टीम का चयन किया जाएगा। कैंप की सूचना सभी संभावित खिलाड़ियों को फोन द्वारा कर दी जाएगी। मनोज शर्मा ने बताया कि पिछले 4 साल से चौगान स्टेडियम स्मार्ट सिटी के तहत नए स्वरूप में बनाने के कारण बंद था लेकिन अब इसमें फिर से खेल गतिविधियां धीरे-धीरे शुरू हो गई है और इसलिए जयपुर जिला फुटबॉल संचालन समिति कोशिश कर रही है कि आगामी राज्य स्तरीय अंडर 20 बॉयज फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 जयपुर में आयोजित की जाए और उसके कुछ मैच चौगान स्टेडियम में भी खेले जाए जिससे इस स्टेडियम की पुन: फुटबॉल खेल के प्रमुख आयोजन स्थल के तौर पर पहचान स्थापित हो सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भगवान देवनारायण जी की 1113वीं जयंती के उपलक्ष में आयोजित समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़ म, सांसद मदन राठौड़, देवनारायण बोर्ड चेयरमैन ओमप्रकाश भड़ाना, राजस्थान अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग अध्यक्ष राजेन्द्र नायक, विधायक हंसराज मीणा, राजस्थान गुर्जर महासभा के प्रदेशाध्यक्ष कालूलाल गुर्जर सहित, कई जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

'गुर्जर समाज ने देश की सामाजिक संस्कृति को संजोये रखा है'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भगवान देवनारायण की 1113वीं जयन्ती पर गुर्जरों के गौरवशाली इतिहास की सराहना की

- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने गुर्जर समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व कौशल के उचित अवसर उपलब्ध कराने के लिये कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये।
- उन्होंने कहा कि कुचामन सिटी- डीडवाना, बाली, कोटपूतली व नगर में देवनारायण आवासीय विद्यालय के लिये भूमि आवंटित की गई। नसीराबाद और तिजारा में देवनारायण बालिका छात्रावास के लिये भूमि आवंटन किया।

जयपुर, 3 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अति पिछड़ा वर्ग के कल्याण एवं उत्थान के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। गुर्जर समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं कौशल के उचित अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। साथ ही, समाज की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए अहम कदम उठाए गए हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा सोमवार को बिड़ला सभागार में देवनारायण जी की 1113वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुर्जर समाज समर्पण से कार्य कर देश की अर्थव्यवस्था और प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। इस समाज ने न केवल युद्ध में अपना कौशल दिखाया, अपितु देश की सामाजिक संस्कृति को संजोए रखने का भी कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अति पिछड़ा वर्ग के युवाओं को शिक्षा के उचित अवसर उपलब्ध कराने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कुचामन सिटी-डीडवाना, बाली (पाली), कोटपूतली, पसोपा (नगर) में देवनारायण आवासीय विद्यालय खोलने हेतु स्वीकृति जारी कर भूमि आवंटित कर दी गई है। नसीराबाद में देवनारायण बालिका छात्रावास के निर्माण हेतु कार्यादेश जारी कर भूमि आवंटित कर दी गई है। तिजारा में देवनारायण बालिका छात्रावास के लिए भूमि आवंटित कर भवन निर्माण के लिए स्वीकृति जारी कर दी गई है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप, हमारी सरकार विकास कार्यों के साथ-साथ विरासत संरक्षण का कार्य कर रही है। खाटूश्याम मंदिर में कॉरिडोर निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

इस दौरान, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, सांसद मदन राठौड़, देवनारायण बोर्ड चेयरमैन ओमप्रकाश भड़ाना, राजस्थान अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग अध्यक्ष राजेन्द्र नायक, विधायक हंसराज मीणा, उदयलाल भड़ाना, दर्शन सिंह गुर्जर, धर्मपाल गुर्जर, जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, जाट महासभा के प्रदेशाध्यक्ष राजाराम मील, राजस्थान गुर्जर महासभा के प्रदेशाध्यक्ष कालूलाल गुर्जर सहित, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

महाराष्ट्र के सभी कार्यालयों में मराठी बोलना अनिवार्य किया

मुंबई, 3 फरवरी। महाराष्ट्र में मराठी भाषा को बढ़ावा देने के लिए देवेन्द्र फड़नवीस की सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। महाराष्ट्र में अब सभी सरकारी, अर्धसरकारी और नगर निगम कार्यालयों में मराठी बोलना अनिवार्य कर दिया गया है। मराठी भाषा में बोलने के लिए दफ़्तर में साइन बोर्ड लगाने होंगे। वहीं, जानकारी के मुताबिक, सरकारी कार्यालयों में कंप्यूटर की-बोर्ड भी मराठी भाषा में

- फड़णवीस सरकार का मराठी भाषा को बढ़ावा देने के लिए बड़ा फैसला।

होंगे। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, सरकारी कार्यालयों में मराठी भाषा का इस्तेमाल न करने वालों के खिलाफ एक्शन की भी तैयारी है। जानकारी के मुताबिक, मराठी भाषा का इस्तेमाल करने से मना करने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। इससे पहले, बीते शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस नेपुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में तीसरे विश्व मराठी सम्मेलन को संबोधित किया था।

भाजपा ने सोनिया गांधी व पप्पू यादव के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया

बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति के संबोधन पर सोनिया गांधी और पप्पू यादव ने कमेंट किया था

- भाजपा ने नोटिस में लिखा, सोनिया गांधी-पप्पू यादव ने सर्वोच्च पद की गरिमा को कम करने के इरादे से राष्ट्रपति के खिलाफ निंदनीय शब्दों का उपयोग किया था।

नई दिल्ला, 3 फरवरी। भाजपा सांसदों ने सोमवार को कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी और लोकसभा के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया। बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति मुर्मू पर किए सोनिया और पप्पू यादव की टिप्पणियों पर नोटिस दिया गया है।

भाजपा के नोटिस में लिखा है कि, सोनिया गांधी-पप्पू यादव ने सर्वोच्च पद की गरिमा को कम करने के इरादे से भारत के राष्ट्रपति के खिलाफ अपमानजनक और निंदनीय शब्दों का उपयोग किया है। इसलिए संसदीय विशेषाधिकार, नैतिकता और मर्यादा के उल्लंघन का नोटिस पेश किया गया है।

दरअसल, हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बजट सत्र के पहले दिन लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित किया था। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सांसद पप्पू यादव ने विवादित बयान दिया था। पप्पू यादव ने कहा था- "वह तो स्टाम्प हैं किसी का लव लेटर पढ़ ना है उनको।" वहीं, राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने कहा था, राष्ट्रपति अंत तक बहुत थक गई थीं। वह मुश्किल से बोल पा रही थीं। इस मामले में पप्पू यादव के खिलाफ संसदीय विशेषाधिकार, नैतिकता और औचित्य के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किया गया है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर टिप्पणी के लिए सोनिया गांधी और पप्पू यादव के खिलाफ संसदीय विशेषाधिकार हनन का नोटिस लाने वाले भाजपा सांसदों पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, इस देश के आदिवासी सांसदों ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति को ज्ञापन दिया है।

बसंत पंचमी पर ढाई करोड़ श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में अमृत स्नान किया

- कड़ी सुरक्षा के बीच 13 अखाड़ों तथा करोड़ों लोगों का स्नान शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ
- तीन से अधिक देशों के लोग अमृत स्नान देखने संगम पहुंचे। हैलिकॉप्टर से संगम पर 20 क्विंटल फूल बरसाये गये।
- भीड़ को देखते हुए लेटे हनुमान मंदिर को बंद कर दिया गया। मेला क्षेत्र में सभी रास्ते वन-वे थे।

महाकुम्भ नगर, 3 फरवरी। महाकुम्भ प्रयाग की पावन भूमि पर ज्ञान की देवी मां सरस्वती के प्राकट्य उत्सव, बसंत पंचमी पर सोमवार को गंगा, यमुना व अदृश्य सरस्वती के पवित्र पावन संगम में सुनहरे मौसम के बीच ढ ाई करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया।

सबसे पहले पंचायती निरंजनी अखाड़े के संतों ने संगम में अमृत स्नान किया। फिर सबसे बड़े जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़े ने डुबकी लगाई। शाम 5 बजे तक सभी 13 अखाड़ों ने स्नान कर लिया।

संतों का आशीर्वाद लेने के लिए लाखों श्रद्धालु संगम पर थे। लोग नागा साधुओं की चरण रज माथे पर लगाते नजर आए। 30 से ज्यादा देशों के लोग भी अमृत स्नान देखने के लिए संगम पहुंचे। हेलिकॉप्टर से संगम पर 20 क्विंटल फूल बरसाए गए।

संगम जाने वाले सभी रास्तों पर 10 किमी तक श्रद्धालुओं का रेला लगा हुआ है। प्रयागराज जंक्शन से 8 से 10 किमी पैदल चलकर लोग संगम पहुंच रहे हैं। भीड़ को देखते हुए लेटे हनुमान मंदिर को बंद कर दिया गया है। मेला क्षेत्र के सभी रास्ते वन-वे हैं।

महाकुंभ मेला में अखाड़ों के अमृत स्नान का क्रम सुबह पांच बजे से शुरू हुआ था, जो शाम तीन बजकर पांच मिनट तक चला। इस बीच अखाड़ों के साधु- संत अपने लकझक रथों पर आरूढ़ होकर अपने शिविर से निकल कर संगम क्षेत्र में पहुंचे और वहीं से कुछ दूरी पर पैदल चलकर संगम में अमृत स्नान करते रहे। इंटीग्रेटेड कमाण्ड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से सम्पूर्ण महाकुम्भ मेला क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे व ड्रोन से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी गयी। 'पब्लिक एड्रेस सिस्टम' के माध्यम से सभी श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों से लगातार अनुरोध किया गया कि सावधानी पूर्वक स्नान करके सकुशल अपने गंतव्य को वापस जाए।

स्नान में उमड़ी भीड़ और व्यवस्था पर सीएम योगी आदित्यनाथ की पैनी नजर थी। सुबह से ही योगी आदित्यनाथ कुंभ स्नान का गहन निरीक्षण कर रहे थे। इसके लिए प्रातः साढ़े तीन बजे अपने सरकारी आवास स्थित वॉर रूम में बैठक ली और डीजीपी, प्रमुख सचिव गृह और मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के साथ लगातार अपडेट प्राप्त किए और आवश्यक निर्देश दिए।

सैंकड़ों अवैध बंग्लादेशियों को वापस क्यों नहीं भेजा

नई दिल्ली, 3 फरवरी। अवैध बांग्लादेशियों से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र से सवाल किया कि सैकड़ों अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को उनके मूल देश वापस भेजने के बजाय उन्हें अनिश्चित काल के लिए भारत के हिरासत केन्द्रों में रखने के पीछे मकसद क्या है? सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए 6 फरवरी तक केन्द्र सरकार से जवाब

- सुप्रीम कोर्ट ने बंगलादेशियों को हिरासत केन्द्रों में रखने का मकसद बताने के लिये केन्द्र सरकार प.बंगाल सरकार को अंतिम अवसर दिया।

मांगा है। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल और केन्द्रसरकार को सैकड़ों अवैध बांग्लादेशियों को हिरासत केंद्रों में रखने के मकसद को स्पष्ट करने का आखिरी मौका दिया है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने हाल ही में दिए गए आदेश में कहा कि यदि बांग्लादेश से आए किसी अवैध प्रवासी को विदेशी अधिनियम, 1946 के तहत पकड़ा गया है और दोषी ठहराया गया है, तो सजा की अवधि समाप्त होने के तुरंत बाद उसके मूल देश वापस भेज दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि कानून को पढ़ ने से पता चलता है कि पूरी प्रक्रिया यानी निर्वासन, सत्यापन आदि की प्रक्रिया 30 दिनों की अवधि के भीतर पूरी की जानी चाहिए। हम जानना चाहते हैं कि इस कानून का पालन क्यों नहीं किया जा रहा है।

कोर्ट ने कहा कि हम केन्द्र और पश्चिम बंगाल सरकार दोनों को एक आखिरी मौका देते हैं कि वे मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं को स्पष्ट करते हुए एक उचित रिपोर्ट या हलफनामे के माध्यम से अपना रुख रिकॉर्ड पर रखें।

अदालत ने बच्चों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से निकाल दिया। ऐसे में उसे बच्चों की अभिरक्षा दिलाई जाए। अदालती आदेश की पालना में बच्चों को अदालत में पेश किया गया। इस दौरान अदालत की जानकारी में आया कि याचिकाकर्ता की 11 साल की बच्ची का यूट्यूब चैनल है और उसके दादा-दादी उसकी उचित देखरेख नहीं करते। बच्ची अपने पिता के फोन से वीडियो अपलोड करती है और उससे होने वाली आय याचिकाकर्ता की ननद के बेटे के पास जा रही है। इसके अलावा, याचिकाकर्ता के बेटे के हाथों और चेहरे पर सूजन है और उसे लंबे समय से चिकित्सक को नहीं दिखाया गया। दूसरी ओर बच्चों ने कहा कि वह अपनी मां के साथ नहीं रहना चाहते, क्योंकि वह उन्हें मोबाइल का उपयोग करने और जंक फूड के लिए टोकती है। अदालत ने कहा कि मां ही बच्चों की प्राकृतिक संरक्षक होती है। बच्चों के दादा-दादी अनपढ़ हैं। ऐसे में बच्चों के सर्वोत्तम हित को देखते हुए उनकी कस्टडी मां को सौंपी जाती है।

अमेरिका ने कैनडा व मैक्सिको...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकती है। दूसरी तरफ, टैरिफ के कारण कैनडा की कई कंपनियां बंद हो सकती हैं।

दूसरी ओर मैक्सिको पर ट्रंप की टैरिफ के कारण जापानी कार निर्यात प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि जापान की कई कार कंपनियां अमेरिका को निर्यात करने के लिए मैक्सिको में काम करती हैं।

कैनडा के लोगों ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया है कि ट्रंप अपने उत्तरी पड़ोसी के ऊपर चीन से भी अधिक टैरिफ क्यों लगा रहे हैं, जबकि चीन उनका घोषित प्रतिद्वंदी है।

अमेरिकी उम्मीदों को पूरा करने के बजाय, यह कदम अमेरिका के लिए उल्टा पड़ सकता है, क्योंकि कैनडा ने पहले ही अमेरिका से आयात होने वाले सामान पर मिलते-जुलते टैरिफ का ऐलान किया है, साथ ही कुछ कदम अमेरिका को कैनडा से होने वाले निर्यात पर भी उठाए हैं, जो पैट्रोल पंपों से लेकर किराना स्टोर्स तक, अमेरिकियों को प्रभावित करेगा।

चीन के विरुद्ध लड़ाई में मैक्सिको से भी ज्यादा कैनडा अमेरिका का ज्यादा निकट सहयोगी रहा है। अब, कैनडा को अमेरिकी टैरिफ के कारण पैदा हुए आर्थिक संकट का सामना करने के लिए चीन की ओर रुख करना पड़ सकता है। पहले की व्यवस्था के तहत, कैनडा अपने पैट्रोलियम और अन्य संसाधन उत्पाद (जैसे निकल) अमेरिका को बेचता था। अब, कैनडा चीनी बाजारों में बचेने की ओर आकर्षित हो सकता है।

जहाँ कैनडा पहले ही गुस्से में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर चुका है, वहीं चीन ने अपने आक्रोश को दबाकर रखा है। चीन ने प्रतिक्रिया देते हुए यह घोषणा की है कि वह वर्ल्ड ट्रेड ऑगनाइज़ेशन (डब्ल्यु.टी.ओ.) में जाकर शिकायत करेगा। यह एक तरह से शांति के प्रस्ताव के समान है। ट्रंप के व्यवहार को देखते हुए, संभव है कि वो शायद इस इशारे को स्वीकार कर लें और चीन के साथ बातचीत शुरु कर दें।

ट्रंप और अमेरिका की चीन के विरुद्ध एक बड़ी शिकायत यह थी कि चीन फैंटेनल और इसकी बेसिक ड्रग्स की सप्लाई का मुख्य स्रोत है। इस दवा के व्यापक उपयोग ने अमेरिकी समाज में तबाही मचाई है और ड्रग ओवरडोज़ से होने वाली मौतों की संख्या सालाना 100,000 तक पहुँच चुकी है।

तथापि, चीन अपनी मुद्रा का डॉलर के मुकाबले अवमूल्यन कर के आसानी से टैरिफ प्रभाव को खत्म कर सकता है। एक बहुत बड़ी टैरिफ वृद्धि, चीनी निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है, हालांकि इसका असर अमेरिका में भी कीमतों पर पड़ेगा।

कैनडा और मैक्सिको के खिलाफ शिकायत यह है कि वे अवैध अप्रवासियों को अमेरिका में घुसने की अनुमति देते हैं और फैंटेनल की आपूर्ति भी करते हैं। ट्रंप ने एक व्यापक कूटनीतिक शिकायत के आधार पर आर्थिक युद्ध छेड़ा है।

हालांकि, ऐसी शिकायतों के लिए पड़ोसियों के खिलाफ ऐसी आक्रमण कार्यवाही से पीठ में छुरा घोंपने जैसा महसूस हो रहा है। इस विश्वासघात पर कैनडा ने सबसे जल्दी प्रतिक्रिया दी।

चीन ने अमेरिका को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और व्यापारिक क्षेत्रों की ओर से जोरदार विरोध व्यक्त किया। यह चेतावनी दी कि अमेरिकी उपभोक्ता और व्यवसाय बढ़ी हुई लागत और बाधित व्यापार गतिविधियों का बोझ उठाना पड़ेगा।

चीन के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने भी इन टैरिफ्स की आलोचना करते हुए कहा कि ये निराधार हैं और ड्रग नियंत्रण सहयोग के लिए हानिकारक हैं। प्रवक्ता ने चीन द्वारा फैंटेनल संबंधित पदार्थों को वर्गीकृत करने की ऐतिहासिक पहल को रेखांकित किया और वैश्विक ड्रग नियंत्रण पहलों के लिए चीन की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की।

चीन ने कहा कि उसके योगदान के बाद भी अमेरिका ने अभी तक फैंटेनल की सूचीबद्धता को स्थायी रुप से नहीं किया है। प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका में फेंटानिल संकट के लिए चीन को दोषी ठहराना, दोनों देशों के बीच विश्वास को कमजोर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस समस्या का मूल कारण अमेरिका में घरेलू मांग और कानून के क्रियान्वयन में है। चीन ने अमेरिका से अपनी "गलतफहमी" को सुधारने और ड्रग नियंत्रण में सहयोगात्मक प्रगति को बनाए रखने की अपील की और स्वस्थ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने का आग्रह किया। चीन ने यह भी कहा कि केवल आपसी सहयोग और तर्कसंगत उपायों के माध्यम से दीर्घकालिक समाधान प्राप्त किए जा सकते हैं।

'आप आए, सदन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राहुल का मंतव्य यह था कि अगर भारत मजबूत होता तो चीन भारत में प्रवेश करने का दुस्साहन नहीं करता। उनका अधिकांश भाषण शांत एवं सुव्यवस्थित था।

उन्होंने सारे तथ्य एवं बिन्दु एक सुलझे हुये तथा धीर-गंभीर नेता की तरह प्रस्तुत किये, उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी की अशिष्ट भाषा की होड़ करने की कोई कोशिश नहीं की।

सुखद बात यह रही कि सत्तापक्ष ने उन्हें ध्यानपूर्वक सुना। अब निश्चित रूप से साफ प्रतीत होता है कि राहुल गांधी ने 2004 में जब उन्होंने चुनावी राजनीति में प्रवेश किया था, से लेकर अब तक उन्होंने एक लम्बी दूरी तय की है, एक सार्थक यात्रा की है।

कर्नाटक भाजपा प्रमुख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)?

- जानकारों का कहना है कि उनके आत्मविश्वास का कारण उनके पिता हैं। उनके पिता का प्रदेश में भारी दबदबा है, इसलिए राष्ट्रीय नेतृत्व उन्हें हटाने की हिम्मत नहीं करेगा।

उन्होंने कहा, "हम राज्य की भ्रष्ट सरकार से जूझ रहे है। राज्य की जनता और पार्टी के कार्यकर्ता जानते हैं कि मैं कैसे काम करता हूँ। मुझे यकीन है कि मैं इस पद पर बना रहूंगा और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए काम करता रहूँगा।"

उन्होंने यकीन दर्शाया कि सब ठीक हो जाएगा। जब कर्नाटक में पार्टी के संगठन चुनाव हो जाएंगे जब विजयेन्द्र पत्रकारों से बात कर रहे थे तब पार्टी के कुछ एमएलए तथा एमएलसी मौजूद थे।

वर्तमान में भाजपा कर्नाटक इकाई के चुनाव हो रहे है। मंडल अध्यक्ष, जिला व राज्य स्तर के पदाधिकारी रह चुके। हमारे यहां आंतरिक लोकतंत्र है। विभिन्न पदों के चुनाव हो रहे है। मुझे यकीन है कि मुझे फिर से अध्यक्ष बने रहने का अवसर मिलेगा।

भूटान नरेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया। वहीं, एयरपोर्ट पर कलाकारों ने भारतीय संस्कृति के अनुरूप विभिन्न प्रस्तुतियों से उनका स्वागत किया। वांग्चुक ने भी कलाकारों की हौसला अफजाई की। भूटान नरेश मंगलवार को प्रयागराज महाकुम्भ जाएंगे। वे यहां संगम पर पावन त्रिवेणी स्नान व दर्शन-पूजन आदि करेंगे। महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद, डीजीपी प्रशांत कुमार, लखनऊ के जिलाधिकारी विशाख जी आदि ने एयरपोर्ट पर उन्हें पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

आतंकवादियों ने कुलगाम में पूर्व सैनिक की हत्या की

श्रीनगर, 03 फरवरी। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में सोमवार को आतंकवादियों ने एक पूर्व सैनिक को गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गयी और इस हमले में उनकी पत्नी एवं बेटी घायल हो गईं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आतंकवादी बेहिबाग इलाके में पूर्व सैन्यकर्मी मंज़ूर अहमद वागे के घर में घुस गए और वहां रह रहे लोगों पर गोलीबारी की, जिसमें उनके सहित,

- आतंकवादियों ने पूर्व सैन्यकर्मी के घर में घुस कर गोलियां चलाईं-। सैनिक की पत्नी व बेटी भी घायल हुई।

परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जहां वागे ने दम तोड़ दिया। उनकी पत्नी और बेटी की हालत स्थिर बताई जा रही है। घटना के तुरंत बाद, सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी और अपराध के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों की तलाश शुरू कर दी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कुलगाम में पूर्व सैनिक और उनके परिवार पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने आतंकी हमले में शहीद हुए मंजूर अहमद वागे को श्रद्धांजलि दी। उपराज्यपाल ने कहा, मैं कुलगाम में मंजूर अहमद वागे और उनके परिवार पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता हूं।

सुप्रीम कोर्ट ने जंगलों की कटाई पर रोक लगाई

- अदालत ने वन संराक्षण की याचिकाओं पर तीन सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिये
- चिड़ियाघर या वन सफारी शुरु करने के किसी भी प्रस्ताव के लिये सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी आवश्यक है। वन मंत्रालय, राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के वन क्षेत्रों का पूरा विवरण वैबसाइट पर डालेंगे।

नई दिल्ली, 3 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र और राज्यों को वन क्षेत्रों की कटाई को लेकर कोई भी कदम उठाने को लेकर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन की पीठ ने 2023 वन संरक्षण कानून में संशोधन के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई की। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि वह इस मामले में दायर आवेदनों पर तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करेंगी। पीठ ने सुनवाई चार मार्च के लिए टाल दी।

पिछले साल फरवरी में शीर्ष अदालत ने 2023 के संशोधित कानून के तहत जंगल की परिभाषा में लगभग 1.99 लाख वर्ग किलोमीटर वन भूमि को जंगल के दायरे से बाहर रखा था। पीठ ने बताया कि चिड़ियाघर खोलने या वन भूमि पर सफारी शुरू करने के किसी भी प्रस्ताव के लिए सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी आवश्यक है। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में जंगल की परिभाषा का दायरा संशोधित कानून की धारा 1ए में सीमित किया जा रहा है। अदालत ने आगे कहा, "हम एक अंतरिम आदेश जारी करते हैं कि संरक्षित क्षेत्रों के अलावा अन्य वन क्षेत्रों में सरकार या किसी प्राधिकरण द्वारा अधिनियमित वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 में संदर्भित चिड़ियाघरों और सफारी की स्थापना के किसी भी प्रस्ताव को अंतिम रूप से मंजूरी नहीं दी जाएगी।" अपने अंतरिम आदेश में पीठ ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से टीएन गोदावर्मन थिरुमुलपाद बनाम भारत संघ के मामले में 1996 के फैसले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित वन की परिभाषा के अनुसार काम करने को कहा।

तमिलनाडु के राज्यपाल को ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने सदन को सम्मानपूर्वक उसका संवैधानिक कर्तव्य याद दिलाया था तथा मुख्यमंत्री, जो सदन के नेता हैं तथा स्पीकर से राष्ट्रगान गाने की अपील की थी। लेकिन विधानसभा ने "हठधर्मिता के साथ इनकार कर दिया था।"

राज भवन ने एक बयान में कहा, "राज्यपाल संवधिान तथा राष्ट्रगान के ऐसे निर्लज्जतापूर्वक अपमान की पार्टी नहीं बनना चाहते थे, इसलिये वे गहरी मनोव्यथा के साथ सदन छोड़कर चले गये।"

बयान में आगे कहा गया कि राज्यपाल रवि ने विधानसभा को राष्ट्रगान गाने के उसके संवैधानिक दायित्व का स्मरण दिलाया तथा मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से इस प्रोटोकॉल को सुनिश्चित करने का अनुरोध भी किया था। लेकिन सदन में केवल राज्यगान ही गाया गया।

इस बीच, मुख्यमंत्री स्टालिन राज्यपाल रवि पर प्रहार करते हुए, उन पर आरोप लगाया कि राज्य की उन्नति को स्वीकार नहीं कर सके।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सदन में भाषण न देने तथा समापन पर राष्ट्रगान की प्रस्तुति के विरोध को लेकर राज्यपाल की आलोचना की। उन्होंने राज्यपाल रवि पर राजनैतिक रूप से प्रेरित व्यवहार का आरोप लगाया था, जो विधानसभा की गरिमा के लिए अपमानजनक तथा उनके पद के लिये अशोभनीय था।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा था, "सदन की गरिमा और जनभावनाओं का अपमान करके तथा तमिल स्टेट सॉन्ग के असम्मान का दुस्साहस करके, राज्यपाल ने राजनैतिक उद्देश्य से अपने पद की गरिमा कम की है। सदन ने ऐसी स्थितियाँ कभी नहीं देखीं तथा उसे फिर से देखने को मिलनी भी नहीं चाहिये।"

2024 में विधानसभा सत्र के दौरान, राज्यपाल रवि ने तमिलनाडु सरकार द्वारा तैयार किये गये तथा प्रथानुसार पढ़ेजाने वाले उद्घाटन भाषण के पढ़ने से इनकार कर दिया था तथा केवल पहला पैराग्राफ पढ़कर ही चले गये थे।

उस संबोधन में नये वर्ष में प्रसन्नता, समृद्धि तथा खुशहाली" की शुभकामनाएं शामिल थी तथा "तिरुक्कुरल" की दो पंक्तियाँ उद्धृत की गई थीं। उस समय, राज्यपाल ने एक घंटे के भाषण को तीन मिनट में निबटा दिया था तथा यह कहते हुये विधानसभा से चले गये थे कि वे भाषण के मूल पाठ के कुछ हिस्सों से असहमत हैं। इसके अलावा, उन्होंने राज्य पर राष्ट्रगान का अपमान करने का आरोप भी लगाया था।

2023 में इसी प्रकार का विवाद पैदा हो गया था, जब राज्यपाल रवि ने अपने नीतिगत संबोधन के उन हिस्सों को छोड़ दिया था, जिनमें धर्मनिरपेक्षता, द्रविड़ मॉडल तथा पेरियर, बी.आर. अंबेडकर तथा पूर्व मुख्य मंत्रियों- सी.एन. अन्नादुरै तथा एम. करुणानिधि का जिक्र था।

राहुल -प्रियंका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां कस्तूरबा नगर क्षेत्र में विशाल रोड-शो किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता कांग्रेस पार्टी के ऐतिहासिक विकास कार्यों को याद कर रही है। इस बार दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बन रही है और यहां की जनता भाजपा तथा आम आदमी पार्टी की आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से मुक्ति चाहती है।

अयोध्या: दलित युवती की हत्या के मामले में तीन गिरफ्तार

अयोध्या, 03 फरवरी। अयोध्या के कोतवाली क्षेत्र में दलित युवती की हत्या के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरण नैयर ने सोमवार को पुलिस लाइन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि कोतवाली अयोध्या चौकी दर्शननगर क्षेत्र के अन्तर्गत दलित के साथ हुई दरिंदगी की घटना में पुलिस ने हरिराम कोरी, विजय साहू और दिग्विजय सिंह उर्फ बाबा को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के पास से मृतका के कपड़े आदि बरामद किये गये हैं।

उन्होंने बताया कि 31 जनवरी को इस मामले में मुकदमा दर्ज कर क्षेत्राधिकारी अयोध्या के नेतृत्व में चार टीमों का गठन किया गया था। विवेचना में मुखबिर की सूचना व इलेक्ट्रानिक सर्विलांस की मदद से हरिराम कोरी, विजय सिंह साहू व दिग्विजय सिंह उर्फ बाबा का नाम प्रकाश में आया, जिन्हें आज गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने मृतका की हत्या करना व शव को नाले में छिपा देना कबूल किया है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908